दो दशक पुराने वामपंत को हराकर... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फिल्मों में मिलने वाली फीस सिर्फ... 11

वर्ष - 01, अंक - 340 | गाजियाबाद / शनिवार 14 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

भारत में बन रहे 6,600 मेगावाट के परमाणु संयंत्र

- वर्ष 2031-32 तक बदल जाएगी देश की ऊर्जा सूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिजली मंत्री मनोहर लाल ने लोकसभा को बताया कि देश में लगभग 6,600 मेगावाट की परमाणु ऊर्जा क्षमता के संयंत्र निर्माणाधीन है। उन्होंने यह भी कहा कि 12,723.50 मेगावाट की जलविद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। 4,274 मेगावाट की जलविद्युत परियोजनाएं योजनाओं के विभिन्न चरणों में हैं और 2031-32 तक पूरा होने का लक्ष्य है। मनोहर लाल ने लिखित उत्तर में कहा कि 6,600 मेगावाट क्षमता के

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण 2029-30 तक पूरा होने का लक्ष्य है। सात हजार मेगावाट क्षमता के अन्य परमाणु संयंत्र योजना और अनुमोदन के विभिन्न चरणों में है। भारत की वर्तमान परमाणु क्षमता 8,780 मेगावाट से अधिक है। 11,620 मेगावाट/69,720 मेगावाट-घंटे की पंप स्टोरेज परियोजनाएं (पीएसपी) निर्माणाधीन हैं। 6,580 मेगावाट/39,480 मेगावाट घंटे की क्षमता वाली पीएसपी को मंजूरी मिल चुकी है। 9,653.94 मेगावाट/26,729.32 मेगावाट-घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएस) का निर्माण कार्य चल रहा है। अन्य प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक ने संसद को बताया कि भारत ने वित्तीय वर्ष 2025-26 (जनवरी 2026 तक) में 52,536.49 मेगावाट की स्थापित उत्पादन क्षमता जोड़ी है। 31 जनवरी तक कुल स्थापित उत्पादन क्षमता 5,20,511 मेगावाट है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों का हिस्सा 2,63,189 मेगावाट (50.6 प्रतिशत) है।

बंधक बनाए गए नगा समुदाय के 21 लोग मुक्त

- मणिपुर सरकार और केंद्र के साझा प्रयासों को मिली सफलता

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में बंधक बनाए गए तंगखुल नगा समुदाय के सभी 21 लोगों को रिहा कर दिया गया। मणिपुर के गृह मंत्री गोविनदास कोंथौजम ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बंधक बनाए गए नागरिकों को बचाने में मदद की। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। कोंथौजम ने विधानसभा में कहा कि बंधकों को गुरुवार सुबह बातचीत और केंद्रीय बलों के हस्तक्षेप के बाद मुक्त किया गया। मंत्री ने कहा कि बुधवार को कुछ हथियारबंद नगा युवकों ने कथित तौर पर थवाई

कुकी गांव में घुसकर किसानों की झोपड़ियों को जला दिया और कुकी समुदाय के दो लोगों का अपहरण कर लिया था। जैसे ही अपहरण की खबर फैली, हथियारबंद कुकी लोगों ने इंफाल-उखरुल रोड पर शांगकाई में 21 तंगखुल नगाओं को ले जा रहे तीन वाहनों को रोक लिया और उन्हें बंधक बना लिया। नागरिकों को बचाने के लिए सीमा सुरक्षा बल के नेतृत्व में केंद्रीय बलों को भेजा गया था, लेकिन स्थानीय महिलाओं ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। बाद में शाम को सेना ने उस क्षेत्र को घेर लिया जहां 21 तंगखुल नगा बंधक बनाए गए थे।

एलपीजी सिलेंडर के लिए देश भर में मारामारी

- पंजाब में एलपीजी सिलेंडर लेकर भागते दिखे लोग
- 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। कई जगहों पर 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा है। वहीं पंजाब में लोग सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। केरल में करीब 40 फीसदी रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है। उधर, दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एलपीजी सप्लाई की बिगड़ी स्थिति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विरोध जताने के लिए अपने साथ मिट्टी के चूल्हे लेकर आए थे।

- **एमपी में ऑनलाइन बुकिंग ठप...वेटिंग 7-8 दिन बढ़ी-** मध्य प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग लगभग ठप है। सर्वर डाउन होने से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में लोग सिलेंडर की बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं। वेटिंग 7 से 8 दिन तक पहुंच गई है। गैस एजेंसियों में लोगों की भीड़ लगी हुई है। इधर गैस की किल्लत के बीच इंडक्शन की कीमतें दोगुनी हो गई हैं।

- **उत्तर प्रदेश में चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियां तक बंद-** यूपी में फैक्ट्रियों को गैस सप्लाई नहीं हो रही है। इसका असर पॉटरी, चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियों तक पड़ रहा। बुलंदशहर में एशिया के सबसे बड़े पॉटरी उद्योग पर पड़ा है। यहां 300-325 यूनिट में से 95 फीसदी पॉटरी यूनिट बंद हैं। 30 हजार से ज्यादा वर्कर्स बेरोजगार हो गए हैं। यही हाल फिरोजाबाद में बनने वाली चूड़ियों और आगरा की पेठा फैक्ट्रियों का है।
- **बिहार में एजेंसी के बाहर लंबी लाइन; कोयला-लकड़ी के रेट बढ़े-** बिहार में 4 दिन से कॉमर्शियल सिलेंडर की बुकिंग बंद है। सप्लाई नहीं होने की वजह से होटल, रेस्टॉरेंट पर काफी असर पड़ रहा है। पटना के बाजारों में लकड़ी और कोयले के भाव भी बढ़ गए हैं। जो लकड़ी एक दिन में 10 किलो ही बिकती थी, अब तीन क्विंटल प्रतिदिन खरीदे जा रहे हैं। दरभंगा में सुबह 6 बजे से ही लंबी लाइन लग गई।

राजस्थान में गैस सप्लाई ठप, सिलेंडर की शवयात्रा निकाली

होटल-रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म होने से बिजनेस ठप होने लगे हैं। कई जगह ताले भी लटकने लगे हैं। वहीं कोटा समेत कई शहरों में हॉस्टल मेस और ढाबों में मजबूरी में लकड़ी, कोयले और इलेक्ट्रिक चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है। कई शहरों में एजेंसियों पर सुबह 5 बजे से ही लंबी लाइनें लग रही हैं और सिलेंडर न मिलने पर लोगों की पुलिस से झड़प तक हो रही है। इस संकट के बीच सिलेंडर की कालाबाजारी भी हो रही है, जिसके विरोध में कांग्रेस ने जयपुर में सिलेंडर की शवयात्रा निकाली।

तेहरान में अलविदा जुमा पर हुआ जबरदस्त धमाका

- इजरायल के खिलाफ जुटे थे हजारों, मच गई अफरातफरी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की राजधानी तेहरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच धमाका हुआ है। यह ब्लास्ट उस वक्त हुआ, जब तेहरान के फिरदौसी चौक पर हजारों लोग ईरान और अमेरिका के खिलाफ प्रदर्शन करने जुटे थे। आज ईद से पहले का आखिरी जुमा है, जिसे अलविदा जुमा कहा जाता है। इस कारण भी प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। इस दौरान जब धमाका हुआ तो दहशत फैल गई और लोग मौके से भागते नजर आए। इस धमाके के पीछे ईरानी एजेंसियों को इजरायल का हाथ होने का शक है। अब तक धमाके की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन इजरायल ने हमलों की चेतावनी दी थी। ऐसे में माना जा रहा है कि यह धमाका भी इजरायल ने ही किया है। यह धमाका ऐसे वक्त में हुआ, जब ईरान में अलविदा जुमा मनाया जा रहा है। ईद से पहले के आखिरी जुमा के दिन खूब भीड़ जुटी थी।

ईरान से युद्ध के बीच रूसी तेल पर नरम है अमेरिका

- भारत के अलावा अन्य देशों को भी दी खरीदारी में ढील

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के साथ इजरायल और अमेरिका का युद्ध लगातार भीषण होता जा रहा है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं। कीमतों को बढ़ता देख अमेरिका ने रूसी तेल के प्रति अपनी नरमी दिखाई है। पहले

अमेरिका ने दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल के उपभोक्ता भारत को रूस से तेल खरीदने की 30 दिनों की अस्थायी अनुमति दी थी, कुछ वैसी ही ढील अब अमेरिका ने कई अन्य देशों को भी दी है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने यह जानकारी दी है।

कच्चे तेल की खरीद की वजह से नहीं होगा रूस को फायदा

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इस रूसी तेल की खरीद की वजह से रूसी सरकार को कोई खास फाइनेंशियल फायदा नहीं होगा। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की एनर्जी के लिए नीतियों ने यूएस में तेल और गैस का प्रोडक्शन रिकॉर्ड लेवल पर पहुंचाया है, जिससे मेहनती अमेरिकियों के लिए फ्यूल की कीमतें कम हुई हैं।

ईरान से जंग के बीच क्रैश हुआ अमेरिकी विमान

- 4 लोगों की हो गई मौत, हवा में भर रहा था ईंधन

बगदाद (एजेंसी)। इराक में अमेरिका का विमान केसी-135 हवा में फ्यूलिंग के दौरान क्रैश हो गया है। इस विमान में सवार 6 क्रू सदस्यों में से 4 की मौत हो गई है। सैंटकाम के मुताबिक इस क्रैश में न तो दुश्मन की गोलीबारी की जानकारी सामने आई है और न ही अमेरिकी पक्ष की तरफ से की गई फायरिंग की। ईरान पर मिलकर हमला करने वाले अमेरिका और इजरायल को भी युद्ध में भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इस युद्ध में अभी तक आधिकारिक रूप से अमेरिका के चार विमान गिर चुके हैं और एक महंगा एयर डिफेंस सिस्टम थाड का रडार भी नष्ट हो चुका है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने बताया कि ईंधन भरने वाले एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार 6 क्रू सदस्यों में से चार की मौत हो गई है।

दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है भारत

- मिडिल ईस्ट तनाव के बीच पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बातचीत की है। इस दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति और सुरक्षा हालात पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति से क्षेत्र में पैदा हुई गंभीर स्थिति पर बातचीत की। पीएम मोदी ने लिखा सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मैंने राष्ट्रपति डॉ मसूद पेजेश्कियन से क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की। बढ़ते तनाव, नागरिकों की जानमाल की हानि और नागरिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की।

- **ईरान युद्ध के बीच पहली बार बोले मोजतबा खामेनेई-** बता दें कि अपने दिवंगत पिता की जगह संभालने के बाद ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने पहला बयान जारी कर गुरुवार को कहा कि ईरान अपने खाड़ी अरब के पड़ोसियों पर हमले जारी रखेगा और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के रणनीतिक लाभ का इस्तेमाल अमेरिका व इजराइल के खिलाफ दबाव के लिये करेगा।

सीईसी को हटाने के लिए विपक्ष ने दिया नोटिस

- 200 से अधिक विपक्षी सांसदों ने कर दिए हैं साइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के प्रस्ताव के लिए शुक्रवार संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में नोटिस दिए। इस नोटिस पर 200 से अधिक सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने बताया कि नोटिस में सात बिंदु हैं। नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं, जिनमें पद पर रहते हुए पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण आचरण चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालना और बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना जैसे आरोप शामिल हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि लोकसभा के 130 सांसदों ने और राज्यसभा के 63 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं।

महिलाओं का करियर खत्म हो जाएगा, कोई नौकरी भी नहीं देगा

- 'पीरियड्स लीव' की याचिका पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस जनहित याचिका पर विचार करने से साफ इनकार कर दिया, जिसमें कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के लिए देशव्यापी मासिक धर्म अवकाश लागू करने की नीति बनाने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर इस तरह का प्रावधान कानूनन लागू कर दिया गया, तो कंपनियां महिलाओं को नौकरी देने से कतराएंगी और इससे अनजाने में महिलाओं के प्रति लैंगिक रूढ़िवादिता को ही बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए यह स्पष्ट किया कि सरकार और संबंधित अधिकारी इस मामले में सभी हितधारकों से परामर्श करके नीति बनाने की संभावना पर विचार कर सकते हैं।

- **महिलाओं का करियर खत्म हो जाएगा-** अदालत ने कहा- स्वैच्छिक रूप से (अपनी मर्जी से) छुट्टी देना बहुत अच्छा है। लेकिन जैसे ही आप कहते हैं कि यह कानूनन अनिवार्य है, तो कोई उन्हें नौकरी नहीं देगा। कोई भी उन्हें न्यायपालिका या सरकारी नौकरियों में नहीं रखेगा; उनका करियर खत्म हो जाएगा। यह जनहित याचिका शैलेंद्र मणि त्रिपाठी द्वारा दायर की गई थी। उनकी ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने अदालत को बताया कि कुछ राज्यों और संस्थानों ने पहले ही इस दिशा में कदम उठाए हैं।

अब बिना लाइसेंस नहीं बेच पाएंगे दूध, होगी कार्रवाई

मिलावट की घटनाओं को देखते हुए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में दूध और डेरी उत्पादों में बढ़ती मिलावट की शिकायतों को देखते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दूध उत्पादन और उसकी बिक्री के लिए लाइसेंस अनिवार्य कर दिया है। डेरी सहकारी समितियों के सदस्यों को लाइसेंस नहीं लेना होगा यानी जो किसान या पशुपालक किसी

रजिस्टर्ड सहकारी समिति से जुड़े हैं और उन्हें दूध देते हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से अलग लाइसेंस लेने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके लिए एफएसएसएआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य खाद्य आयुक्तों को एडवाइजरी जारी की है। नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। एफएसएसएआई ने बताया कि कुछ दूध उत्पादक और दूध विक्रेता खुद को पंजीकृत किए बिना या लाइसेंस लिए बिना कारोबार कर रहे हैं। इसके लिए राज्य के खाद्य आयुक्तों से कहा गया है कि पंजीकरण-लाइसेंसिंग की जरूरतों का सख्ती से पालन किया जाए।

क्रॉस वोटिंग या फिर 'दक्षिणा' के भरोसे हैं उपेंद्र कुशवाहा

- बिहार में होगा खेला, अब भी तस्वीर नजर आ रही धुंधली

पटना (एजेंसी)। बिहार से राज्यसभा की पांच सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होगा। चूंकि पांच सीटों पर छह उम्मीदवार हैं इसलिए मतदान होगा। मतदान होगा तो एनडीए के पांचवें उम्मीदवार के लिए 3 वोट कम पड़ जाएंगे। एनडीए का यह पांचवां उम्मीदवार तभी जीतेगा जब 3 विधायक क्रॉस वोटिंग करें या फिर पांच या इससे अधिक विधायक मतदान में गैरहाजिर हो जाएं। छठे उम्मीदवार राजद के अमरेन्द्रधारी सिंह तभी जीत सकते हैं जब एआईएमआईएम के पांच और बसपा के एक विधायक उन्हें वोट दें। इसकी तस्वीर अभी साफ नहीं है। इसलिए मतदान के दिन इधर से उधर होने की संभावना है।

- **भोज-भात का दौर और 'दक्षिणा'-** अभी राज्यसभा चुनाव को लेकर पटना में गुरुवार से ही भोज-भात दौर चल रहा है। 14 मार्च को उपेन्द्र कुशवाहा के आवास पर भोजन का प्रबंध है। इसके बाद 15 मार्च को संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी के यहां भोज है। डिनर डिप्लोमेसी में बहुत कुछ तय होता है। अगर एनडीए की तरफ से भोजन के साथ-साथ कल्याण करने वाले पुरोहितों को 'उत्तम दक्षिणा' देने की भी प्रबंध हो जाए तो पांचवां प्रत्याशी जरूर 'भवसागर' पार कर जाएगा। अब पहले वाला जमाना नहीं रहा। विधायकी कुर्बान कर भी कल्याण करने वालों की कमी नहीं है। 2010 में राजद और कांग्रेस के विधायक पार्टी लाइन को दरकिनार

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की चिंता करें शिक्षण संस्थान : अभाविप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने आईआईटी दिल्ली के प्रथम वर्ष के बी.टेक सिविल इंजीनियरिंग के छात्र हर्षित स्वामी के दुखद एवं असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की चिंता करें। अभाविप ने इस कठिन समय में दिवंगत छात्र के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की और ईश्वर से प्रार्थना की कि वे परिवार को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। अभाविप के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि हम इस घटना की निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं, ताकि इस दुखद घटना की वास्तविकता सामने आ सके। अभाविप का मानना है कि छात्रों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और उनके समग्र कल्याण को सुनिश्चित करना संस्थान की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अभाविप यह भी मांग करती है कि संस्थान-प्रशासन छात्रों के लिए उपलब्ध काउंसलिंग और सहायता तंत्र को ठीक करे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

जामिया के गर्ल्स हॉस्टल में झगड़ा करते हुए घुसे युवक, वीडियो वायरल

-सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, छात्र संगठनों ने घटना की निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के तिकोना पार्क स्थित ओल्ड गर्ल्स हॉस्टल में झगड़ा करते हुए युवकों के घुसने का मामला सामने आया है। इसको लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि जामिया प्रशासन ने हॉस्टल में प्रवेश की बात से इनकार किया है। वीडियो में दिख रहा कि युवकों के अंदर घुसने को लेकर छात्राएं विरोध दर्ज कराती नजर आ रही हैं। गर्ल्स हॉस्टल में युवकों के अंदर घुसने को लेकर अलग-अलग छात्र संगठनों ने विरोध दर्ज कराया है। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है और प्रशासन से जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की है। जामिया की नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया इकाई के अध्यक्ष फैजान अली खान ने कहा कि हॉस्टल परिसर में अनाधिकृत व्यक्तियों को प्रवेश से रोकने में नाकाम होने वाले सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हो। सुरक्षा कर्मचारियों को ऐसे हालात से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाए। वहीं इस संबंध में जामिया के अधिकारी ने कहा कि गर्ल्स हॉस्टल में कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है। वहां पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं।

मोबाइल लूटने के विरोध पर युवक को चाकू मारने वाले दो नाबालिग पकड़े गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणहौला इलाके में मोबाइल लूट का विरोध करने पर एक युवक को चाकू मारकर घायल करने वाले दो नाबालिगों को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल ई-रिक्शा और चाकू बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि 10 मार्च को रणहौला थाना पुलिस को लूटपाट के विरोध पर एक युवक को चाकू मारे जाने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल रणहौला निवासी नीतीश कुमार को पास के अस्पताल में लेकर गई। उसके शरीर पर चाकू के दो घाव थे। इलाज करवाने के बाद नीतीश ने बताया कि वह काम के सिलसिले में जा रहा था। विकास नगर के बालाजी रोड पर चार लोग एक ई-रिक्शा में आए और उसका मोबाइल फोन लूटने की कोशिश करने लगे। विरोध करने पर हमलावरों में से एक ने उस पर चाकू से हमला किया और उसके पेट और कंधे में वार किया। शोर मचाने पर आरोपी मोबाइल फोन फेंककर वहां से ई-रिक्शा में बैठकर मौके से भाग गए। पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया।

डोरेमोन गैंग का सरगना समेत दो गिरफ्तार, 11 मामलों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अशोक विहार थाना पुलिस ने चोरी और लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले कुख्यात डोरेमोन गैंग का भंडाफोड़ करते हुए उसके सरगना समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक, चाकू और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तारी के बाद चार मामलों में 100 प्रतिशत बरामदगी की गई है और कुल 11 आपराधिक मामलों का खुलासा हुआ है। नॉर्थ-वेस्ट जिले की डीसीपी अकांक्षा यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिनेश उर्फ डोरेमोन और सनी के रूप में हुई है। दिनेश उर्फ डोरेमोन अशोक विहार का घोषित बदमाश है और उसके खिलाफ पहले से 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि सनी के खिलाफ एक मामला दर्ज है। 11 मार्च की रात करीब 10:20 बजे पुलिस टीम इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान राजा पार्क, बी-ब्लॉक, डब्ल्यूपीआईए के पास दो संदिग्ध युवक एक बाइक को घसीटते हुए दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी लेने पर दिनेश के पास से एक चाकू बरामद हुआ, जबकि सनी के कब्जे से मिली बाइक चोरी की निकली। पूछताछ में दोनों की संलिप्तता कई चोरी और लूट की वारदातों में सामने आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तरुण हत्याकांड में सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर शिंकजा, पुलिस ने खाता फीज कराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तम नगर इलाके में होली वाले दिन गुब्बारा फेंकने के विवाद में तरुण कुमार की हत्या को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ अब पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू किया है। पुलिस ने ऐसे अकाउंट का पता लगाया है जिसमें मार्मिक वीडियो डालकर सोशल मीडिया के जरिये केवल दो दिन में 37 लाख रुपये जमा कराए गए हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर सक्रिय 22 अकाउंट का पता लगाया है, जिनसे लगातार भ्रामक व आक्रामक वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं। पुलिस ने इस संबंध में आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि उत्तम नगर मामले को लेकर लोग सोशल मीडिया पर गुमराह करने व भडकाऊ पोस्ट डाल रहे हैं। जिस पर पुलिस ने गंभीरता से लिया है। पुलिस हत्याकांड के मामले की जांच के साथ साथ सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर निगरानी रख रही थी, जिसके जरिये गलत कंटेंट पोस्ट किए जा रहे थे। इस संबंध में पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दौरान पुलिस ने एक्स पर 14 अकाउंट की पहचान की है। इन अकाउंट से कई भ्रामक व भड़काऊ पोस्ट डाले गए थे। वहीं इंस्टाग्राम पर भी 8 भड़काऊ पोस्ट मिले हैं। पुलिस ने संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफार्म से संपर्क कर सभी कंटेंट को हटाने का आग्रह किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए एक मार्मिक वीडियो वायरल कर फंड जुटाने का खुलासा भी हुआ है। जांच में पता चला कि 10 मार्च को वीडियो डालकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लोगों से मदद की गुहार लगाई गई। क्यूआर कोड भेजकर लोगों से मदद के लिए रुपये मांगे गए। दो दिनों में ही उस खाते में 37 लाख रुपये जमा हुए हैं। पुलिस ने क्यूआर कोड वाले अकाउंट का पता लगाया और बैंक अधिकारी से संपर्क कर उस खाते में क्रेडिट और डेबिट सुविधा को ब्लॉक करा दिया है। साथ ही खाते को फीज करने के लिए कहा है। पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि यह बैंक खाता किसके नाम है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि सोशल मीडिया पर गलत जानकारी या अफवाह फैलाना कानूनन अपराध है। लोगों को इससे बचना चाहिए। पुलिस ने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने की बात कही है।

दिल्ली में सीसीटीवी लोकेशन का होगा अध्ययन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में विभिन्न एजेंसियों द्वारा लगाए गए लाखों सीसीटीवी कैमरों के बेहतर उपयोग के लिए अब उनकी लोकेशन और दिशा का अध्ययन कराया जाएगा। कई स्थानों पर एक ही इलाके में बड़ी संख्या में कैमरे लगे होने और उनकी दिशा सही न होने के कारण अपेक्षित कवरेज नहीं मिल पा रही है। इसे देखते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने पूरे शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों का व्यापक अध्ययन कराने का फैसला किया है, ताकि कम कैमरों से अधिक क्षेत्र की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। जानकारी के अनुसार दिल्ली में देश के किसी भी अन्य शहर की तुलना में सबसे अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। हालांकि इन्हें लगाते समय उनकी लोकेशन को लेकर कोई व्यापक तकनीकी अध्ययन नहीं किया गया था। पूर्व दिल्ली सरकार ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्धारित संख्या में कैमरे स्वीकृत किए थे। इसके बाद संबंधित विधायकों और स्थानीय लोगों द्वारा सुझाई गई जगहों पर कैमरे लगाए गए। इसी तरह नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली पुलिस ने भी उन स्थानों पर कैमरे लगाए, जहां अपराध की आशंका या भीड़भाड़ अधिक रहती है। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि राजधानी में सीसीटीवी कैमरों को व्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से लगाने की जरूरत है। इसके लिए जल्द ही विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी, जो पूरे शहर का अध्ययन कर यह सुझाव देंगे कि किन स्थानों पर कितने कैमरे और किस दिशा में लगाए जाने चाहिए। अध्ययन के आधार पर जरूरत पड़ने पर मौजूदा कैमरों की लोकेशन में भी बदलाव किया जाएगा। पुलिस को सौंपा जा सकता है कंट्रोल रूममंत्री ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का सबसे अधिक उपयोग दिल्ली पुलिस अपराधों की जांच में करती है। ऐसे में प्रयास किया जा रहा है कि इन कैमरों के कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस को सौंपी जाए। इससे पुलिस को फुटेज के लिए अलग से अनुरोध नहीं करना पड़ेगा और पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों को अदालत में बार-बार गवाही के लिए नहीं जाना होगा। पहले चरण के कैमरे बदले जाएंगेसूत्रों के अनुसार पीडब्ल्यूडी द्वारा पहले चरण में लगाए गए कई सीसीटीवी कैमरे अब पुराने हो चुके हैं।

अब हाईटेक मशीनों से होगी नजफगढ़ और पंखा रोड ड्रेन की सफाई

-सालों से जमी सिल्ट और जलकुंभी हटाने में आएगी तेजी, सीएम रेखा गुप्ता ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नालों की सफाई और यमुना को साफ रखने के लिए सरकार ने अहम कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को नजफगढ़ और पंखा रोड ड्रेन की सफाई के लिए अत्याधुनिक अम्फीबियस एक्स्कावेटर मशीनों को हरी झंडी दिखाई। इन मशीनों से ड्रेन के अंदर जमी सिल्ट, कचरा और जलकुंभी को तेजी से हटाया जाएगा। इससे बरसात के समय जलभराव की समस्या कम करने और यमुना को स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से लाई गई मशीनें अब ड्रेनों की डी-सिल्टिंग, कचरा हटाने और जलकुंभी साफ करने का काम करेंगी। इसको यमुना नदी को साफ और अविरल बनाने की दिशा में भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि दिल्ली के कई बड़े नालों का पानी यमुना में ही जाता है। नजफगढ़ ड्रेन दिल्ली का सबसे बड़ा ड्रेन माना जाता है। अलग-अलग नालों से निकलने वाली करीब 75 फीसदी सिल्ट इसी ड्रेन से आगे बढ़ती है। नई मशीनों को बड़ुसराय पुल, काकरोला, द्वारका और उत्तम नगर समेत कई जगहों पर तैनात किया गया है।

पूरे साल हाईटेक मशीनें करेंगी ड्रेनों की सफाई

अब पूरे साल इन मशीनों से ड्रेनों की सफाई होगी। शॉर्ट बूम अम्फीबियस मशीन की कीमत करीब 1.27 करोड़ रुपये है। इसमें 6 मीटर लंबा बूम, 0.20 घन मीटर बकेट क्षमता और 65 एचपी का इंजन है। ये करीब 5 मीटर चौड़े संकरे ड्रेन में भी काम कर सकती है। इसमें 2.25 घन मीटर क्षमता का कचरा बिन भी लगा होता है, जिससे सिल्ट और कचरा सीधे बाहर निकाला जा सकता है। दूसरी ओर, लॉन्ग बूम अम्फीबियस मशीन की कीमत करीब 3.15 करोड़ रुपये है। इसमें 15 मीटर लंबा बूम, 0.50 घन मीटर बकेट क्षमता और 135 एचपी इंजन है। यह करीब 9 मीटर गहराई तक ड्रेन के अंदर काम कर सकती है। दोनों मशीनें सूखी, दलदली और पानी भरी परिस्थितियों में भी आसानी से चल सकती हैं और सिल्ट, कचरा, मलबा तथा जलकुंभी हटाने में सक्षम हैं। कार्यक्रम के दौरान जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और स्थानीय विधायक व शिक्षा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद थे।

दिल्ली के नालों की सफाई और यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए आधुनिक तकनीक इस्तेमाल कर रहे। नजफगढ़ ड्रेन में करीब एक करोड़ मीट्रिक टन सिल्ट निकलने की आशंका है, हम और मशीनें खरीदने की तैयारी कर रहे।

-रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री

एलपीजी संकट पर कांग्रेस का भाजपा मुख्यालय घेराव, देवेंद्र यादव समेत कई नेता हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी और बढ़ती कीमतों के विरोध में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय का घेराव किया। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकते हुए देवेंद्र यादव सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर आईपी एस्टेट पुलिस थाने ले गई, जहां बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

प्रदर्शन से पहले कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश कार्यालय में एकत्रित हुए और वहां से भाजपा मुख्यालय की ओर मार्च किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने महंगाई और गैस संकट के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान देवेंद्र यादव और महिला नेताओं ने प्रतीकात्मक रूप से मिट्टी के चूल्हे पर चाय और रोटियां बनाकर केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध जताया। बड़ी संख्या में महिलाएं भी हाथों में मिट्टी के चूल्हे लेकर प्रदर्शन में शामिल हुईं।

देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एलपीजी संकट से निपटने में विफल रही है और आम लोग गैस उपलब्ध न होने के कारण दोबारा चूल्हे जलाने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हालात से मुकाबला करने के बजाय उनसे समझौता कर रही है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने ''चूल्हा जलाओ, अमृत काल मनाओ'', ''भाजपा आई, महंगाई लाई'' और ''गैस के बढ़े दाम वापस लो'' जैसे नारे लगाए और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग की।

देवेंद्र यादव ने कहा कि देश की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार की नीतियां कमजोर साबित हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और विदेश नीति की विफलताओं के कारण देश में गैस और पेट्रोल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के सांसदों ने होली के अवसर पर जनता को मुफ्त गैस सिलेंडर देने की घोषणा की थी, लेकिन लोगों को राहत देने के बजाय गैस सिलेंडर के दाम में वृद्धि कर दी गई और अब आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है।

देवेंद्र यादव ने दावा किया कि यदि देश में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है तो गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें क्यों लग रही हैं और सिलेंडर कालाबाजारी में कई गुना अधिक कीमत पर क्यों बिक रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए तो एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की समस्या आम नागरिकों के लिए और गंभीर हो सकती है।

प्रदर्शन में पूर्व मंत्री डॉ नरेंद्र नाथ, अनिल भारद्वाज, कुंवर करण सिंह, असीफ मोहम्मद खान, सुरेंद्र कुमार, अब्दुल रहमान, जतिन शर्मा, जितेंद्र कुमार कोचर, कमल कांत शर्मा, तस्वीर सोलंकी, जगजीवन शर्मा, डॉ पीके मिश्रा, लक्ष्मण रावत, सिद्धार्थ राव, मोहम्मद उस्मान, धर्मपाल चंदेला, महेंद्र भास्कर, राजकुमार जैन, महेंद्र मंगला, इंद्रजीत सिंह, हर्ष चौधरी, सुमित शर्मा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने स्पेन के राजदूत से की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भारत में स्पेन के राजदूत जुआन एंतोनियो मार्च पुजोल के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात राजदूत द्वारा दिए गए स्नेहपूर्ण आमंत्रण के बाद संपन्न हुई। इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने राजदूत के आत्मीय आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया और उनके आवास पर आयोजित स्नेहपूर्ण लंच के लिए धन्यवाद दिया। मुलाकात सौहार्दपूर्ण और गरिमामय वातावरण में हुई, जहां उपस्थित लोगों ने स्पेनिश परंपरा को दर्शाने वाले विशेष व्यंजनों का आनंद लिया। इन व्यंजनों को भारतीय स्वाद के अनुरूप भी तैयार किया गया था। यह बैठक अनौपचारिक संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुई। इस दौरान भारत और स्पेन के बीच मित्रता, आपसी समझ और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और मजबूत करने पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

गैस की कमी से लंगर सेवा प्रभावित नहीं होगी : हरमीत सिंह कालका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा है कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा चलाई जा रही लंगर सेवा गैस सिलेंडरों की किसी भी संभावित कमी से प्रभावित नहीं होगी। एक जारी बयान में हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी हमेशा संगतों के सहयोग से लंगर सेवा का संचालन करती आई है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल जैसे कठिन समय में भी जब पूरी दुनिया मुश्किल दौर से गुजर रही थी, तब भी दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की लंगर सेवा लगातार जारी रही थी। उन्होंने बताया कि उस दौरान न केवल लंगर सेवा चलती रही, बल्कि ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने सहित मानवता की सेवा के लिए कई प्रकार की सेवाएं भी लगातार संचालित की गई थीं। उन्होंने कहा कि जब इतने कठिन समय में भी संगतों के सहयोग से सेवाएं प्रभावित नहीं हुईं, तो अब प्रभावित होने का सवाल ही नहीं उठता। हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलों ने संगतों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भी बार-बार स्पष्ट कर चुकी है कि देश में एलपीजी गैस सिलेंडर या अन्य ईंधन की कोई कमी नहीं है और लोगों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने दोहराया कि संगतों के सहयोग से गुरुद्वारों में लंगर और अन्य सेवाएं पहले की तरह निरंतर जारी रहेंगी और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार और आईआईटी मद्रास के बीच समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। इस समझौते के तहत ÷स्मॉग-ईटिंग÷ सतहों पर एक व्यापक पायलट अध्ययन शुरू किया जाएगा, जिसका उद्देश्य शहर की हवा में मौजूद हानिकारक प्रदूषकों को कम करना है।

यह अध्ययन टाइटेनियम डाइऑक्साइड आधारित फोटोकैटलिटिक पदार्थों की प्रभावशीलता का परीक्षण करेगा, जो सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों जैसे प्रदूषकों को कम करने में सक्षम माने जाते हैं। परियोजना का उद्देश्य यह पता लगाना है कि इन पदार्थों का उपयोग शहरी संरचनाओं पर किस प्रकार किया जा सकता है, ताकि प्रदूषण को प्रभावी रूप से कम किया जा सके।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के मंत्री मंजींदर सिंह सिरसा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के भौतिकी विभाग के प्रो सोम्नाथ चंद्र राय, पर्यावरण विभाग और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समझौते के आदान-प्रदान के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के औद्योगिक परामर्श और प्रायोजित अनुसंधान के सह-डीन प्रो सीएस शंकर राम, प्रो सोम्नाथ चंद्र राय, दिल्ली सरकार के पर्यावरण सचिव रमेश बिधूड़ी और विशेष सचिव आनंद तिवारी भी मौजूद रहे।

मंत्री मंजींदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाने के लिए वैज्ञानिक और नवोन्मेषी समाधान खोजने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि यह अध्ययन प्रमाण आधारित परिणाम देता है तो सड़कों, इमारतों और अन्य शहरी सतहों पर ऐसे पदार्थों का उपयोग कर प्रदूषण कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच राजधानी में बुनियादी ढांचे का विस्तार हो रहा है, ऐसे में विकास को रोके बिना स्वच्छ हवा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए वैज्ञानिक उपायों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

छह महीने तक चलने वाले इस अध्ययन में पहले चरण में आईआईटी मद्रास में विशेष स्मॉग कक्ष में प्रयोगशाला परीक्षण किए जाएंगे, जहां प्रदूषकों के कम होने की क्षमता का सटीक आकलन किया जाएगा। इसके बाद दिल्ली में वास्तविक परिस्थितियों में सड़कों, कंक्रीट, डामर, धातु पैनलों और कांच जैसी सतहों पर परीक्षण किए जाएंगे, ताकि इन पदार्थों की प्रभावशीलता और स्थायित्व का मूल्यांकन किया जा सके।

अध्ययन के अंतर्गत टाइटेनियम डाइऑक्साइड आधारित प्रदूषण-निवारक पैनलों के विकास और उपयोग की संभावनाओं का भी परीक्षण किया जाएगा। इन्हें छतों या सड़क किनारे लगे खंभों पर स्थापित कर हवा में मौजूद प्रदूषकों को सीधे कम करने की संभावना पर भी विचार किया जाएगा।

दिल्ली सरकार का मानना है कि यह पहल वायु गुणवत्ता सुधारने की बहुआयामी रणनीति का हिस्सा है, जिसमें सड़क की धूल को नियंत्रित करने जैसे अन्य उपाय भी शामिल हैं। अध्ययन के परिणाम सकारात्मक रहने पर इस वर्ष प्रदूषण के चरम समय के दौरान इन उपायों को बड़े स्तर पर लागू करने की संभावना भी तलाश की जाएगी।

सीबीआरएनई खतरों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विभाग द्वारा दयाल सिंह कॉलेज, नेशनल एसोसिएशन फॉर केमिकल सिक्योरिटी और स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 5 राष्ट्रीय सुरक्षा और सुरक्षा के लिए सीबीआरएनई संबंधित खतरे - सुरक्षित पर्यावरण के लिए आतंकवाद-रोधी उपाय (आईसीसीटीएनएसएस-2026) 5 का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो इंद्र मोहन कापाही उपस्थित रहे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो योगेश सिंह ने कहा कि हाल के वर्षों में हुई घटनाएं इस बात का संकेत देती हैं कि रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल, परमाणु और विस्फोटक से जुड़े खतरे तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज आसानी से उपलब्ध रसायनों और सामग्रियों का दुरुपयोग कर आतंक फैलाने की आशंका बनी रहती है, इसलिए इस दिशा में वैज्ञानिक समझ और सतर्कता बेहद जरूरी है। कुलपति ने राष्ट्रीय और पर्यावरणीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अकादमिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और उद्योग जगत के बीच बहु-विषयक सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संभावित खतरों से निपटने के लिए शोध, प्रशिक्षण और तकनीकी तैयारी को बढ़ाना समय की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने बताया कि डॉ. पूजा सक्सेना के सुझाव पर विश्वविद्यालय सीबीआरएनई खतरों और आपदा प्रबंधन से जुड़ा एक विशेष पाठ्यक्रम शुरू करने पर भी विचार कर रहा है। सम्मेलन के सह-संयोजक प्रो एके भागी ने बताया कि इस आयोजन में देश और विदेश से 400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 200 चौथे वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों ने पोस्टर और मौखिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शोध और विचार साझा किए।

स्थायी समिति अध्यक्ष ने शकरपुर वार्ड का किया निरीक्षण, सफाई व्यवस्था में सुधार एवं अतिक्रमण हटाने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने शाहदरा (दक्षिणी) जोन वार्ड समिति के अध्यक्ष राम किशोर शर्मा के साथ शुक्रवार को शकरपुर वार्ड का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था, नागरिक सुविधाओं तथा चल रहे विकास कार्यों की स्थिति की समीक्षा करना और आवश्यक दिशा-निर्देश देना था।

निरीक्षण के दौरान शकरपुर मार्केट के प्रवेश द्वार के पास नालियों की जाम और जर्जर स्थिति पर सत्या शर्मा ने पीडब्ल्यूडी को पुनः पत्र लिखकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सत्या शर्मा ने डीडीए की भूमि पर स्थित सीड बेड पार्क क्षेत्र का निरीक्षण भी किया गया, जहां अवैध रूप से संचालित एक मछली बाजार पाया गया। अध्यक्ष ने नाराज़गी व्यक्त करते हुए इसे स्पष्ट अतिक्रमण और नियमों का उल्लंघन बताया तथा क्षेत्रीय उपायुक्त को तत्काल कार्रवाई करते हुए अवैध मछली बाजार को बंद कराने और स्थल को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अवैध गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सार्वजनिक स्थानों का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्य के अनुसार ही सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

सत्या शर्मा ने मार्केट क्षेत्र में रेहड़ी-पटरी के अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। अध्यक्ष ने लाइसेंसिंग विभाग को अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा बाजार को सुचारु आवागमन के लिए व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एक दुकानदार द्वारा किए गए अतिक्रमण को मौके पर ही हटाया गया।

सत्या शर्मा ने शकरपुर मार्केट स्थित संजय पार्क जन रसोई परिसर में प्रस्तावित आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कराने के लिए अधिकारियों को आवश्यक बजट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस दौरान शकरपुर रेड लाइट के पास निर्माण एवं विध्वंस मलबा पाए जाने पर अधिकारियों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। वहीं, सीड बेड पार्क क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मछली बाजार की खराब स्वच्छता स्थिति को देखते हुए उसे तुरंत बंद कराने के निर्देश दिए गए।

स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना और अतिक्रमण हटाकर नागरिक सुविधाओं को सुचारु बनाना हमारी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता, बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था और अतिक्रमण मुक्त बाजार नागरिकों की सुविधा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि क्षेत्र की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

शाहदरा (दक्षिणी) जोन वार्ड समिति के अध्यक्ष राम किशोर शर्मा ने कहा कि शकरपुर क्षेत्र में नालियों की मरम्मत, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अतिक्रमण हटाने तथा बाजार क्षेत्र को व्यवस्थित बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों को सक्रिय रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्थानीय निवासियों और व्यापारियों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके।

उन्होंने कहा कि ऐसे निरीक्षण समय-समय पर जारी रहेंगे, जिससे विकास कार्यों की प्रगति की लगातार समीक्षा होती रहे और क्षेत्र में मौजूद समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। प्रशासन और स्थानीय प्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों से शकरपुर क्षेत्र की समग्र स्थिति में निश्चित रूप से सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त पंकज नरेश अग्रवाल, क्षेत्रीय उपायुक्त पुंशीबा सिंह तथा निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद नगर निगम का सम्मान बढ़ाने पर पार्षदों दी ने नगर आयुक्त को बधाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज 2025 में गाजियाबाद विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। विश्व के 24 शहरों में गाजियाबाद को भी शामिल किया गया है। प्राकृतिक पेंट प्रोजेक्ट को अधिक बढ़ावा देने के लिए यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम से 1 मिलियन डॉलर की अवार्ड मनी गाजियाबाद नगर निगम को मिलेगा।प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का भी योगदान लिया जा रहा है।गाजियाबाद भारत का दूसरा शहर है, जिसके द्वारा ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज में अपनी अलग पहचान बनाई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक का पार्षदों द्वारा पुष्प गुच्छ और प्लांट भेट कर बधाई दी गई। पार्षद राजीव शर्मा, पार्षद शीतल देओल, पार्षद देवनारायण शर्मा, पार्षद वीरेंद्र त्यागी, पार्षद नितिन, पार्षद नीरज गोयल, पार्षद राजकुमार नागर द्वारा नगर आयुक्त तथा निगम अधिकारियों का सम्मान किया गया। साथ ही शहर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए भी शुभकामनाएं दी गई। गोबर की समस्या का निस्तारण तथा प्राकृतिक पेंट की शुरूआत हेतु बनाई जा रही योजना की भी सराहना की गई। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर जहां पार्षदों ने हर्ष के साथ नगर निगम अधिकारियों तथा नगर आयुक्त को शुभकामनाएं दी। वहीं प्राकृतिक पेंट प्रोजेक्ट को लेकर अपने विचार भी प्रकट किए गए। पार्षद

राजीव शर्मा ने बताया कि ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज 2025 में विश्व स्तर पर सफलता पाना शहर के लिए हर्ष का विषय है। पार्षद शीतल ने बताया कि प्राकृतिक पेंट प्रोजेक्ट के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का भी मनोबल बढ़ा है, पार्षद नितिन ने बताया कि प्राकृतिक पेंट प्रोजेक्ट के विश्व स्तर पर सफल होने से शहर वासियों के लिए भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। राजकुमार नागर पार्षद ने बताया कि 1 मिलियन डॉलर अवार्ड मनी से शहर वासियों को भी लाभ होगा गोबर की समस्या के समाधान में योजना बनेगी, अन्य पार्षदों द्वारा भी गाजियाबाद नगर निगम के बेहतर कार्य करने पर प्रसन्नता जाहिर की गई।

फर्जी बिजली कर्मचारी बनकर उगाही करने वाले दो आरोपी पकड़े, एक फरार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) क्षेत्र के ग्राम हरोड़ा मोड़ में विद्युत मीटर बदलने और मीटर से छेड़छाड़ के नाम पर अवैध वसूली करने वाले दो आरोपियों को ग्रामीणों ने विद्युत विभाग की मदद से पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि उनका एक साथी मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार थाना सिम्भावली क्षेत्र के ग्राम हरोड़ा मोड़ से एक उपभोक्ता ने फोन के माध्यम से सिम्भावली विद्युत विभाग को सूचना दी कि कुछ व्यक्ति स्वयं को विद्युत विभाग का कर्मचारी बताकर उपभोक्ताओं के घरों और दुकानों पर जा रहे हैं। आरोप है कि ये लोग बिजली मीटरों की सील तोड़कर उनमें छेड़छाड़ कर रहे थे और बिजली चोरी का डर दिखाकर उपभोक्ताओं से अवैध धनराशि की मांग कर रहे थे।kसूचना को गंभीरता से लेते हुए उपखंड अधिकारी और अवर अभियंता सिम्भावली तत्काल मौके पर पहुंचे। मौके पर जांच के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ लिया, जो स्वयं को विद्युत विभाग का कर्मचारी बताकर उपभोक्ताओं को गुमराह कर रहे थे। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम आकाश पुत्र श्रीपाल निवासी खुजावास थाना सिकंदराबाद तथा हर्ष पुत्र विनोद कुमार निवासी बराल थाना गुलावठी, जनपद बुलंदशहर बताए। वहीं उनका एक अन्य साथी नितिन निवासी कुल्ली, थाना गुलावठी, जनपद बुलंदशहर मौके से फरार हो गया। जांच के दौरान आरोपियों के कब्जे से एक अवैध स्मार्ट विद्युत मीटर और मीटर सीलिंग बुक भी बरामद हुई है। इससे स्पष्ट हुआ कि आरोपी फर्जी तरीके से विद्युत विभाग का कर्मचारी बनकर उपभोक्ताओं के

मीटरों से छेड़छाड़ कर अवैध धन उगाही करने का प्रयास कर रहे थे।

इस मामले में विद्युत विभाग की ओर से थाना सिम्भावली में लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। उपखंड अधिकारी सिम्भावली रमेश कुमार यादव ने बताया कि किसी भी प्रकार की मीटर जांच या प्रवर्तन कार्रवाई केवल अधिकृत विभागीय टीम द्वारा ही की जाती है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं को विद्युत विभाग का कर्मचारी बताकर मीटर चेकिंग के नाम पर धन की मांग करता है तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी विद्युत उपकेंद्र या पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि विभाग उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह की धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आईटीएस मोहननगर में कैंपस कॉलिंग, पॉश जागरूकता कार्यशाला आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आईटीएस यूजी कैंपस मोहननगर में शुक्रवार को राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से तथा युवामंथन के संयुक्त तत्वावधान में सेमिनार हॉल में कैंपस कॉलिंग, पॉश अवेयरनेस वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पॉश) अधिनियम, लैंगिक संवेदनशीलता, सुरक्षा उपायों तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित नीतियों के प्रति जागरूक करना था। आईटीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने अपने संदेश में कहा कि कोई भी संस्थान तभी सफलतापूर्वक कार्य कर सकता है जब वहां का वातावरण समानता, सद्भाव, नैतिक मूल्यों और पारस्परिक सम्मान से परिपूर्ण हो। उन्होंने कहा कि आईटीएस कैंपस को इस बात पर गर्व है कि स्थापना के समय से ही यहां सकारात्मक और सम्मानजनक माहौल बनाए रखा गया है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे भविष्य में जहां भी कार्य करें, वहां सुरक्षित और

सम्मानजनक वातावरण बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

यूजी कैंपस की प्रिंसिपल डॉ. नैंसी शर्मा ने कहा कि किसी भी संस्थान की वास्तविक सफलता सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल के निर्माण पर निर्भर करती है। उन्होंने छात्रों से ऐसे वातावरण को बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया, ताकि समानता और सम्मान की संस्कृति विकसित हो सके। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत संबोधन से हुई, जिसे यूजी कैंपस वुमन सेल की चेयरपर्सन प्रो. कनिका टंडन ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों और पॉश अधिनियम के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में शैक्षिक वीडियो भी प्रदर्शित किए गए, जिनमें कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से जुड़े विभिन्न परिदृश्य, अधिकार और जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई। बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रम के लगभग 150 छात्रों ने इसमें भाग लेकर विषय की गंभीरता को समझा।

कार्यक्रम के अंत में छात्रों और संकाय सदस्यों ने पॉश शपथ ली, जिसमें सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बनाने, अनुचित व्यवहार का विरोध करने तथा लैंगिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। इस दौरान एनसीडब्ल्यू एंबेसडर खुशबू वर्मा और शुभम गर्ग ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में डॉ. आर.पी. चड्ढा, डॉ. विदुषी सिंह, प्रो. आदिल खान सहित शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

मोदीनगर में गरजे जीडीए के बुलडोजर: 78 बीघा पर अवैध रूप से बस रही 4 कॉलोनियां जमींदोज

आरव शर्मा
गाजियाबाद(शिखर समाचार) गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने शुक्रवार को मोदीनगर और मुरादनगर क्षेत्र में अवैध भू-माफियाओं के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। उपाध्यक्ष के सख्त निदेर्शों के बाद प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ मिलकर लगभग 78 बीघा (76,700 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल में विकसित की जा रही चार अवैध कॉलोनियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस दौरान कॉलोनाइजरों ने भारी विरोध भी किया, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के आगे उनकी एक न चली।

चार प्रमुख ठिकानों पर चला ध्वस्तीकरण अभियान

जीडीए की टीम ने सीकरी खुर्द, हापुड़ रोड और बिसोखर क्षेत्र में चिह्नित किए गए चार बड़े प्रोजेक्ट्स पर कार्रवाई की:

सीकरी खुर्द (माता मंदिर रोड): यहाँ सोहनवीर सिंह, बलदेव सिंह और मनीष कुमार द्वारा लगभग 28,000

वर्ग मीटर में काटी जा रही कॉलोनी में सड़कों का डीमार्केशन और मिट्टी भराई का काम ध्वस्त किया गया।

हापुड़ रोड (मोदीनगर): कुलदीप और अशोक द्वारा खसरा संख्या 442 व 492 पर लगभग 25,000 वर्ग मीटर में अवैध निर्माण किया जा रहा था, जिसे टीम ने मलबे में तब्दील कर दिया।

ग्राम बिसोखर: यहाँ राजेंद्र सिंह, अनिरुद्ध कुमार, नितिन चौधरी और सविता देवी द्वारा खसरा संख्या 335/2 पर करीब 17,000 वर्ग मीटर में अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी।

सीकरी खुर्द (द्वितीय स्थल): मंजीत सिंह, संजय और राजीव चौधरी द्वारा खसरा संख्या 639 पर लगभग 6,700 वर्ग मीटर में किए गए निर्माण को गिराया गया।

विरोध के बावजूद धराशायी हुए साइट ऑफिस और सड़कें

जीडीए की टीम जब बुलडोजर लेकर मौके पर पहुँची, तो कॉलोनाइजरों और उनके समर्थकों ने कार्रवाई का जमकर विरोध किया। काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही, लेकिन प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते और पुलिस बल ने सख्ती दिखाते हुए काम जारी रखा। मौके पर बनाई गई अवैध सड़कें, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

स्वामित्व और मानचित्र के बिना हो रहा था खेल

जांच के दौरान कॉलोनाइजर मौके पर न तो जमीन के स्वामित्व के दस्तावेज दिखा सके और न ही जीडीए से स्वीकृत कोई ले-आउट प्लान। इसके बाद प्राधिकरण ने ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए थे। अधिकारियों का कहना है कि इन क्षेत्रों में अवैध रूप से प्लॉट बेचकर आम जनता को ठगने की कोशिश की जा रही थी।

चेतावनी: जीडीए ने जनता से अपील की है कि किसी भी कॉलोनी में प्लॉट खरीदने से पहले उसका स्वीकृत मानचित्र जरूर देख लें, अन्यथा उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

इस कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का समस्त स्टाफ और भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

बुढ़ाना तहसील में दूसरे दिन भी पहुंचे अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी, कृषि भूमि के बैनामों की प्रक्रिया पूरी

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने पैतृक कस्बे बुढ़ाना के प्रति लगाव को एक बार फिर साबित करते नजर आए। हुसैनपुर कलां गांव में खरीदी गई कृषि भूमि के संबंध में शुक्रवार को वह दूसरे दिन भी तहसील परिसर स्थित उप-निबंधक कार्यालय पहुंचे और शेष बचे चार बैनामों की प्रक्रिया पूरी कराई। बताया गया कि अभिनेता गुरुवार को कृषि भूमि का बैनामा कराने तहसील परिसर के उप निबंधक कार्यालय पहुंचे थे, लेकिन कुछ बैनामों की प्रक्रिया अधूरी रह जाने के कारण उन्हें दोबारा आना पड़ा। शुक्रवार दोपहर वह अपने भाई और फिल्म निमार्ता फैजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिर तहसील पहुंचे। यहां उन्होंने अपने अधिवक्ता प्रशांत शर्मा के साथ उप निबंधक पंकज जैन के समक्ष उपस्थित होकर शेष दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए और सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं। फैजुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी का उद्देश्य खरीदी गई भूमि पर आधुनिक और जैविक खेती को बढ़ावा देना है। उनका मानना है कि नई तकनीकों और जैविक तरीकों के माध्यम से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। अभिनेता के दूसरे दिन भी तहसील पहुंचने की सूचना जैसे ही फैली, आसपास के क्षेत्रों से उनके प्रशंसक तहसील परिसर में जुटने लगे। सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मुस्कुराते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और उनसे मुलाकात की। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुंबई की चकाचौंध के बावजूद नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने पैतृक क्षेत्र और जड़ों से गहरा लगाव रखते हैं। तहसील में सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद वह सीधे अपने पैतृक घर काजीवाड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने परिवार के साथ समय बिताया।

महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 : आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की डेकोर एशिया कंपनी में हुई संपन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध में आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की डेकोर एशिया कंपनी में सम्पन्न हुई। बैठक में एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुषो को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया कि यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके और उसका समाधान करने का प्रयास करेगी। यदि समिति का

प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा। यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की टाइम्स आर्ट्स कंपनी में हुई सम्पन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की टाइम्स आर्ट्स कंपनी में सम्पन्न हुई। बैठक में एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुषो को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया कि यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके और उसका समाधान करने का प्रयास करेगी। यदि

समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा। यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जन्री तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

123वीं जयंती पर बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया को सपाइयों ने किया नमन

बिजनौर (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर पूर्व राज्यसभा सदस्य बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया की 123वीं जयंती के अवसर पर पार्टी नेताओं व कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निवर्तमान जिला महासचिव धनंजय यादव ने कहा कि बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया का जीवन संघर्ष, समर्पण और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी समाज के वंचित, शोषित और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष किया और उनके उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उनके विचार और आदर्श आज भी समाजवादी कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कार्यक्रम का संचालन पार्टी प्रवक्ता अखलाक पप्पू ने किया। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, महिला सभा की जिलाध्यक्ष प्रभा चौधरी, पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष वी.के. कश्यप अधिवक्ता, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव रजत त्यागी (राजा भैया), वरिष्ठ नेत्री कमलेश भुइयार, विधानसभा अध्यक्ष मनोज राजपूत, अशोक आर्य सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुलदार के जोड़े की मस्ती से ग्रामीणों में दहशत, पिंजरा लगवाने की मांग

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के ग्राम नूरपुर हट्टी में आबादी के बीच से होकर बह रही नहर के पास गुलदार का नर मादा जोड़ा दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदारों को पकड़ने के लिए पिंजरा लगवाने की मांग की है। बताया जाता है कि गांव के पास नहर किनारे देर रात ग्रामीणों ने गुलदार के जोड़े को आपस में मस्ती करते और गुर्राने की तेज आवाजें निकालते हुए देखा। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग अपने अपने घरों की छतों पर चढ़ गए। वहां से देखने पर गुलदार का जोड़ा नहर किनारे घूमता दिखाई दिया। यह दृश्य देखकर ग्रामीणों में अफरा तफरी और डर का माहौल बन गया। कुछ ही देर में गांव के कई युवक और बुजुर्ग

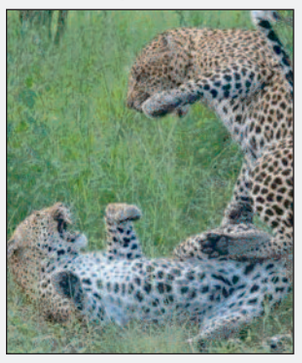

मौके पर पहुंच गए। गांव के पास नहर किनारे गुलदार दिखाई देने की सूचना क्षेत्र में तेजी से फैल गई और बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए। लोगों की भीड़ देखकर एक गुलदार जंगल की ओर भाग गया, जबकि दूसरा पास में खड़े एक पेड़ पर चढ़ गया। बाद में वह भी पेड़ से छलांग लगाकर पास के गन्ने के खेतों की ओर भाग गया। गांव के आसपास लगातार गुलदार दिखाई देने से ग्रामीणों में भय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते वन विभाग ने उचित कदम नहीं उठाया तो किसी भी समय कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने घटना की सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दे दी है। ग्रामीणों की मांग है कि गांव की आबादी के आसपास घूम रहे गुलदारों को पकड़ने के लिए जल्द से जल्द पिंजरा लगाया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को भय के माहौल से राहत मिल सके।

लिंक रोड पुलिस ने सरिया चोरी करने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़, 6 अभियुक्त किए गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लिंकरोड पुलिस ने चेकिंग के दौरान लोहा चोरी करने वाले 6 अभियुक्त आसिफ, रामवीर, विनोद, अरमान, रवि और लवकेश को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से टाटा कम्पनी की चोरी की हुई लोहे की ट्यूब, लोहे की शीट्स, 1 कॉयल और 1 इलैक्ट्रॉनिक काँटा बरामद किया है। बरामद किए गए माल का वजन 10,730 किलो है, वहीं इसकी अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपये है। पुलिस ने इसके अलावा इनके पास से 8 हजार रुपये नगद और 2 ट्रक मय बिल्टी भी बरामद किए। संवाददाता सम्मेलन में सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद श्वेता कुमारी यादव ने बताया कि चेकिंग के दौरान टाटा स्टील का सामान चोरी करने वालों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने झंडापुर जाने वाली सड़क पर पड़ने वाले कबड्डी के गोदाम पर छापा मारा था, जहां से भारी मात्रा में टाटा स्टील का चोरी किया गया लोहा बरामद किया गया है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि रामवीर और प्रमोद ट्रक ड्राइविंग का काम किया करते है। दोनों ने टाटा स्टील का लोहा चोरी करना शुरू किया था। लोहा चोरी करने के बाद उन्होंने आसिफ कबाड़ी को 40 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बेच दिया था। आसिफ कबड्डी ने बताया कि वह इन दोनों से चोरी का सरिया खरीद करता था। अरमान, रवि और लव कुश तीनों उसकी दुकान पर ही काम किया करते हैं। चोरी का सरिया उतारने के लिए वह इन तीनों को अच्छे पैसे दिया करता था।

इंटरमीडिएट की परीक्षा देकर लापता हुई छह छात्राएं सकुशल बरामद

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर और हीमपुर दीपा क्षेत्र की छह लापता छात्राओं को पुलिस ने शुक्रवार देर शाम सकुशल बरामद कर लिया। ये सभी छात्राएं गुरुवार शाम वैदिक कन्या इंटर कॉलेज में संस्कृत की परीक्षा देने के बाद रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई थीं, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रकाश कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि छात्राओं के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी थी। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने कई विशेष टीमों का गठन किया और सर्विलांस के साथ साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सभी छात्राओं को सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद सभी छात्राओं को वन स्टॉप सेंटर भेजा गया है, जहां विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों द्वारा उनकी काउंसलिंग कराई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि काउंसलिंग और विस्तृत पूछताछ के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि छात्राएं अपनी मर्जी से कहीं गई थीं या उनके साथ किसी प्रकार की अनहोनी हुई थी। इसके बाद ही आगे की विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। संस्कृत की परीक्षा देने गई छात्राओं के एक साथ लापता होने की खबर से चांदपुर और हीमपुर क्षेत्र में तरह तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। मामला सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन के सामने भी इसे जल्द सुलझाने की बड़ी चुनौती थी। इस बीच शिवसेना ने भी मामले को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी थी। हालांकि पुलिस की तत्परता से सभी छात्राओं की समय रहते बरामदगी हो जाने पर परिजनों और प्रशासन ने राहत की सांस ली है। क्षेत्र के लोगों ने भी पुलिस की कार्रवाई की सराहना की है।

यूपी में अलविदा जुमा पर हाईअलर्ट

चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात; ड्रोन से की जा रही निगरानी

वाराणसी(एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद शिया समुदाय में नाराजगी देखी जा रही है। इसे देखते हुए उत्तर प्रदेश में अलविदा जुमे पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने सेंसिटिव एरिया में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखने को कहा गया है। साथ ही संवेदनशील इलाकों में ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। वहीं बरेली में भी 'हाई अलर्ट' घोषित किया गया है। संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए गए हैं कि परिंदा भी पर न मार सके। वाराणसी में आज मस्जिदों में नमाज दो शिफ्ट में अदा की जाएगी। ज्ञानवापी और लाटसरैयां में कड़ी सुरक्षा के बीच नमाज अदा होगी। मुफ्ती-ए-बनारस अब्दुल बातिन नोमानी ने कहा कि रमजान के आखिरी जुमे (शुक्रवार) को अलविदा की नमाज अदा की जाएगी। इमाम व मुअज्जिन जुमे की नमाज की रवायत पूरी करेंगे। दुआओं में मुल्क की तरक्की-खुशहाली के लिए बारगाहे इलाही में मिन्नतें भी करेंगे। मस्जिदों के अलावा कई जगह छतों पर टेंट की व्यवस्था होगी। जामा मस्जिद पर अलविदा की नमाज के लिए भारी संख्या में लोग पहुंच गए हैं। अंदर तकरीर चल रही है। कुछ देर में नमाज शुरू होगी। आज शहर की तमाम मस्जिदों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। वाराणसी में रमजान के आखिरी जुमे की नमाज को लेकर के वाराणसी पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस फोर्स तैनात है। अलविदा की नमाज को लेकर बरेली में 'हाई अलर्ट' घोषित किया गया है। शहर के सबसे संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए गए हैं कि परिंदा भी पर न मार सके। चप्पे-चप्पे पर पुलिस, पीएसी और पैरामिलिट्री फोर्स को तैनात किया गया है। प्रशासन की प्राथमिकता नमाज को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की है। वहीं एसपी सिटी मानुष पारीक का कहना है कि अलविदा की नमाज सड़कों पर नहीं होने दी जाएगी। इसके साथ ही कोई भी गैर परम्परा नहीं पड़ने दी जाएगी। मेरठ के 450 मजिस्दों में अलविदा जुमा की नमाज होगी। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। संवेदनशील और अति संवेदनशील श्रेणी में आने वाले इलाके फ्अत्रःफ्रत्रतैनात है। साथ ही इन इलाकों में ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी।

आगरा के कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया गैस लीक:गांव खाली कराया गया

आगरा (एजेंसी)। समाधिया कोल्ड स्टोरेज में गुरुवार रात अमोनिया गैस लीक हो गई। इससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ के साथ आंखों में जलन होने लगी। बच्चों को भी उल्टियां होने लगीं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां और पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया। अनाउंसमेंट कराकर पूरा गांव खाली कराया गया। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से 6 बच्चों समेत 27 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। खूंटे से बंधे जानवरों को भी खोल दिया गया। डीएम अरविंद मलप्पा बंगारी भी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद हालात पर कंट्रोल किया गया। मामला पिनाहट के कुकथरी गांव का है। गांववालों ने बताया- गांव के पास दो कोल्ड स्टोर स्थित हैं। इनमें से समाधिया कोल्ड स्टोरेज से अमोनिया गैस का रिसाव हुआ है। तेज बदबू की वजह से कुछ समय के लिए गांव से गुजरना भी मुश्किल हो गया था। गांव से सभी लोग करीब 2 किलोमीटर दूर भेजे गए हैं। 6 बच्चों समेत 27 लोगों की हालत खराब हो गई। एंबुलेंस की मदद से उन लोगों को पिनाहट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। बीमार लोगों में कोल्ड स्टोर में काम करने वाला मोहम्मद सलीम भी शामिल है। वह बरेली के नवाबगंज का रहने वाला है। इसके अलावा पार्थ (12) पुत्र रामसजन, माधव (8) पुत्र रामसजन, सोनी (25) पुत्र सुभाष, आयुषी (14) पुत्री राकेश, परी पुत्री रविकांत शर्मा, रेनू पुत्री रामसजन और पूनम पुत्री सुभाष समेत 26 लोगों की भी तबीयत खराब हो गई। इन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. प्रमोद कुशवाहा ने बताया- सभी मरीजों को घबराहट और सांस लेने में परेशानी की शिकायत थी। उपचार के बाद सभी की हालत सामान्य है। डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंची। तेजी से राहत एवं बचाव कार्य किया गया। सभी लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है।

टोल प्लाजा हटाने की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे पंकज लोधी को पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। टोल प्लाजा को हटाने की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे पंकज लोधी को पुलिस प्रशासन ने तबीयत बिगड़ने की आशंका के चलते एंबुलेंस से मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया। हालांकि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद पंकज लोधी ने अपना आमरण अनशन जारी रखने की बात कही है। बताया जाता है कि करीब दो माह पूर्व गढ़ तहसील परिसर में पंकज लोधी ने टोल प्लाजा को अवैध बताते हुए उसे हटाने की मांग को लेकर लगातार 26 दिन तक धरना प्रदर्शन किया था। उस समय प्रशासनिक अधिकारियों और टोल संचालन करने वालों ने उनसे वार्ता कर एक माह के भीतर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। लेकिन निर्धारित समय में कोई समाधान न निकलने पर पंकज लोधी दोबारा धरने पर बैठ गए और इस बार उन्होंने आमरण अनशन शुरू कर दिया। उनके अनशन को स्थानीय लोगों के साथ साथ भारतीय किसान यूनियन सहित विभिन्न संगठनों का भी समर्थन मिला। एक दिन पूर्व एसडीएम गढ़ श्रीराम यादव और सीओ स्तुति सिंह ने धरना स्थल पर पहुंचकर पंकज लोधी से बातचीत की तथा उनकी मांगों से संबंधित ज्ञापन लेकर उच्च अधिकारियों को भेज दिया था। इसी बीच बृहस्पतिवार की रात पुलिस प्रशासन ने पंकज लोधी की तबीयत खराब होने की बात कहते हुए उन्हें एंबुलेंस से मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया। शुक्रवार को भी अस्पताल में पंकज लोधी ने अपना आमरण अनशन जारी रखा और जिलाधिकारी से मांग की कि वे स्वयं आकर उन्हें एक गिलास पानी पिलाकर धरना समाप्त कराएं। रात्रि में हुए इस घटनाक्रम से पंकज लोधी के समर्थकों में नाराजगी देखने को मिली। समर्थकों ने देर रात ही कोतवाली के बाहर धरना प्रदर्शन किया। हालांकि कोतवाली प्रभारी ने लोगों को समझाने का प्रयास करते हुए कहा कि पंकज लोधी की सेहत को देखते हुए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं भाकियू नेता अमित त्यागी, सामाजिक कार्यकर्ता जयसिंह राणा, पुष्पेंद्र, उमेश, राजकुमार समेत अन्य लोगों ने पंकज लोधी को जबरन उठाकर अस्पताल ले जाने का विरोध जताया। उधर वकीलों के संगठनों ने भी पंकज लोधी की मांग को जायज बताते हुए उन पर दबाव बनाए जाने की कार्रवाई पर नाराजगी व्यक्त की है।

यूपी में आईपीएस अधिकारियों के तबादले, कई जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले, गाजियाबाद डीसीपी ट्रांस हिंडन सिटी का भी हुआ तबादला

आरव शर्मा

लखनऊ/गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार विभिन्न जिलों में तैनात पुलिस अधीक्षकों और अन्य अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस फेरबदल में बदायूं, फतेहपुर, कासगंज, भदोही और गोरखपुर सहित कई जिलों के पुलिस प्रशासन में बदलाव किया गया है। जारी सूची के अनुसार आईपीएस बृजेश कुमार सिंह (2013 बैच) को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूं के पद से हटाकर पुलिस अधीक्षक लॉजिस्टिक्स, उत्तर प्रदेश, लखनऊ बनाया गया है। वहीं अनूप कुमार सिंह (2014 बैच) को पुलिस अधीक्षक फतेहपुर से संबद्ध मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ भेजा गया है। इसके अलावा अंकिता शर्मा (2018 बैच) को पुलिस अधीक्षक कासगंज से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभिमन्यु मांगलिक (2018 बैच) को पुलिस अधीक्षक भदोही से पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के पद पर तैनात किया गया है। इसी क्रम में ओम प्रकाश सिंह-क (2018 बैच) को पुलिस अधीक्षक लॉजिस्टिक्स, उत्तर प्रदेश, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक कासगंज बनाया गया है। अभिनव त्यागी (2019 बैच) को अपर पुलिस अधीक्षक नगर, गोरखपुर से पुलिस अधीक्षक भदोही के पद पर भेजा गया है। वहीं निमिष दशरथ पाटिल (2020 बैच) को अपर पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद से अपर पुलिस अधीक्षक नगर, गोरखपुर के पद पर स्थानांतरित किया गया है। प्रदेश सरकार के इस प्रशासनिक फेरबदल को कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा

संभल सीओ बोले- इतनी खुजली है तो ईरान चले जाओ

यहां छाती पीटी तो बढ़िया इलाज करेंगे, सड़क पर नमाज पढ़ी तो जेल भेजेंगे

संभलं(एजेंसी)। मैं देख रहा हूं कि बहुत सारे लोगों को इस बात की खुजली मची है कि साहब, ईरान और इजराइल के बीच में झगड़ा हो रहा है। कुछ लोग बीच में अपनी टांग अड़ाए हुए हैं। अगर इतनी दिक्कत है, तो जहाज में बैठ जाओ। यहां से जहाज ईरान में फंसे भारतीयों को लेने जा रहा है। उसी में बैठकर चले जाओ और ईरान की तरफ से लड़ो। यह बात संभल जिले के असमोली में उड कुलदीप कुमार ने पीस कमेटी की बैठक में कही। शांतिभंग नहीं करने की चेतावनी देते हुए उड ने कहा कि अगर यहां किसी ने व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की, तो हमें उससे निपटना आता है। इस पूरे मामले का वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, CO कुलदीप कुमार बुधवार को संभल कोतवाली में अलविदा जुमा और ईद के त्योहार को लेकर बैठक कर रहे थे। कुलदीप कुमार के पास संभल का भी प्रभार है, क्योंकि संभल के उड छुट्टी पर हैं। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार और इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह भी मौजूद थे। बैठक में उड ने मुस्लिम समुदाय के लोगों से शांति से त्योहार मनाने को कहा। उन्होंने कहा कि कोई भी अंतरराष्ट्रीय विवादों के नाम पर शहर की शांति भंग न करे। इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीओ कुलदीप कुमार ने कहा- कुछ लोगों को ईरान-इजराइल युद्ध से यहां पर बहुत तकलीफ हो रही है। यहां छाती पीट रहे हैं। अगर इतनी ही दिक्कत है तो हवाई जहाज में बैठो और वहीं चले जाओ। ये सब अंतराष्ट्रीय मुद्दे हैं। हमें इनमें नहीं पड़ना है कि बांग्लादेश में क्या हो रहा है? ईरान में खामेनेई को मार दिया? साहब, अमेरिका तो अत्याचार कर रहा? अरे 56 इस्लामिक कंट्री हैं, वो अपना देख लेंगे। सड़क पर नमाज पढ़ी, तो बख्शा नहीं जाएगा उड ने कहा- मस्जिद में जगह नहीं होने पर नमाजी भागे-भागे जाते हैं और सड़क पर नमाज पढ़ने लगते हैं। अगर ऐसा हुआ तो हम एक मिनट

कुछ नहीं कहेंगे। उसके बाद उठाकर केस लिखकर जेल भेज देंगे। अगर ईरान-इजराइल युद्ध में समर्थन या नारेबाजी की, तो जेल भेज दिया जाएगा। किसी दूसरे देश के झगड़े का असर हमारे देश की कानून व्यवस्था पर पड़ा, तो पुलिस बहुत 'बढ़िया वाला इलाज' करेगी। नमाज के दौरान किसी दूसरे देश के विरोध में कोई नारा, स्लोगन या पट्टी नहीं होनी चाहिए। कुलदीप कुमार ने कहा- हम हिंदुस्तानी हैं, भारतीय हैं। यहां सुकून से रह रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्दे सरकारों के काम हैं, आम जनता के नहीं। 10 लोग कहीं खड़े होकर छाती पीट रहे हैं कि ईरान को मार डाला। तो भाई चले जाओ वहीं और लड़ो जाकर। उड ने चेतावनी दी कि पुलिस केवल प्रदर्शनकारियों पर ही नहीं, उन जगहों पर भी कार्रवाई करेगी जहां ये विवादित पोस्टर और स्लोगन छपते या लिखे जाते हैं। हम यहां सुकून से रह रहे हैं। अपनी ही जमीन पर फिजा खराब करने की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी। त्योहार प्यार और सौहार्द का है। मीठी सेवइयों का त्योहार है। इसमें किसी भी तरह की कड़वाहट नहीं घुलनी चाहिए। आप अपने क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को ऐसा कुछ भी न करने दें, जिससे माहौल खराब हो। सोशल मीडिया पर REEL बनाने वालों पर सख्ती CO ने सोशल मीडिया रील बनाने वालों को चेतावनी दी। कहा- कुछ लोग इंस्टाग्राम की रील बनाने के चक्कर में कुछ भी बोल देते हैं। बाहरी देशों के मुद्दों को लेकर अफवाह फैलाते हैं। ऐसी चीजें कतई बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। हमें दूसरे देशों में क्या हो रहा है, उससे कोई सरोकार नहीं होना चाहिए। उनके अपने विषय हैं, हमारे नहीं। हमें अपने क्षेत्र की फिजा खराब नहीं होने देनी है। एक 'खुराफाती' व्यक्ति ही पूरे माहौल को बिगाड़ने के लिए काफी होता है। इसलिए सभी जिम्मेदार नागरिक सतर्क रहें और पुलिस का सहयोग करें। बैठक में सभासद इब्राहिम, सभासद पति अजीम अब्बासी, हाजी एहतेशाम, मो. नाजिम, दानिश खां, मौहम्मद जिया, नबील अहमफ, शब्बन खां, अख्तर, इदरीश, राशिद समेत जिले के कई संभ्रांत लोगों को बुलाया गया था। करीब 50 लोग बैठक में शामिल हुए। संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने सीओ के बयान को शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने पर लिखा- ईरान के नाम पर छाती पीटी तो बढ़िया वाला इलाज कर देंगे क्या? अब पुलिस प्रशासन की भाषा यही रह गई है? संभल में CO कुलदीप कुमार के बयान पर AIMIM के यूपी अध्यक्ष शौकत अली ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा- पीस कमेटी की बैठक में CO कुलदीप कुमार धमका रहे हैं। अगर हम कोई ऐसा काम करते हैं, जो असंवैधानिक है, तो आप मुकदमा दर्ज कीजिए। आप मुसलमानों को बैठाकर धमका रहे हैं। सबसे पहला मुकदमा आप पर ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपने मुसलमानों को कमजोर समझा है। हर कोई आएगा और मुसलमानों को धमकाकर चला जाएगा। पहले CO अनुज चौधरी का भी यही काम था। मुसलमानों को उसने गोलियां मार दीं। हीरो बन गया वो।

तेज रफ्तार कार ने ई रिक्शा को मारी टक्कर, चालक सहित आधा दर्जन घायल

शामली (शिखर समाचार) शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार कार चालक द्वारा ई रिक्शा में टक्कर मार दिए जाने से चालक समेत करीब आधा दर्जन सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। घायलों को राहगीरों और ग्रामीणों की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना आदर्शमंडी क्षेत्र के गांव बधेव निवासी ई रिक्शा चालक राजू पुत्र ईश्वर सिंह अपनी ई रिक्शा में गांव से करीब आधा दर्जन सवारियों को लेकर शामली की ओर आ रहा था। बताया गया है कि सुबह करीब आठ बजे जब वह बधेव बाईपास के पास पहुंचा, तभी तेज गति से आ रही एक कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया और ई रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ई रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार के लिए शामली के जिला अस्पताल पहुंचाया। घायलों में गांव बधेव निवासी छोटू पुत्र सोहनपाल, बेदु पुत्र धर्मबीर और अनित पुत्र राजपाल सिंह को गंभीर चोटें आने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य घायलों का उपचार कराया गया। पीड़ितों ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद थाना आदर्शमंडी पुलिस को तहरीर देकर आरोपी कार चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भक्ति में डूबा हापुड़ : सनातन धर्म सभा के वार्षिकोत्सव में भजनों पर झूमे श्रद्धालु, राधा कृष्णमय हुआ माहौल

हापुड़ (शिखर समाचार)। सनातन धर्म सभा (पंजी.) हापुड़ के वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय संकीर्तन रसधारा के दूसरे दिन भक्ति और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिला। राधा माधव संकीर्तन मंडल तथा गायक मनीष चौहान ने अपने मधुर भजनों से ऐसा समां बांधा कि पूरा वातावरण राधा कृष्ण की भक्ति में सराबोर हो गया। संकीर्तन के दौरान प्रस्तुत किए गए एक से बढ़कर एक भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। कई श्रद्धालु अपनी सुध–बुध खोकर भक्ति रस में नाचते गाते नजर आए। पूरे कार्यक्रम स्थल पर भक्ति, संगीत और उत्साह का अनोखा वातावरण बना रहा, जिसका उपस्थित जनसमूह ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में सभा के प्रधान रोहित गर्ग, मंत्री अशोक छारिया, कोषाध्यक्ष राजीव जिंदल, उपमंत्री दीपांशु गर्ग, गोपाल अग्रवाल, विनोद गुप्ता (पूर्व सभासद), उपप्रधान तरुण गर्ग, राजेश अग्रवाल, राकेश कुमार माहेश, वैभव गर्ग, अतुल आजाद, पुनीत गर्ग, दिनेश कुमार माहेश्वरी, नरेश कुमार जिंदल, रविंद्र कुमार गुप्ता, नलिन बंसल, अरविंद कुमार, संजीव कृष्णा अग्रवाल, रविंद्र अग्रवाल और अभिषेक गुप्ता सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रसादी वितरण की सेवा में नवीन गुप्ता और दिनेश गुप्ता (गीता डेरी) का विशेष सहयोग रहा।

पत्नी की हत्या करने वाला पति व उसके दो साथी गिरफ्तार, आलाकत्ल छुरी बरामद

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए हत्यारोपी पति समेत तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल छुरी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने थाना क्षेत्र के मुकदमा अपराध संख्या 119/2026, धारा 85, 80, 238 बीएनएस, 3/4 दहेज निषेध अधिनियम तथा 4/25 आर्म्स एक्ट से संबंधित मामले में वांछित तीन अभियुक्तों को हापुड़ तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में आकिब पुत्र अनीस, असमी पुत्र कलीम तथा आकिब पुत्र महबूब निवासी मोहल्ला ब्राह्मण की चौपाल, थाना सिंघावली अहीर, जनपद बागपत शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त छुरी भी बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि आकिब पुत्र अनीस की शादी 5 जनवरी 2026 को समरीन के साथ प्रेम विवाह के रूप में हुई थी। बताया गया कि आकिब के पिता अनीस इस विवाह से खुश नहीं थे और वह अतिरिक्त दहेज के रूप में पांच लाख रुपये की मांग कर रहे थे। दहेज को लेकर घर में अक्सर विवाद होता रहता था और समरीन के साथ मारपीट व झगड़ा भी किया जाता था। आरोपियों ने यह भी बताया कि आकिब पुत्र महबूब ने भी आकिब को दहेज में पांच लाख रुपये लाने के लिए उकसाया था, ताकि उस पैसे से मिलकर एक होटल खोला जा सके। इसी बात को लेकर पति पत्नी के बीच लगातार विवाद बढ़ता गया। घटना से पहले आकिब पुत्र अनीस और उसका दोस्त आकिब पुत्र महबूब बहादुरगढ़ में आकिब महबूब की बहन के घर आए हुए थे। 5 मार्च को जब आकिब अपनी पत्नी समरीन और दोस्त के साथ बहादुरगढ़ से वापस लौट रहा था, तभी रास्ते में गांव फुलड़ी के पास गन्ने के खेत में दोनों ने मिलकर छुरी से समरीन का गला रेतकर उसकी हत्या कर दी और शव को वहीं खेत में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह बिष्ट, उपनिरीक्षक मनीष कुमार, उपनिरीक्षक नितिन कुमार, उपनिरीक्षक राहुल आर्य, हेड कांस्टेबल कंचन सिंह तथा कांस्टेबल गोपाल शामिल रहे।

भाजपा नेता से 28 लाख की ठगी, पैसे मांगने पर की मारपीट पिता व पुत्रों पर मुकदमा दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में जमीन दिलाने के नाम पर भाजपा नेता से 28 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पैसे वापस मांगने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पिता समेत उनके पुत्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हापुड़ के गांव श्यामपुर निवासी गन्ना समिति के चेयरमैन कुणाल चौधरी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके परिचित बलजीत सिंह, बिमल उर्फ बबली और बादल सिंह ने उन्हें सस्ती कीमत पर जमीन दिलाने का झांसा दिया था। आरोपियों ने विश्वास में लेकर उनसे करीब 28 लाख रुपये ले लिए। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब जमीन नहीं दिलाई गई तो कुणाल चौधरी को ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने आरोपियों से अपने रुपये वापस मांगे। आरोप है कि रुपये मांगने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी पिता और उनके पुत्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना पर मंत्री राकेश सचान सख्त बैंकों को चेतावनी, बिना कारण आवेदन खारिज किए तो होगी कार्रवाई

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की प्रगति की समीक्षा शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा में की गई। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खाद्य एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा व वस्त्र उद्योग विभाग के मंत्री राकेश सचान ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में अधिकारियों और विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर योजना की स्थिति का जायजा लिया।

बैठक में मंत्री ने जनपदों को दिए गए लक्ष्यों के अनुसार प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मार्च 2026 के शेष दिनों में लंबित सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, ताकि पात्र युवाओं तक योजना का लाभ समयबद्ध रूप से पहुँच सके।

उन्होंने कहा कि किसी भी बैंक शाखा द्वारा बिना पर्याप्त और ठोस कारण के आवेदन निरस्त करना स्वीकार्य नहीं होगा। यदि ऐसा पाया जाता है तो संबंधित बैंक शाखा और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बैंक अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अधिक से अधिक पात्र युवाओं को ऋण उपलब्ध कराकर योजना को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

समीक्षा के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ बैंक शाखाओं में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण में

शून्य प्रगति दर्ज की गई है। इस पर मंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण और जनहितकारी योजना है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लक्ष्य के अनुरूप कार्य न करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बैंकों के साथ समन्वय बनाकर व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाएं। जनपदों में शिविर, जन जागरूकता कार्यक्रम और मार्गदर्शन सत्र आयोजित कर युवाओं को योजना की जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक युवा स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें।

पत्रकारों से बातचीत में मंत्री राकेश सचान ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल है। इसके तहत हर वर्ष लगभग एक लाख युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025 26 में निर्धारित 1.5 लाख युवाओं के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 1.25 लाख से अधिक युवाओं को 5150 करोड़ रुपये से ज्यादा का ऋण वितरित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समय समय पर समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में ग्रेटर नोएडा में भी संबंधित विभागों और बैंक अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा की गई और शेष लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एमएसएमई विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार, सीएम युवा मिशन के राज्य नोडल अधिकारी सर्वेश्वर शुक्ला, मेरठ मंडल के अपर आयुक्त उद्योग उमेश सिंह, गौतम बुद्ध नगर के उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण, विभिन्न बैंकिंग संस्थानों के प्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दादरी में सनसनी : 32 वर्षीय युवक की ईंटों से पीट पीटकर हत्या, जीटी रोड पर ग्रामीणों का हंगामा

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र में सैंथली मोड़ पुलिस चौकी के पास एक 32 वर्षीय युवक की ईंटों से पीट पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी शव को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों और भारतीय किसान यूनियन मंच के कार्यकताओं में आक्रोश फैल गया और उन्होंने जीटी रोड पर हंगामा करते हुए हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। मिली जानकारी के अनुसार हापुड़ जनपद के मतनौरा गांव निवासी 32 वर्षीय रविंद्र बिशनपुर गांव में अपने रिश्तेदारों के यहां रहकर एक कंपनी में नौकरी करता था। बृहस्पतिवार को वह बिशनपुर से निकला था, लेकिन देर शाम तक घर नहीं पहुंचा तो परिजनों को चिंता हुई। परिजनों

और रिश्तेदारों ने उसकी आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार को तलाश के दौरान सूचना मिली कि सैंथली मोड़ पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर शराब के ठेके के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा है। मौके पर पहुंचकर देखा गया तो वह रविंद्र था। उसके शरीर और चेहरे पर ईंटों से हमले के गंभीर निशान थे और वह खून से लथपथ अवस्था में पड़ा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि हमलावरों ने ईंटों से वार कर उसकी निर्मम हत्या की है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और भारतीय किसान यूनियन मंच के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और जीटी रोड पर हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पाकर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट पर अकासा एयर का एमआरओ सेंटर बनेगा, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रणनीतिक साझेदारी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर पर देश की तेजी से उभरती एयरलाइन अकासा एयर अपनी पहली मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधा स्थापित करेगी। इसके लिए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अकासा एयर के बीच रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की गई है। इस पहल को भारत के विमानन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते के तहत एयरपोर्ट परिसर में अत्याधुनिक एमआरओ सुविधा विकसित की जाएगी, जहां विमानों के रखरखाव, मरम्मत और तकनीकी जांच से जुड़े विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इससे एयरलाइन संचालन की दक्षता और सुरक्षा मानकों को और मजबूत किया जा सकेगा। साथ ही इस परियोजना से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को देश के प्रमुख एमआरओ हब के रूप में विकसित करने में भी मदद मिलेगी। इस सुविधा के शुरू होने से क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और विमानन क्षेत्र से जुड़े कौशल विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यह पहल एक मजबूत और एकीकृत विमानन पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि अकासा एयर द्वारा अपनी पहली एमआरओ सुविधा को जेवर एयरपोर्ट पर स्थापित करने का निर्णय एयरपोर्ट के विश्वस्तरीय विमानन हब बनने के लक्ष्य को मजबूत करता है। इससे क्षेत्र में रोजगार और कौशल विकास के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। अकासा एयर के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दुबे ने कहा कि भारत का

विमानन बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है और ऐसे में मजबूत घरेलू एमआरओ क्षमताओं का विकास बेहद आवश्यक है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ यह साझेदारी कंपनी के दीर्घकालिक विकास और कुशल संचालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अगस्त 2022 में शुरू हुई अकासा एयर अब तक 2.5 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवाएं दे चुकी है और वर्तमान में 26 घरेलू और 6 अंतरराष्ट्रीय शहरों के लिए उड़ानें संचालित कर रही है। एयरलाइन के पास आधुनिक बोइंग 737 मैक्स विमानों का बेड़ा है, जो ईंधन की बचत और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक के लिए जाना जाता है। जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट दिल्ली एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के प्रमुख शहरों से जोड़ने वाला विश्वस्तरीय हवाईअड्डा होगा। प्रारंभिक चरण में यहां एक रनवे और एक टर्मिनल के साथ प्रतिवर्ष लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता होगी, जिसे भविष्य में और बढ़ाया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह साझेदारी न केवल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी, बल्कि भारत को विमानन रखरखाव सेवाओं में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी।

यीडा में 220 करोड़ का निवेश, स्पार्क मिंडा टोयोडेंसो को 7 एकड़ भूखंड का लेटर ऑफ इंटेंट

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) द्वारा औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मैसर्स स्पार्क मिंडा टोयोडेंसो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को सेक्टर 8डी में 7 एकड़ भूखंड के लिए लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किया गया। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह और अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेन्द्र कुमार भाटिया ने कंपनी के कार्यकारी निदेशक अशोक दास और पीयूष गोयल को यह लेटर ऑफ इंटेंट सौंपा। इस अवसर पर मिंडा ग्रुप के प्रमुख (कॉरपोरेट मामलों) अमित जालान भी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश शासन की निवेश प्रोत्साहन नीति के तहत फॉर्च्यून 500 कंपनियों में शामिल होने के कारण कंपनी को सहायक अनुदान प्रदान किया गया है। स्पार्क मिंडा टोयोडेंसो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इस परियोजना के माध्यम से स्विच, सेंसर और अन्य संबंधित ऑटो स्विच प्रणालियों का

उत्पादन करेगी। प्रस्तावित इकाई में प्रतिवर्ष लगभग 20 लाख यूनिट स्विच और सेंसर तैयार किए जाएंगे। इस परियोजना पर कंपनी करीब 220 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। औद्योगिक इकाई की स्थापना से क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। स्पार्क मिंडा ग्रुप की कंपनी मिंडा कॉरपोरेशन लिमिटेड की भारत के अलावा वियतनाम, इटली, जापान और इंडोनेशिया में कुल 27 उत्पादन इकाइयाँ संचालित हैं। कंपनी वैश्विक स्तर पर मेकेट्रॉनिक्स, सूचना एवं कनेक्टेड सिस्टम, प्लास्टिक एवं इंटीरियर, आफ्टरमार्केट उत्पादों के साथ साथ इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में कार्य कर रही है। इसके अलावा कंपनी द्वारा पुणे और बेंगलुरु में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जहाँ नई तकनीकों और उत्पादों पर निरंतर कार्य किया जाता है।

ध्यान और योग से आंतरिक संतुलन व उत्कृष्टता का संदेश, ग्रेटर नोएडा में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आनंद मार्ग प्रचारक संघ नोएडा के तत्वावधान में एक्युरेट कॉलेज ऑफ फामेर्सी ग्रेटर नोएडा में ध्यान और योगः आंतरिक संतुलन और उत्कृष्टता की ओर एक मार्ग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कॉलेज के संकाय सदस्यों, स्टाफ और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर ध्यान एवं योग के महत्व को समझा। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को दैनिक जीवन में ध्यान और योगिक साधना के व्यावहारिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि नियमित योगाभ्यास और ध्यान से व्यक्ति के मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास को नई दिशा मिलती है। इस अवसर पर आचार्य (डॉ.) शुद्धचित्तानंद अवधूत ने बायो साइकोलॉजी और योग के सिद्धांतों के आधार पर ध्यान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान और योगाभ्यास से व्यक्ति के भीतर आंतरिक संतुलन, मानसिक स्पष्टता, एकाग्रता और आत्मविश्वास का विकास होता है। इससे व्यक्ति अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में बेहतर प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्टता प्राप्त कर सकता है। कार्यशाला के दौरान कई संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने उनसे ध्यान की विधि भी सीखी। कार्यक्रम का मंच संचालन फैकल्टी जया भाटी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में फैकल्टी मयंक शर्मा, प्रशांत चौधरी तथा डॉ. संजय यादव का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज ऑफ फामेर्सी के निदेशक (अकादमिक) डॉ. दर्पण कौशिक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस दौरान डॉ. दर्पण कौशिक और वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. अजीत किरण कौर ने आचार्य (डॉ.) शुद्धचित्तानंद अवधूत तथा आनंद मार्ग प्रचारक संघ, नोएडा के प्रतिनिधि प्रवीर कुमार को कार्यशाला में उनके योगदान के लिए स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यशाला का समापन सकारात्मक वातावरण में हुआ। प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि दैनिक जीवन में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन बनाए रखने के लिए ध्यान और योग को अपनाना बेहद आवश्यक है।

आज 14 मार्च को जनपद में लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, हजारों मामलों के निस्तारण का अवसर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर में आज 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शों के तहत जनपद न्यायालय मुख्यालय तथा तहसील स्तर पर किया जा रहा है।

अपर जिला जज-क्क एवं विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) तथा राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अधिकारी सोमप्रभा मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सुलह समझौते के आधार पर त्वरित निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में विशेष रूप से आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक विवाद, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम से संबंधित मामले, बिजली और पानी के बिलों से जुड़े विवाद, धारा 138 एन.आई. एक्ट के प्रकरण, भू-राजस्व वाद, सेवा संबंधी मामले तथा प्री लिटिगेशन मामलों का निपटारा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ऐसे अन्य विवाद भी लोक अदालत में रखे जा सकेंगे जिनका निस्तारण सुलह समझौते के माध्यम से संभव है और जिनमें दोनों पक्ष आपसी सहमति से समाधान चाहते हों।

राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य लंबित मामलों का शीघ्र, सरल और कम खर्च में समाधान कर आम लोगों को न्याय दिलाना है। इसके माध्यम से पक्षकार आपसी सहमति से अपने विवादों का समाधान कर सकते हैं और न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ भी कम होता है।

एलपीजी के व्यावसायिक उपयोग व कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त, जनपद में चला सघन जांच अभियान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में एलपीजी गैस के व्यावसायिक उपयोग, कालाबाजारी, अवैध रिफिलिंग तथा अन्य अनियमित गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी एवं नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में बाट माप विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारियों की संयुक्त टीमों का गठन कर व्यापक जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में गठित टीमों ने विभिन्न स्थानों पर गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। तहसील दादरी क्षेत्र में संचालित साहिल एचपी गैस सर्विस, बालाजी एचपी गैस सर्विस, ग्राम पटाड़ी नगर नोएडा स्थित भारद्वाज भारत गैस, ग्राम पृथला में राजेश भारत गैस, सेक्टर 122 नोएडा में मेहुल भारत गैस, ग्राम हरौला में कोमल भारत गैस, सेक्टर 20 ग्रेटर नोएडा में सिद्ध लक्ष्मी एचपी गैस एजेंसी, ग्राम लक्सर में सांई विनय भारत गैस एजेंसी तथा तहसील जेवर के ग्राम दयानंतपुर स्थित मोनू एचपी गैस एजेंसी और

ग्राम थोरा में प्रबुद्ध भारत गैस एजेंसी का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान सभी गैस एजेंसियों पर एलपीजी सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता पाई गई। साथ ही पैसो, वेट एवं मेजरमेंट से संबंधित लाइसेंस भी नियमों के अनुरूप पाए गए। इसके अतिरिक्त अन्य टीमों ने शर्मा फिलिंग स्टेशन बिसहाड़ा तथा नोएडा ऑटोमोबाइल सेक्टर 14 नोएडा स्थित पेट्रोल पंपों का भी निरीक्षण किया। जांच में पेट्रोल पंपों पर पैसो, वेट एवं मेजरमेंट से संबंधित सभी लाइसेंस सही पाए गए। साथ ही वहां स्वच्छ पेयजल, हवा और शौचालय की व्यवस्था भी संतोषजनक मिली। पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता भी पर्याप्त मात्रा में पाई गई। जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम ने बताया कि जनपद में इस प्रकार का जांच अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि एलपीजी और पेट्रोलियम उत्पादों के वितरण में पारदर्शिता बनी रहे और सभी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की। बताया कि 13 मार्च 2026 को एक्स प्लेटफॉर्म पर एक न्यूज चैनल द्वारा घर चूल्हा छोड़ महिलाएं कतारों में खड़ी और भाजपा कर रही ये सब अफवाह है, भाई वाह शीर्षक से एक वीडियो पोस्ट किया गया, जिसे गौतमबुद्धनगर से जोड़कर प्रसारित किया जा रहा है। तथ्यों की जांच में पाया गया कि वीडियो के बैकग्राउंड में इंडेन गैस एजेंसी, क्रॉसिंग रिपब्लिक, डुंडाहेड़ा, गाजियाबाद 201016 का पता प्रदर्शित हो रहा है। इससे स्पष्ट है कि यह वीडियो गौतमबुद्धनगर जनपद से संबंधित नहीं है। प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास न करें। साथ ही आश्वस्त किया है कि गौतमबुद्धनगर में एलपीजी गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और इसकी आपूर्ति पूरी तरह सुचारु रूप से की जा रही है।

आरोपी शिक्षक तमंचे सहित गिरफ्तार, पुलिस पर किया फायर

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। पुलिस ने कस्बा निवासी आरोपी शिक्षक समीर उर्फ शहजाद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया है। नगरीय पीएचसी के चिकित्साधिकारी डॉ सोनू कश्यप ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि मोहल्ला मंडी स्थित एक स्कूल के शिक्षक समीर उर्फ शहजाद पुत्र आमिर उनके खिलाफ षड्यंत्र रच रहा था। इसी दौरान आरोपी की एक युवती के साथ बातचीत की ऑडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। डॉ सोनू कश्यप की तहरीर के

आधार पर बुढ़ाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिए टीम का गठन किया। इसी बीच कस्बा चौकी प्रभारी संदीप चौधरी को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी मंदवाड़ा रोड पर देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही आरोपी ने तमंचे से फायर कर दिया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को घेराबंदी कर दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के बाद उसका चालान कर न्यायालय में पेश कर दिया।

डूब क्षेत्र में अवैध कब्जों पर चला बुल्डोजर, 30 करोड़ की जमीन कराई मुक्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने आमका और बिसरख गांव के डूब क्षेत्र में अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बुल्डोजर चलाया। प्राधिकरण की टीम ने आमका में करीब 15 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। साथ ही बिसरख के डूब क्षेत्र में बने तीन अवैध मकानों को भी ध्वस्त कर दिया गया। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर शुक्रवार को यह कार्रवाई की गई। दरअसल, डूब क्षेत्र में कुछ कालोनाइजर अवैध रूप से प्लॉटिंग कर कॉलोनी बसाने की कोशिश कर रहे थे। सूचना मिलने के बाद प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण को ध्वस्त करते हुए जमीन को कब्जे से मुक्त करा लिया। प्राधिकरण के महाप्रबंधक ए.के. सिंह ने बताया कि ग्राम आमका के खसरा संख्या 295, 296, 297, 298 और 299 की जमीन पर अवैध निर्माण कर कब्जा करने की कोशिश की जा रही थी। परियोजना विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम चौधरी के नेतृत्व में प्रबंधक रोहित गुप्ता व वर्क सर्किल 2 की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को गिरा दिया। यह कार्रवाई करीब दो घंटे तक चली। इसके अलावा वर्क सर्किल

3 के प्रभारी प्रभात शंकर, मैनेजर प्रशांत समाधिया और उनकी टीम ने बिसरख के डूब क्षेत्र में निमार्णाधीन तीन मकानों को भी ढहा दिया। कार्रवाई के दौरान प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मी भी मौके पर तैनात रहे। प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोगों से अपील की गई है कि जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से पूरी जानकारी जरूर प्राप्त करें और अवैध कॉलोनियों में अपनी गाढ़ी कमाई लगाने से बचें।

अमिताभ ठाकुर के खिलाफ दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष जांच की मांग, राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। आजाद अधिकार सेना के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर के खिलाफ दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। शुक्रवार को दिए गए ज्ञापन में पदाधिकारियों ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ ठाकुर ने अपने पूरे जीवन में भ्रष्टाचार, माफिया तंत्र और सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ संघर्ष किया है। इसके बावजूद उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश में फर्जी, तथ्यहीन और राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि देवरिया, धनबाद और वाराणसी में दर्ज मामलों में गिरफ्तारी, बार बार वारंट जारी होने, जमानत में बाधा और न्यायिक प्रक्रिया की अनदेखी जैसी परिस्थितियां सामने आ रही हैं। पदाधिकारियों का कहना है कि यह स्थिति भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों के विपरीत प्रतीत होती है। ज्ञापन में मांग की गई कि इन सभी मामलों की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच सीबीआई या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए। साथ ही मौलिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करते हुए राज्य प्रशासन को निष्पक्ष और विधिसम्मत न्यायिक प्रक्रिया का पालन करने के निर्देश दिए जाएं।

पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई तो आजाद अधिकार सेना के पदाधिकारी और समर्थक दिल्ली में धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

इस अवसर पर प्रमोद कुमार, विनोद कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानसिक तनाव से परेशान युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, परिजनों ने बिना पुलिस सूचना के किया अंतिम संस्कार

रबूपुरा (शिखर समाचार)। रबूपुरा क्षेत्र के गांव मोहम्मदाबाद खेड़ा में मानसिक तनाव से जूझ रहे एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से गांव में शोक का माहौल है। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार गांव मोहम्मदाबाद खेड़ा निवासी तेजवीर अपने परिवार के साथ गांव के बाहर आम के बाग में रहकर मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है। शुक्रवार दोपहर उसके 21 वर्षीय पुत्र अंकित ने कमरे के अंदर साड़ी के सहारे पंखे से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि अंकित पिछले कई दिनों से मानसिक तनाव में चल रहा था। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य खेतों पर काम करने गए हुए थे। जब परिजन वापस लौटे तो युवक को फांसी के फंदे पर लटका देख उनके होश उड़ गए। परिजनों ने तुरंत युवक को नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बताया जाता है कि परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दिए बिना ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। वहीं इस संबंध में पुलिस का कहना है कि उन्हें इस घटना की कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है।

संपादकीय

रसोई गैस की किल्लतः हकीकत, अफवाह और समाधान की जरूरत

देश के कई हिस्सों में इन दिनों रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। विशेष रूप से व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कमी की खबरें सामने आने के बाद होटल, ढाबों और भोजनालय संचालकों के सामने गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। कई शहरों और कस्बों में होटल संचालकों को समय पर कमर्शियल गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं, जिसके कारण भोजन बनाना मुश्किल हो रहा है। इसका असर केवल होटल व्यवसाय तक सीमित नहीं है, बल्कि ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवाओं तक भी पहुंच गया है। वहीं दूसरी ओर सरकार का कहना है कि देश में रसोई गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर वास्तविक स्थिति क्या है और इस समस्या का समाधान कैसे निकाला जाए।

पिछले कुछ दिनों से कई जिलों में यह स्थिति देखने को मिली है कि गैस एजेंसियों पर सिलेंडर लेने वालों की भीड़ बढ़ गई है। खासकर व्यावसायिक गैस सिलेंडर की मांग अचानक बढ़ने के कारण आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव महसूस किया जा रहा है। होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों के संचालकों का कहना है कि उन्हें समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं, जिसके कारण भोजन बनाने का काम प्रभावित हो रहा है। कई स्थानों पर होटल संचालक मजबूरी में घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग करने लगे हैं, जो नियमों के अनुसार उचित नहीं माना जाता। इससे एक ओर नियमों का उल्लंघन होता है तो दूसरी ओर घरेलू उपभोक्ताओं की उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। इस स्थिति का असर ऑनलाइन फूड डिलीवरी से जुड़े व्यवसायों पर भी पड़ रहा है। छोटे रेस्टोरेंट और क्लाउड किचन, जो पूरी तरह गैस सिलेंडर पर निर्भर हैं, उन्हें भोजन तैयार करने में कठिनाई हो रही है। इसके कारण कई स्थानों पर डिलीवरी में देरी की शिकायतें सामने आई हैं। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इससे न केवल होटल व्यवसाय बल्कि रोजगार और उपभोक्ता सेवाओं पर भी प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि केंद्र सरकार और तेल कंपनियों का कहना है कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध है। अधिकारियों के अनुसार कुछ स्थानों पर जो समस्या दिखाई दे रही है, वह मुख्य रूप से वितरण व्यवस्था में अस्थायी बाधा या अफवाहों के कारण अचानक बढ़ी मांग का परिणाम है। कई बार यह भी देखा गया है कि गैस की कमी की खबर फैलने के बाद उपभोक्ता जरूरत से अधिक सिलेंडर लेने लगते हैं, जिससे एजेंसियों पर दबाव बढ़ जाता है और अस्थायी कमी जैसी स्थिति बन जाती है। सरकार का यह भी कहना है कि देश में एलपीजी आपूर्ति के लिए पर्याप्त भंडारण और परिवहन व्यवस्था मौजूद है। भारत दुनिया के सबसे बड़े एलपीजी उपभोक्ता देशों में से एक है और यहां हर महीने करोड़ों सिलेंडरों की आपूर्ति की जाती है। ऐसे में यदि किसी क्षेत्र में समस्या उत्पन्न होती है तो उसे स्थानीय स्तर पर वितरण प्रबंधन के माध्यम से जल्दी ही ठीक किया जा सकता है। तेल कंपनियों ने भी भरोसा दिलाया है कि वे स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और जहां जरूरत होगी वहां अतिरिक्त आपूर्ति भेजी जाएगी। इसके बावजूद यह स्वीकार करना होगा कि जमीनी स्तर पर यदि होटल संचालकों और उपभोक्ताओं को गैस नहीं मिल रही है तो यह केवल अफवाह का मामला नहीं माना जा सकता। वितरण प्रणाली में कहीं न कहीं सुधार की जरूरत अवश्य है। भारत जैसे बड़े देश में आपूर्ति श्रृंखला का सुचारु रूप से चलना बेहद महत्वपूर्ण है।

~ मौलिक चिंतन ~

तर्क संजीवनी औषधि है
और कुतर्क लाइलाज रोग।

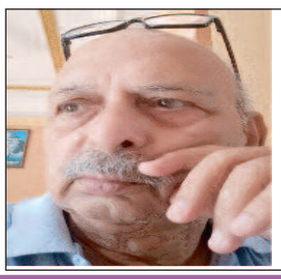

© विनय संकोची

एलपीजी की जगह चूल्हा एक सस्ता विकल्प

संजय गोस्वामी

12 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार, ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच फारस की खाड़ी में गंभीर तनाव और संघर्ष जारी है, जो 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है। ईरान द्वारा समर्थित गुटों ने अमेरिकी और खाड़ी देशों के तेल टैंकरों पर हमले किए हैं, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट खड़ा हो गया है। युद्ध की स्थिति का सीधा असर होटल मालिकों पर पड़ने वाला है। संभावना है कि कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक खत्म होने पर होटल को जल्द ही बंद करना पड़ सकता है। कमर्शियल सिलेंडर की कमी पूरे देश में एलपीजी का संकट है एलपीजी सप्लाई में रुकावट का असर अब इंडिया इंक पर भी पड़ रहा है, कुछ कंपनियों ने कुकिंग गैस की कमी के कारण कैफेटेरिया और फूड सर्विस पर असर पड़ने की वजह से ऑपरेशनल दिक्कतों की रिपोर्ट दी है। साथ ही, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे शहरों में कमर्शियल एलपीजी सप्लाई में रुकावट की खबरें आई हैं, रेस्टोरेंट और खाने की जगहों को सिलेंडर खरीदने में मुश्किल हो रही है और कुछ मामलों में मेन्यू कम कर दिए गए हैं या ऑपरेशन कम कर दिए गए हैं। कई राज्यों में पुलिस ने भी एलपीजी सप्लाई को लेकर अफवाहों के बीच मॉनिटरिंग बढ़ा दी है, और गलत जानकारी, जमाखोरी और सिलेंडर की चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। हालांकि, सरकार का कहना है कि पूरे देश में एलपीजी का कोई संकट नहीं है और सप्लाई को स्थिर करने के लिए रिफाइनरी का आउटपुट लगभग 10% बढ़ा दिया गया है। एलपीजी सप्लाई, सरकार की प्रतिक्रिया और भारतीय शहरों की स्थिति पर लेटेस्ट अपडेट के लिए इस लाइव ब्लॉग को फॉलो करें। एलपीजी सप्लाई की कमी से पूरे भारत में होटल, रेस्टोरेंट पर असर है युद्ध के इस दौर में, गोबर से बनी बायोगैस या गोबर के उपले एलपीजी का एक आत्मनिर्भर और किफायती विकल्प प्रदान करते हैं।चूल्हा एक ऐसा उपकरण है जो स्थानीय ताप या खाना पकाने के लिए उपकरण के अंदर या ऊपर ऊष्मा उत्पन्न करता है। चूल्हे कई प्रकार के ईंधनों से चल सकते हैं, जैसे प्राकृतिक गैस, बिजली, गैसोलीन, लकड़ी और कोयला। चूल्हे के निर्माण के लिए सबसे आम सामग्री कच्चा लोहा, इस्पात और पत्थर हैं। चूल्हे और गोबर के उपले भारतीय ग्रामीण जीवन, संस्कृति और परंपरा के अभिन्न अंग हैं। मिट्टी के चूल्हे और गोबर के उपले न केवल सस्ते और आसानी से उपलब्ध ईंधन हैं, बल्कि आत्मीयता और पवित्रता का भाव भी रखते हैं। आत्मनिर्भरता, सादगी और पर्यावरण मित्रता के प्रतीक के रूप में ग्रामीण जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वास्थ्य पर प्रभावः पुराने धुंआ उत्सर्जित करने वाले चूल्हे महिलाओं और बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं, इसलिए लोग अब धुआं रहित चूल्हों की ओर बढ़ रहे हैं। आत्मनिर्भरता की कहानीः कई परिवार बायोगैस के माध्यम से आत्मनिर्भर हो गए हैं, वे गोबर से 8-10 घंटे तक चूल्हे को जलाते हैं। चूल्हा और गोइठा का संबंध केवल भोजन पकाने से नहीं, बल्कि एक जीवनशैली से है जो हमें प्रकृति के करीब रखती है। यह हमारे पूर्वजों की विरासत और सादगी का प्रतीक है, जिसे आज भी ग्रामीण भारत में संजोकर रखा गया है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला में आज भी लोग पुराने और पारंपरिक ईंधनों का उपयोग न सिर्फ अपने दैनिक जीवन में कर रहे हैं, बल्कि परंपराओं के अनुसार धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को भी पूरी श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं. होली के पर्व से पहले गांवों में घरों में पाले गए मवेशियों के गोबर से गोईठा बनाया जाता है.मान्यता है कि गोबर शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक होता है, यही कारण है कि होली के दिनों में गोईठा की मांग बढ़ जाती है. कई लोग इसे बनाकर बेचते हैं, वहीं जिनके पास गोईठा उपलब्ध नहीं होता, वे गांवों से इसे लाकर होलिका दहन करते हैं. यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी हुई है, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और सदियों पुरानी जीवनशैली की गहराई को भी दशार्ती है. चूल्हा और गोइठाः ग्रामीण जीवन के प्रतीक पारंपरिक संस्कृतिः गाँव में मिट्टी के चूल्हे पर बना खाना - विशेषकर रोटी, दाल और बाटी - स्वाद और सौंधी महक के लिए जाना जाता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स का गिरनाः क्या अर्थतंत्र में महासंकट के संकेत?

सौरभ वार्ष्णेय

वैश्विक अर्थव्यवस्था में जब भी ऊर्जा संकट गहराता है, उसका सीधा असर वित्तीय बाजारों और आम लोगों की जेब पर दिखाई देता है। हाल के दिनों में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी तथा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक गिरावट की ओर गया है। यह गिरावट केवल बाजार की सामान्य हलचल नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़े संभावित बड़े संकट का संकेत भी हो सकती है। वहीं जब मैं इस लेख को लिख रहा हूं तो सेंसेक्स और निफ्टी काफी हद तक गिर चुका है। ऐसे में सरकार के कहने के बावजूद जनमानस इस युद्ध के बीच ऊर्जा का भंडार भरकर रखना चाहता है, यह युद्ध क्या पटकथा लिखेगा कोई नहीं जानता क्योंकि रुस-युक्रेन युद्ध भी अभी तक समाप्त नहीं हुआ।

भारत जैसे देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है। जब वैश्विक स्तर पर तेल-गैस की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो उसका असर सीधे महंगाई, उत्पादन लागत और व्यापार संतुलन पर पड़ता है। उद्योगों की लागत बढ़ती है, परिवहन महंगा होता है और अंततः इसका बोझ आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। निवेशकों को भी यह संकेत मिलता है कि आने वाले समय में कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

शेयर बाजार का गिरना इसी चिंता का प्रतिबिंब है। निवेशक भविष्य की आशंकाओं को देखते हुए बाजार से पैसा निकालने लगते हैं। विदेशी निवेशक भी जोखिम से बचने के लिए उभरते बाजारों से पूंजी निकालते हैं, जिससे बाजार में गिरावट और तेज हो जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है।

ऊर्जा संकट का दूसरा पहलू राजकोषीय दबाव भी है। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए करों में कटौती, सब्सिडी या अन्य राहत उपाय देने पड़ सकते हैं। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है। साथ ही यदि आयात बिल बढ़ता है तो चालू खाते का घाटा भी बढ़ सकता है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन जाता है।

हालांकि यह भी सच है कि शेयर बाजार हमेशा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिति का सटीक दर्पण नहीं होता। कई बार वैश्विक परिस्थितियों, भू-राजनीतिक तनाव या निवेशकों की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से भी बाजार अचानक गिर सकता है। इसलिए सेंसेक्स की गिरावट को तुरंत महा संकट मान लेना भी उचित नहीं होगा। लेकिन इसे एक चेतावनी संकेत जरूर माना जाना चाहिए।

ऐसे समय में सरकार और नीति-निमार्ताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की है। देश को तेल-गैस के आयात पर निर्भरता कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और रणनीतिक भंडार बढ़ाने जैसी नीतियों पर तेजी से काम करना होगा। साथ ही आर्थिक सुधारों और निवेश को बढ़ावा देकर बाजार का भरोसा बनाए रखना भी जरूरी है।

अंततः कहा जा सकता है कि तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स की गिरावट केवल बाजार की घटना नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी चुनौतियों की याद दिलाती है। यदि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं तो यह संकट अवसर में भी बदल सकता है, लेकिन अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो इसके गंभीर आर्थिक परिणाम सामने आ सकते हैं।

निवेशक दोहरी दुविधा में

वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के बीच आज निवेशक एक कठिन दौर से गुजर रहा है। बाजार में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय तनाव और महंगाई के दबाव ने निवेशकों को दोहरी दुविधा में डाल दिया है। एक ओर शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षित निवेश विकल्प भी अपेक्षित रिटर्न नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि निवेशक अपने धन को कहाँ और कैसे सुरक्षित रखें। हाल के समय में वैश्विक स्तर पर कई घटनाएँ आर्थिक बाजारों को प्रभावित कर रही हैं। तेल-गैस की कीमतों में अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों में बदलाव का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। जब भी वैश्विक स्तर पर संकट गहराता है, निवेशक जोखिम से बचने के लिए सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति में सुरक्षित निवेश भी बहुत आकर्षक नहीं दिख रहा।

दूसरी ओर घरेलू स्तर पर भी निवेशकों के सामने कई सवाल खड़े हैं। महंगाई की दर में उतार-चढ़ाव, ब्याज दरों की अनिश्चितता और कंपनियों के भविष्य को लेकर आशंकाएँ निवेशकों को निर्णय लेने में कठिनाई पैदा कर रही हैं। शेयर बाजार में निवेश करने पर जोखिम अधिक है, जबकि बैंक जमा या अन्य सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न सीमित है। यही कारण है कि निवेशक समझ नहीं पा रहे कि जोखिम उठाकर बाजार में बने रहें या सुरक्षित विकल्पों में पैसा लगाएँ।

निवेशकों की यह दुविधा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। बाजार की अस्थिरता के कारण कई छोटे निवेशक घबराकर अपने निवेश को निकाल लेते हैं, जिससे बाजार में और अधिक गिरावट देखने को मिलती है। वहीं कुछ अनुभवी निवेशक इसे अवसर के रूप में देखते हैं और गिरते बाजार में निवेश बढ़ाते हैं। ऐसी स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण है संतुलित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को घबराहट में निर्णय लेने के बजाय अपने निवेश को विविध क्षेत्रों में बांटना चाहिए और लंबी अवधि की रणनीति अपनानी चाहिए। इससे जोखिम कम किया जा सकता है और बाजार की अस्थिरता का प्रभाव भी सीमित किया जा सकता है।

सरकार और नियामक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि वे आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। पारदर्शी नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर निवेशकों का भरोसा मजबूत किया जा सकता है।

यह कहा जा सकता है कि वर्तमान समय निवेशकों के लिए परीक्षा का दौर है। दोहरी दुविधा के बीच सही निर्णय वही होगा जो धैर्य, समझ और दीर्घकालिक सोच पर आधारित हो। अगर निवेशक संतुलित रणनीति अपनाते हैं, तो अस्थिर बाजार भी भविष्य के अवसरों में बदल सकता है।

तेल-गैस संकट से कैसे मिले निजात?

विश्व राजनीति और ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता ने एक बार फिर तेल-गैस संकट की आशंका को गहरा कर दिया है। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, आपूर्ति में रुकावट और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए जब भी वैश्विक स्तर पर संकट पैदा होता है, उसका दबाव देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम उपभोक्ता पर साफ दिखाई देता है।तेल और गैस केवल ईंधन नहीं, बल्कि आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। परिवहन, बिजली उत्पादन, उद्योग और घरेलू उपयोग–हर क्षेत्र इन पर निर्भर है। जब इनकी कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति कम होती है, तो महंगाई बढ़ती है, उत्पादन लागत बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति भी प्रभावित होती है। इसलिए यह केवल ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी बन जाता है।इस संकट से निपटने के लिए सरकार को बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण जरूरी है। भारत को केवल कुछ सीमित देशों पर निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग क्षेत्रों से तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक समझौते और रणनीतिक भंडारण भी आपूर्ति सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम वैकल्पिक और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे स्रोत भविष्य में तेल-गैस पर निर्भरता कम कर सकते हैं। भारत ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन इसे और तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है।तीसरा, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। उद्योगों, वाहनों और घरेलू उपयोग में ऊर्जा की बचत से खपत कम की जा सकती है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार भी तेल की मांग घटाने में मदद कर सकता है। तेल-गैस संकट हमें यह याद दिलाता है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आयात से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीति, तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता से ही सुनिश्चित हो सकती है। यदि भारत समय रहते सही कदम उठाता है, तो वह न केवल इस संकट से उबर सकता है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों का भी मजबूती से सामना कर सकता है।

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

ललित गर्ग

यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए? इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे

चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए।

हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है।

इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे।

इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए।

निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और गरिमा के साथ मरनेकृदोनों का अधिकार सुनिश्चित कर सके।

सुंदर दिखने के लिए पार्लर जाना कोई मजबूरी नहीं

क्या बात है, आप आज बहुत खूबसूरत लग रही हैं। यह वाक्य शायद हर महिला सुनना चाहती है। खूबसूरत दिखने के लिए और इस तरह के कॉम्पलिमेंट्स सुनने के लिए महिलाएं जितना उनसे बन पड़ता है, करती हैं। चूंकि हरेक को शायद यह बात पता भी होती है कि अगर आप खूबसूरत दिखेंगी तो आपका मूड़ अच्छा रहेगा और अगर मूड़ अच्छा रहेगा तो आप अपना काम अच्छा करेंगी और काम अच्छा होगा तो फिर दुनिया आपकी मुट्ठी में। लेकिन खूबसूरत दिखना और इस तरह के कॉम्पलिमेंट पाना इतना आसान काम नहीं होता। आपको यह मालूम होना चाहिए कि खुद को मेनटेन करने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ती है। वैक्सिंग, ट्वीजिंग, थ्रेडिंग, फेशियल, ब्लीचिंग, मेनिक्योर, पेडिक्योर, हेयर कलरिंग, हेयर कटिंग और स्टाइलिंग, बॉडी पैक, हेयर रिमूवल... अरे बाप रे! आखिर क्या-क्या नहीं करना पड़ता महिलाओं को। आजकल तो महिलाओं को खूबसूरत बनाने के लिए कॉस्मेटिक इंडस्ट्रीज भी जी-जान से जुटी हैं। आप देख ही रही हैं कि हर रोज कोई न कोई थेरेपी, इनवेंशन, एक्सपेरिमेंट बाजार में छाए रहते हैं, ताकि महिलाओं को बुढ़ापा न छू पाए। और अगर बुढ़ापा है तो उसे किस तरह छुपाया जाए, मस्कारा या नेल पॉलिश कैसे बेहतर बनाई जाए, त्वचा और बालों की देखभाल किस तरह से हो वगैरह-वगैरह। फलों और फूलों वाली क्रीम और भी न जाने क्या-क्या चीजें बाजार में भरी पड़ी हैं।

तो देखा आपने इतना सारा तामझाम करना पड़ता है महिलाओं को। यहां सोचने वाली बात यह है कि नौकरीपेशा महिलाएं स्वयं के लिए किस तरह से मैनेज करती हैं यह सबकुछ। आखिर ऑफिस, घर, बच्चों की देखभाल के बीच खुद के लिए समय निकालकर ब्यूटी पॉर्लर में जाना काफी मशक्कत का काम होता है। ऐसे में अकसर कई महिलाएं तो ब्यूटी पॉर्लर का रुख ही भूल जाती हैं। लेकिन शायद आपको जानकर हैरानी होगी कि कुछ महिलाओं ने अब इसका तोड़ ढूंढ निकाला है। अब उन्हें अपने सारे कामों के बीच ब्यूटी पॉर्लर जाने के लिए खासतौर से समय नहीं निकालना पड़ता और वह घर बैठे ही बन जाती हैं खूबसूरत।

आखिर क्या है यह तरीका, जानना चाहेंगी? जरा ध्यान दीजिए- अब आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं, अब आप ब्यूटीशियन को बुलाकर घर पर ही अपना ब्यूटी ट्रीटमेंट करवा सकती हैं। प्राइवेट फर्म में काम करने वाली प्रमिला बताती हैं कि, 'मैं पहले पूरी ट्रीटमेंट करवाने के लिए पॉर्लर जाती थी। मुझे पूरा एक दिन निकालना पड़ता था, जिसकी वजह से मैं कई दूसरे जरूरी काम नहीं कर पाती थी। फिर पॉर्लर में बैठे-बैठे मैं मोबाइल से फोन पर बात करके काम चलाती थी। इस तरह से निबटाए गए काम से मुझे कभी संतुष्टि नहीं हुई। लेकिन अब मैं महीने में एक बार संडे के दिन ब्यूटीशियन को घर पर ही बुलाती हूं और वह मेरी पूरी ट्रीटमेंट कर देती है।'

वह कहती हैं कि मैं अपने बेडरूम में आराम से लेट जाती हूं और ब्यूटीशियन जुट जाती है मुझे खूबसूरत बनाने में।' कोलकाता की सुरेखा बसु के मुताबिक उन्होंने घर पर ब्यूटी ट्रीटमेंट करवाने का सिलसिला अभी पिछले वर्ष ही शुरू किया है। वह कहती हैं, कि घर के कामों से मुझे फुर्सत ही नहीं मिल पाती थी कि मैं पॉर्लर जाऊं। वह कहती हैं कि हाल ही में मैंने मेनिक्योर और पेडिक्योर के लिए घर पर ही एक लड़की को बुलवाना शुरू किया साथ ही मैं महीने में एक बार ऐरोमाथेरेपी भी करवाती हूं। आप शायद सोचेंगी कि यह तो यह सब तो फिल्म स्टार्स और बड़े लोगों के चोंचले हैं, जिनके घर पर ही ब्यूटीशियन आकर ट्रीटमेंट कर जाती हैं। लेकिन ऐसा नहीं है, क्योंकि समय की बचत करने का यह सबसे आसान उपाय बन कर उभरा है।

यह नया कांसेप्ट प्रचलित बेशक से तेजी से हुआ हो, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि सभी महिलाओं को यह नया कांसेप्ट पसंद ही आया हो। कानपुर की नेहा वर्मा कहती हैं कि मुझे ट्रीटमेंट पसंद नहीं है। एक मौका तो होता है, जब मैं टाउन जाकर आउटिंग करती हूं पॉर्लर के बहाने। शहर जाकर लेटेस्ट गॉसिप भी तो पता चलती है और दोस्तों से भेंट भी हो जाती है। दिल्ली की एक कॉलेज छात्रा कहती हैं कि सेलून जाना तो रूटीन में शामिल है क्योंकि एक तो ब्यूटी पॉर्लर में ढेरों मैगजीन पढ़ने को मिल जाती हैं साथ ही नए दोस्तों से गपशप आदि भी करने का अवसर यहीं मिलता है।

लेकिन जयपुर की कविता की इस संदर्भ में राय कुछ और ही है। वह कहती हैं कि, मैं तो खुद ही सबकुछ कर लेती हूं। अपनी आइब्रो बना लेती हूं, नेल पॉलिश लगा लेती हूं, फेशियल कर लेती हूं, यहां तक कि समय मिलने पर अपने बालों की ट्रिमिंग भी कर लेती हूं। खैर, विचारों की भिन्नता तो मनुष्य में स्वाभाविक सी बात है लेकिन जो भी हो इस भागदौड़ भरी जिंदगी में पॉर्लर एट होम कॉनसेप्ट के सफल होने की गारंटी है।

मलाई कोफ्ता

कोफ्ते की सामग्री: आधा-आधा कप सब्जियां- फूलगोभी, पत्तागोभी, शिमला मिर्च और गाजर, 1 छोटा-सा प्याज (सभी को छोटे टुकड़ों में काटकर उबाल लें। ज्यादा न पकाएं), 2 टीस्पून मलाई, 2 टेबलस्पून बेसन, चुटकीभर बेकिंग पाउडर, 1-1 टीस्पून गरम मसाला, लालमिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और अदरक-लहसुन का पेस्ट।

कोफ्ता बनाने की विधि: सब्जियों को हल्का-सा मैश कर लें। इसमें बाकी सभी सामग्रियां मिलाकर छोटे-छोटे गोले बनाकर पहले उन्हें भाप से पकाएं, फिर सुनहरा होने तक तल लें।

ग्रेवी के लिए सामग्री: 1 बड़ा प्याज, 1 कप दही, 1 कप मलाई, 1 टेबलस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 हरी मिर्च, 1 टीस्पून जीरा, 8-10 करीपत्ते, 1 टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1 टीस्पून हल्दी, 2 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टीस्पून गरम मसाला, 2 टेबलस्पून हरी धनिया, 2-3 टेबलस्पून तेल।

ग्रेवी बनाने की विधि: प्याज, हरी मिर्च, हरी धनिया, मलाई और दही को मिलाकर पेस्ट बना लें। पैन में तेल गर्म करें। जीरा व करीपत्ते डालें। उपरोक्त पेस्ट, अदरक-लहसुन का पेस्ट और सारे मसाले डालकर अच्छी तरह भूनें। 3 कप पानी डालकर ग्रेवी को उबालें। कोफ्ते मिलाएं और एक उबाल आने दें। मलाई व हरी धनिया से सजाकर सर्व करें।

बच्चों और मां-बाप में दूरी क्यों?

तेजी से बदलते समय में जिंदगी के सभी आयाम कई गुना तेज रफ्तार से बदलते जा रहे हैं। समय के साथ बदलना जरूरी भी है और सही भी। एक बड़ा प्रश्नचिन्ह सामने आता है कि क्या जीवन के आदर्श, नैतिक मूल्य, संस्कार भी बदलते जाने चाहिएं।

आज की समस्याएं चाहे बच्चों की हों, दाम्पत्य की हों या फिर पीढ़ी अंतराल की हों, कारण एक है- गिरते सामाजिक व नैतिक मूल्य। 'नैतिक मूल्य' मात्र दो शब्द ही नहीं वरन् जीवन का सार समेटे हुए एक पूर्ण विचार है। आज अभिभावकों, अध्यापकों व समाज के आगे एक ज्वलंत समस्या है बच्चों पर मानसिक दबाव और उसका परिणाम आत्महत्या, घर से भागना आदि। जिम्मेदार कौन है? इसका फैसला कब और कौन करेगा? यह कहना कि पढ़ाई का बोझ, माता-पिता की महत्वाकांक्षाएं, आपसी प्रतिद्वंद्विता ही बच्चों को भागने के लिए या जीवन समाप्त करने के लिए विवश कर रही है तर्कसंगत हो भी सकता है पर इसका कारण जानना आज की प्राथमिकता है। बात कहीं से भी शुरू करें, आकर रूकती है तो इन्हीं विचारों पर कि सामाजिक मूल्यों का पतन हो रहा है। आगर्शों में गिरावट आ चुकी है। संस्कार शब्द की महत्ता अपना महत्व धूमिल कर रही है।

केवल बच्चे ही नहीं, अभिभावक एवं पूरा समाज भ्रमित है। किस होड़ में दुनिया भाग रही है? कहां तक जाना है? कौन उस मुकाम तक पहुंचाएगा? कैसे पहुंचेंगे? सभी प्रश्न अनुत्तरित हैं। फिर इतनी छोटी-सी जिंदगी में बड़ा-सा बोझ क्यों? यह सत्य है कि मानसिक स्तर पर सब बच्चे एक न होकर भी अपने आपमें अनोखे हैं, खास हैं। प्रत्येक अभिभावक और अध्यापक को पहले बच्चों को समझना होगा फिर उनकी समझ से उनको समझाना होगा। यदि अभिभावक या अध्यापक बच्चे को सही मार्गदर्शन के लिए डांट दें तो ऐसा कौन-सा बड़ा गुनाह है कि बच्चे भागने को विवश हो जाएं या जीवन ही समाप्त कर लें!

यह और कुछ भी नहीं बल्कि सहनशीलता में कमी एवं आदर्शों में गिरावट का परिणाम है। आज जो स्थान एक बच्चे की नजर में उसके अभिभावक और अध्यापक का होना चाहिए, नहीं है। क्या अभिभावक बदल गए हैं जो पाश्चात्य सभ्यता से प्रभावित होकर किशोरावस्था आते ही बच्चों को उनके हाल पर छोड़ देते हैं या उनकी जरूरतों को नजरअंदाज कर रहे हैं या उनको सही मार्गदर्शन देने में असमर्थ हैं? भारतीय समाज में आज भी माता-पिता की अमूल्य निधि उनके बच्चे ही हैं। ये सब भावनाएं, कर्त्तव्य पहले भी थे और आज भी हैं। अंतर है तो केवल परवरिश का, जीवन में प्राथमिकाताओं का।

आज भी एक बच्चे को सिर पर मां का हाथ, पिता का सहारा और माता-पिता दोनों से वक्त चाहिए पर दुख इस बात का है कि माता-पिता दे रहे हैं, सहारे के स्थान पर पैसा, समय की जगह पर इंतजार। सभी अभिभावक वचनबद्ध हों कि बच्चों को पूरा प्यार, ज्यादा से ज्यादा वक्त दें उनको समझें फिर समझाएं। उन्हें आपकी जरूरत है। सभी बच्चे प्रतिज्ञा लें कि माता-पिता को सुख देना ही उनका सही मायनों में कर्ज तथा फर्ज है। बच्चे अपने माता-पिता की जरूरत हैं, उनकी अमानत हैं और इसकी हिफाजत करना, दोनों का कर्त्तव्य है।

सफल संबंधों के लिए

एक प्रचलित-सी कहावत है कि प्यार में तकरार तो होती ही रहती है। इस तकरार के बावजूद जरूरी है कि संबंधों में माधुर्य कायम रहे तो निम्न बातों पर ध्यान दें तथा संबंधों की सफलता को सुनिश्चित बनाएं।

- एक श्रोता बनें, न कि समस्या सुलझाने वाले। जब आपकी पत्नी आपसे बात कर रही है, उसके व्यवहार तथा उसकी भावनाओं इत्यादि पर पूरा ध्यान दें। महिलाएं कभी नहीं चाहती कि पुरूष उनकी समस्याओं का हल ढूंढें, वे चाहती हैं कि आप उनकी प्रतिकूल स्थिति को समझें।
- एक अच्छे 'प्रोवाइडर' (पालनकर्त्ता) बनें। आज की औरतें यकीनन स्वावलम्बी होती हैं तथा उन्हें पुरूषों की निर्भरता नहीं चाहतीं, फिर भी उन्हें अपने लिए एक पुरूष चुनना ही होता है। अपनी जीवन साथी तथा अपने लिए एक पुरूष चुनना ही होता है। अपनी जीवन साथी तथा अपने भावी परिवार के लिए एक अच्छे पालनकर्त्ता बनें। यदि आप एक उचित जीवनशैली नहीं अपनाते तो आपके साथी की घर बनाने की इच्छा धरी की धरी रह जाएगी।
- अच्छे सहायक बनें। घर के कामकाज में सहायता करें विशेषकर सप्ताहांत पर जिससे आपकी पत्नी को अहसास हो कि उसने गलत जीवन साथी का चुनाव नहीं किया है।
- एक अच्छे पिता बनें। जब आपकी पत्नी आपको बच्चे को उठाते हुए, झुलाते हुए बिखरे बालों तथा मुड़े-तुड़े कपड़ों में देखेगी तो आप दोनों के बीच का प्यार अधिक प्रगाढ़ होगा। तो विश्व के सबसे बढ़िया पिता बनें।
- एक अच्छे पति बनें। अपनी पत्नी को शारीरिक, मानसिक तथा आर्थिक रूप से संतुष्ट रखें। यह ध्यान में रखें कि किसी व्यक्ति को उसका व्यवहार ही श्रेष्ठ बनाता है। यदि आपकी पत्नी आपसे प्यार करती है तो उसे इस बात का पूरा अहसास करवाएं कि आप उसके प्रति पूर्णत: समर्पित हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3827

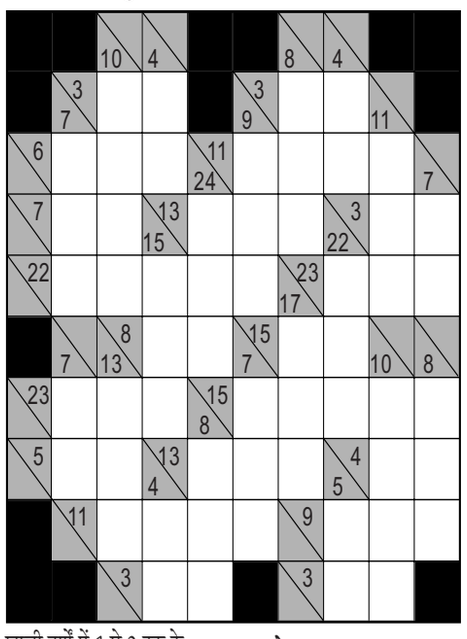

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

11	1	2	3	5
1	1+2+3+4+5+6=21			
2	1+2+3+4+5+7=22			
4	3+5+6+7+8+9=38			
	4+5+6+7+8+9=39			

काकुरो - 3826 का हल

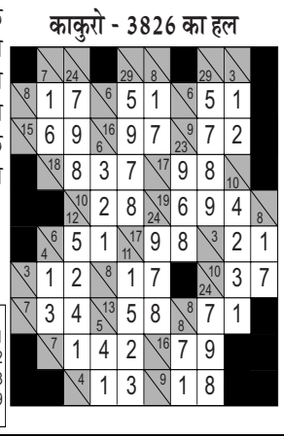

हंसी के फव्वारें

दो दोस्त आपस में बातें कर रहे थे.

एक ने कहा-'जब मैं जंगल से होकर जा रहा था,एकाएक मुझे डाकुओं ने घेर लिया. उन्होंने मेरा सब रुपया-पैसा छीन लिया.'

'मगर तुम्हारे पास तो रिवाल्वर थी?' दोस्त ने चकित होते हुए पूछा.

'था तो!'

'फिर ?'

'उस पर डाकुओं की नजर नहीं पड़ी.'दोस्त ने भोलेपन से कहा.

□ □ □

दो अफीमची बातें कर रहे थे.

एक बोला-'मेरे पिता का मकान इतना ऊंचा था कि एक बार एक बच्चा छत पर से गिरा तो जमीन तक आते-आते वह आदमी बन गया.'

दूसरा अफीमची उससे भी दो कदम आगे था. वह बोला-'मगर मेरे पिता का मकान तुम्हारे पिता के मकान से भी ऊंचा था. उसकी छत से एक बार एक बन्दर गिरा तो नीचे आते-आते वह आदमी बन गया.'

□ □ □

मालिक-'सारे मजदूर दो-दो बोरियाँ उठा कर ला रहें हैं, पर तुम एक-एक बोरी ही क्यों ला रहे हो ?'

मजदूर-'साहब वो सब आलसी हैं इसलिए दूसरा चक्कर लगाने से डरते हैं.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3827

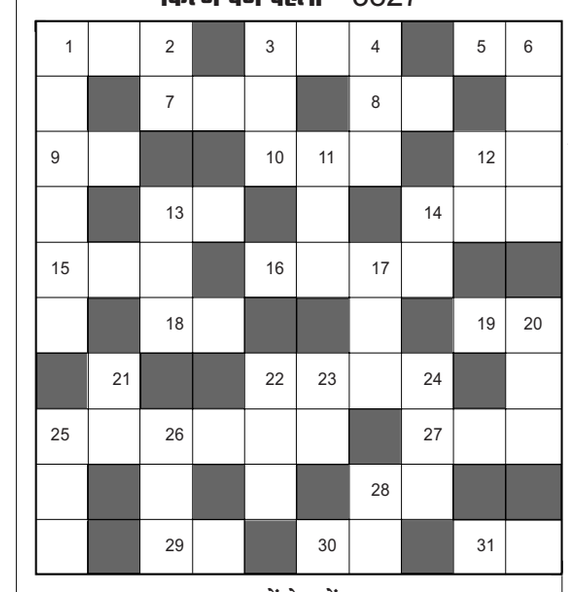

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3826

आ	शि	क		दी	वा	र		प्रे	म
शि		है		वी		फू	ल		न
की		या	र	ना		च		र	का
	शा		जा		ट	क	र		मी
जा	न	की	बा	जी		र		अं	त
गृ			बू		ही		दा	दा	
ति	रं	गा		को	र	का	ग	ज	
	ग		आ	ह		श			सं
दे		र	जा	र	नी		र	जा	जी
व	क्त		द		ना	र	ज		व

सूडोकु -3827

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3826 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 3827

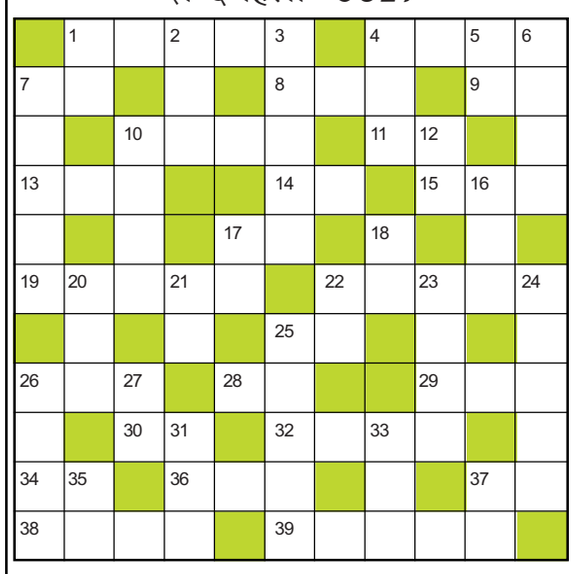

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपडे की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -3826 का हल

	व	र	दा	न		म	क	स	द	
म			न		अ		ल			नि
न		व्य	व	हा	र	कु	श	ल		य
मा	न	व			दा			कि	म	त
नी		था		आ	स	न		र	न	
	र		हा	रा		ह	त्या		का	
	क	वि		म	क	र		क		रा
ह	म	ला			ल			म	वे	शी
वे		प	र	व	र	दि	गा	र		फ
ली			स		व		य			ल
	र	ह	म	त		घ	ब	रा	ना	

केरल में एलपीजी संकट से रेस्तरां और कैटरिंग सेवाएं ठप

- करीब 40 प्रतिशत रेस्तरां बंद होने की कगार पर

कोच्चि (ईएमएस)। केरल में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण एलपीजी की कमी ने खाने-पीने के उद्योग को प्रभावित किया है। केरल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अनुसार, राज्य में लगभग 40 फीसदी रेस्तरां बंद होने की स्थिति बन रही है। शहरी क्षेत्रों के होटल और रेस्तरां सबसे अधिक प्रभावित हैं, क्योंकि वहां लकड़ी या अन्य ईंधन से खाना बनाना व्यावहारिक नहीं है। प्राइवेट एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें दोगुनी तक पहुंच गई हैं। कासरगोड में 17 किलोग्राम का सिलेंडर 3,000 रुपये में बिक रहा है, जबकि सामान्य 19 किलोग्राम सिलेंडर की कीमत करीब 1,800 रुपये है। लकड़ी की कीमतें भी बढ़ गई हैं, जिससे वैकल्पिक खाना पकाने की व्यवस्था कठिन हो गई है। एलपीजी संकट ने रेस्तरां के अलावा कैटरिंग सेवाएं, छात्रावास की मेस, कैंटीन और शवदाह गृह भी प्रभावित किए हैं। राज्य में शादी का मौसम शुरू होने वाला है, जिसके कारण कैटरिंग बुकिंग पहले ही हो चुकी हैं। मुस्लिम और ईसाई समुदायों के निकाह और लेंट/चालीसा काल की समाप्ति के बाद शादी समारोहों पर भी असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक में गैर-घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ाने और प्राथमिकता तय करने का निर्णय लिया गया। अस्पताल, वृद्धाश्रम, अनाथालय, स्कूल, सामुदायिक रसोई और आईटी/फैक्ट्री कैंटीनों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा, वैकल्पिक ईंधन जैसे मिट्टी का तेल की आपूर्ति बढ़ाने की योजना बनाई गई है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर पहले चेतावनी दी जाती तो कई रेस्तरां वैकल्पिक व्यवस्था कर सकते थे।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत में रेमिटेंस में तेजी: उद्योग विशेषज्ञ

पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीय अपने परिवारों को अधिक पैसा भेज रहे

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई के बीच मार्च में भारत में रेमिटेंस में असामान्य तेजी देखी गई है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य महीनों की तुलना में यह लगभग 20-30 प्रतिशत अधिक है। पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीय अपने परिवारों को अधिक पैसा भेज रहे हैं, जिससे भारत में प्रवासी रेमिटेंस में वृद्धि हुई है। साथ ही डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट ने रेमिटेंस का मूल्य और बढ़ा दिया है।

श्चिम एशियाई तनाव शुरू होने के बाद से रुपये में 1.32 प्रतिशत की गिरावट आई है। डॉलर के मुकाबले रुपया अब 92 रुपये प्रति डॉलर के पार पहुंच गया है, जबकि तनाव से पहले यह लगभग 91 रुपये था।

बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि इस गिरावट ने रेमिटेंस की वास्तविक कीमत बढ़ाने में मदद की है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह वृद्धि अल्पकालिक है। यदि संघर्ष लंबा चला और नौकरियों में कटौती हुई, तो भारत में रेमिटेंस की आवक पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

खासकर आतिथ्य और निर्माण क्षेत्र पर इसका असर ज्यादा होगा। निजी बैंक और स्मॉल फाइनैंस बैंक के अधिकारियों ने कहा कि मार्च में रेमिटेंस में 15-30 प्रतिशत तक वृद्धि देखी गई है, लेकिन दीर्घकालिक स्थिति के लिए सावधानी जरूरी है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में रेमिटेंस का प्रमुख स्रोत अमेरिका है, जो कुल आवक का 27.7 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद यूएई (19.2 फीसदी), ब्रिटेन (10.8 फीसदी), सऊदी अरब (6.7 फीसदी) और सिंगापुर (6.6 फीसदी) का स्थान है।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के पहले 9 महीनों में प्रवासी भारतीयों ने 107 अरब डॉलर से अधिक भेजे हैं। तुलना के लिए, वित्त वर्ष 2025 में 132 अरब डॉलर और 2024 में 117 अरब डॉलर भेजे गए थे।

एफटीएक्स 2026 कार्यक्रम में लॉन्च हुआ नया एआई प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली ।

डिजिटल पेमेंट कंपनी रेजरपे ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित एक नया प्लेटफॉर्म पेश किया है, जिसका उद्देश्य कारोबारों के भुगतान ढांचे के निर्माण और प्रबंधन के तरीके को बदलना है। कंपनी ने अपने वार्षिक कार्यक्रम रेजरपे एफटीएक्स 2026 में दुनिया का पहला एजेंट स्टूडिया लॉन्च किया, जो एआई एजेंट्स के माध्यम से पेमेंट ऑपरेशन्स को अधिक स्मार्ट और स्वचालित बनाने में मदद करेगा। यह प्लेटफॉर्म एंथ्रोपिक के क्लाउड एजेंट एसडीके पर आधारित है और इसे ऑनलाइन व्यापारियों को जोड़ने, भुगतान एकीकरण को आसान बनाने तथा संचालन प्रबंधन को सरल बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। कंपनी ने इसके साथ एक नई एजेंटिक एक्सपीरियंस लेयर भी पेश की है, जो व्यवसायों को अपने भुगतान से जुड़ी प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से संभालने में सक्षम बनाएगी। रेजरपे के एक अधिकारी ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि आज कारोबारों को केवल अधिक सॉफ्टवेयर की जरूरत नहीं है, बल्कि ऐसी बुद्धिमान तकनीक की आवश्यकता है जो खुद काम कर सके। उनके अनुसार एजेंट स्टूडियो के जरिए कंपनियां ऐसे एआई एजेंट्स तैनात कर सकेंगी जो उनके राजस्व प्रवाह को समझने और उसकी निगरानी करने के साथ-साथ भुगतान से जुड़ी समस्याओं का समाधान भी कर सकेंगे। ये एजेंट अरबों लेनदेन का रियल-टाइम विश्लेषण भी करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य यह है कि व्यवसाय अपने विकास पर ध्यान केंद्रित करें, जबकि भुगतान से जुड़े तकनीकी काम पृष्ठभूमि में सहज रूप से चलते रहें। उनका मानना है कि यह तकनीक वित्तीय संचालन के एक नए चरण की शुरुआत है, जहां इंटेलिजेंट एजेंट्स टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे। वहीं, एंथ्रोपिक इंडिया के अधिकारी ने कहा कि एआई एजेंट्स राजस्व वसूली, विवाद समाधान और नकदी प्रवाह के पूर्वानुमान जैसी वास्तविक व्यावसायिक चुनौतियों को हल करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना-चांदी के भाव में सुस्ती

- सोने का भाव 1.60 लाख, चांदी लगभग 2.66 लाख रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिली। दोनों धातुओं की कीमतें आज गिरावट के साथ खुलीं और कारोबार के दौरान भी दबाव में रहीं। घरेलू कमोडिटी बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल वायदा कॉन्ट्रैक्ट 20 रुपये की गिरावट के साथ 1,60,251 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 1,60,271 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 93 रुपये की गिरावट के साथ करीब 1,60,178 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान सोने ने 1,60,251 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,59,764 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुके हैं। चांदी के वायदा भाव में भी आज कमजोरी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 1,961 रुपये की गिरावट के साथ 2,66,001 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 2,67,962 रुपये था। इस समय यह 1,613 रुपये की गिरावट के साथ लगभग 2,66,349 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 2,66,888 रुपये का उच्च स्तर और 2,66,001 रुपये का निचला स्तर दर्ज किया। इस साल चांदी के वायदा भाव 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में नरमी का रुख बना हुआ है। वैश्विक कमोडिटी बाजार कॉमेक्स पर सोना 5,084 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछले सत्र में इसका बंद भाव 5,125.80 डॉलर था। इस समय सोना 8.90 डॉलर की गिरावट के साथ 5,116.90 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोना 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छू चुका है। वहीं चांदी 83.91 डॉलर प्रति औंस पर खुली और कारोबार के दौरान 0.60 डॉलर की गिरावट के साथ करीब 84.51 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इस वर्ष चांदी का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा है।

बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस की कोई बाध्यता नहीं

जमा, निकासी और एटीएम जैसी बुनियादी सुविधाएं बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के मिलेगी-

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बताया कि भारत में लगभग 72 कर-ोड़ बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट (बीएसबीडीए) हैं, जिनमें न्यूनतम बैलेंस की कोई बाध्यता नहीं है। इनमें प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाय) के तहत खोले गए खाते भी शामिल हैं। इन खातों में जमा, निकासी और एटीएम जैसी बुनियादी सुविधाएं बिना किसी अतिरिक्त शुल्क उपलब्ध हैं। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, छोटे जमाकर्ताओं और उन लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना है जो अब तक इन सुविधाओं से दूर थे। जहां जीरो बैलेंस खातों पर राहत है, वहीं सामान्य बचत और चालू खातों में मासिक औसत बैलेंस बनाए रखना जरूरी है। यदि ग्राहक ऐसा नहीं करते हैं, तो बैंक उचित और पारदर्शी शुल्क लगा सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने मिनिमम बैलेंस न रखने वाले ग्राहकों से 8,092.83 करोड़ रुपये वसूले। यह राशि बैंकों की कुल कमाई का केवल 0.3 प्रतिशत है और इसका उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं बल्कि सेवाओं के खर्च को संतुलित करना है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मार्च 2020 में बचत खातों पर मिनिमम बैलेंस शुल्क पूरी तरह खत्म कर दिया था। इसी राह पर चलते हुए 2025 तक 9 अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी जुर्माने हटा दिए या उनमें भारी कटौती की। यह कदम बैंकिंग सेवाओं को ग्राहक-केंद्रित और संवेदनशील बनाने की दिशा में उठाया गया।

एचएफसीएल को वैश्विक कंपनी से 10,159 करोड़ का ऑप्टिकल फाइबर ठेका

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी एचएफसीएल लिमिटेड को ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए एक वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनी से लगभग 10,159 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने यह जानकारी शुक्रवार को शेयर बाजार में दी। यह ठेका 2026 से दिसंबर 2030 तक पांच वर्षों के लिए है। एचएफसीएल ने बताया कि यह समझौता उसकी विदेश स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के माध्यम से किया जाएगा। ठेके के तहत कंपनी उच्च गुणवत्ता और उच्च फाइबर क्षमता वाली ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति करेगी। कुल संभावित मूल्य लगभग 1.10 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 10,159 करोड़ रुपये) है। एचएफसीएल ने ग्राहक का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। कंपनी ने बताया कि यह पहला **दीर्घकालिक और बहुवर्षीय ऑप्टिकल फाइबर केबल आपूर्ति समझौता है, जिसे एचएफसीएल के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस समझौते के तहत एचएफसीएलग्राहक की आवश्यकताओं के अनुसार केबल की आपूर्ति करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह ठेका कंपनी को वैश्विक बाजार में पकड़ मजबूत करने और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय ठेकों के अवसर खोलने में मदद करेगा।

पश्चिम एशियाई तनाव से प्रभावित हो सकता है भारतीय टायर निर्यात

- भू-राजनीतिक संकट का असर, एटमा ने सरकार से समर्थन की मांग की

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने भारतीय टायर उद्योग की चिंता बढ़ा दी है। ऑटोमोबाइल टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटमा) ने सरकार को चेतावनी दी है कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष से टायर निर्यात प्रभावित हो सकता है। एटमा के अनुसार होर्मुज स्ट्रेट और स्वेज नहर जैसे प्रमुख समुद्री मार्गों में अस्थिरता यूरोप, अमेरिका और अफ्रीका को होने वाली खेपों में देरी और ढुलाई लागत में बढ़ोतरी कर सकती है। भारत पश्चिम एशिया को सालाना लगभग 25-26 करोड़ डॉलर के टायर निर्यात करता है। यदि तनाव बढ़ता रहा, तो इन खेपों में व्यवधान आ सकता है। एटमा ने यह भी कहा कि निर्यात में अनिश्चितताओं के कारण भारतीय टायर उद्योग की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी क्षमता कमजोर हो सकती है। टायर उत्पादन में कच्चे तेल से बने उत्पादों का 60-70 प्रतिशत हिस्सा होता है। प्रमुख इनपुट में सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक, प्रोसेसिंग ऑयल और टायर कॉर्ड फैब्रिक शामिल हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव (लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल) सीधे उत्पादन लागत बढ़ा रहे हैं। इस कारण माल ढुलाई और लॉजिस्टिक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। एटमा के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बढ़ती उत्पादन लागत, निर्यात अनिश्चितताएं और ढुलाई में रुकावट का मिला-जुला असर उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि समय पर नीतिगत समर्थन जरूरी है ताकि भारत की निर्यात गति बनी रहे और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसका प्रभाव बनाए रखा जा सके।

गोल्ड लोन में राहत, माइक्रोफाइनेंस कंपनियां तेजी से बदल रहीं पोर्टफोलियो

- सूक्ष्म वित्त क्षेत्र के परिपक्व होने के साथ ही विविधीकरण की प्रवृत्ति में और तेजी की संभावना

नई दिल्ली ।

सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआईएस) बाहरी दबावों के कारण मुख्य रूप से परिसंपत्ति गुणवत्ता से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सामाजिक-राजनीतिक माहौल और राज्यों के कड़े नियम जैसे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, असम और कर्नाटक में जबरन वसूली पर रोक ने इन संस्थानों को अपनी रणनीतियों में बदलाव के लिए प्रेरित किया है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा कुल परिसंपत्तियों पर 60 प्रतिशत तक पात्रता मानदंड में ढील देने के बाद, सूक्ष्म वित्त संस्थान अब सुरक्षित ऋण उत्पादों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। इन उत्पादों में स्वर्ण ऋण, गृह सुधार ऋण, वाहन ऋण और संपत्ति के बदले ऋण शामिल हैं। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के आंकड़ों के अनुसार क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण, सैटिन क्रेडिटकेयर, स्पंदना स्फूर्ति जैसी संस्थाओं ने अपने पारंपरिक सूक्ष्म ऋणों में कमी की है। यह कदम जोखिम कम करने और नए क्षेत्रों में विस्तार करने की दिशा में एक रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है। सूक्ष्म वित्त संस्थान अब एमएसएमई ऋण, एलएपी, किफायती आवास वित्त और वाहन ऋण जैसे क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रहे हैं। सैटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क के एक अधिकारी ने कहा कि सूक्ष्म वित्त क्षेत्र के परिपक्व होने के साथ ही विविधीकरण की प्रवृत्ति में और तेजी आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि एमएफआईएस के संचित स्वामित्व (एयूएम) में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि अपेक्षित है, जबकि सहायक कंपनियों में 40-50 प्रतिशत की तेजी देखी जा रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1470, निफ्टी 488 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आयी है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनायी है जिससे भी घरेलू बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1470.50 अंक की गिरावट के साथ ही 74,563.92 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 488.05 अंक फिसलकर यह 23,151.10 के स्तर पर बंद हुआ। आज बाजार में आई गिरावट से निवेशकों के लाखों करोड़ रुपए डूबे।

शेयर मार्केट में गिरावट के कारण निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है। बीएसई सेंसेक्स पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सुबह-सुबह करीब 6.55 लाख करोड़ रुपए गिर कर करीब 433 लाख करोड़ रुपए रह गया है। बाजार जानकारों के अनुसार मध्यपूर्व में संघर्ष के कारण तेल के दाम बढ़ने से भी बाजार गिरा है। वहीं अमेरिकी बाजारों में भारी गिरावट से भी भारतीय बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले कारोबारी सत्र में भारतीय बाजार से 7,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की बिकवाली की। हालांकि घरेलू संस्थागत निवेशकों करीब 7,500 करोड़ रुपए की खरीदारी कर बाजार को कुछ सहारा देने की कोशिश की। आज आईटी, मेटल, ऑटो और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में व्यापक बिकवाली देखने को मिली। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स गिरावट के साथ ही 75,444 अंक पर खुला, जबकि गुरुवार को यह 76,034 अंक पर बंद हुआ था। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 588.06 अंक की गिरावट के साथ 75,446.36 अंक पर कारोबार करता दिखाई दिया। इसी तरह निफ्टी भी गिरावट के साथ 23,462 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 216.35 अंक की कमजोरी के साथ लगभग 23,422 अंक पर कारोबार कर रहा था। गिरावट की एक बड़ी वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली भी है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया है। सेक्टोरल स्तर पर मेटल, आईटी और बैंकिंग शेयरों में ज्यादा बिकवाली देखने को मिली, जिससे प्रमुख सूचकांकों पर नकारात्मक असर

भारत में 2020-2026 के दौरान एमएसएमई क्षेत्र में तेज़ी, करोड़ों रोजगार के अवसर- मांझी

- सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को समर्थन देने के लिए कई योजनाएं चलाई

नई दिल्ली । केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने संसद में बताया कि 2020 से 28 फरवरी, 2026 तक करीब 7.83 करोड़ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पंजीकृत हुए हैं। इन उद्यमों से 34.50 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा हुए। इस अवधि में लगभग 1.37 लाख उद्यम बंद हुए, जिनमें मालिक बदलना, दोहरा पंजीकरण, प्रमाण पत्र की आवश्यकता न होना या व्यवसाय बंद होना मुख्य कारण रहे। सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को समर्थन देने के लिए कई योजनाएं चलाई हैं, जिनमें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), सूक्ष्म एवं लघु उद्यम ऋण गारंटी योजना, एमएसएमई क्लस्टर विकास कार्यक्रम, एसआरआई कोष, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना और एमएसएमई चैंपियंस योजना शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रयासों में सहयोग किया जाता है। कोविड-19 महामारी के समय व्यवसायों को समर्थन देने के लिए 5 लाख करोड़ रुपए की आपातकालीन ऋण गारंटी योजना लागू की गई। यह योजना 31 मार्च, 2023 तक रही, जिसमें 1.13 करोड़ एमएसएमई को गारंटी दी गई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 14.6 लाख खाते बचाए गए, जिनमें 98.3 प्रतिशत सूक्ष्म और लघु उद्यम थे। पीएमईजीपी के लाभार्थियों में 39 प्रतिशत महिलाएं हैं। महिलाओं को गैर-विशेष श्रेणी की तुलना में अधिक सब्सिडी (35 फीसदी) दी जाती है। इसके अलावा, एमएसएमई की स्थिति में सुधार होने पर तीन वर्षों के लिए गैर-कर लाभ भी प्रदान किए गए हैं। आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) कोष के माध्यम से 50,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया, जिसमें सरकार 10,000 करोड़ और निजी इक्विटी/वेंचर कैपिटल 40,000 करोड़ का योगदान कर रही है। इसका उद्देश्य एमएसएमई को विकास पूंजी उपलब्ध कराना है।

एलपीजी की कमी से घरों में फिर लौट आया केरोसिन

- सरकार ने वैकल्पिक उपाय किए लागू

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तनाव ने वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित की है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत विदेशों से खरीदता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से सप्लाई बाधित होने के कारण घरेलू एलपीजी की उपलब्धता पर असर पड़ा। पेट्रोलियम कंपनियों ने घरेलू उपयोग को प्राथमिकता दी, जिससे होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति कम हो गई। सरकार ने गैस की कमी को पूरा करने के लिए वैकल्पिक ईंधनों का इस्तेमाल बढ़ाया। होटल और रेस्तरां को कोयला और बायोमास जलाने की अस्थायी छूट मिली, जबकि घरेलू उपयोग के लिए केरोसिन का अतिरिक्त कोटा जारी किया गया। राज्यों को नियमित कोटे के ऊपर 48,000 किलोलीटर मिट्टी का तेल दिया गया। एलपीजी की कमी की अफवाहों के कारण बुकिंग में उछाल आया। इसे रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सिडी वाले सिलेंडर की अगली बुकिंग अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 45 दिन की गई, जबकि शहरी क्षेत्रों के लिए यह सीमा 25 दिन रखी गई। वर्तमान में देश में एलपीजी की डिलीवरी का औसत समय 2.5 दिन है और घरेलू उत्पादन में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केरोसिन कभी हर घर में उपयोग होता था, लेकिन 2013-14 से 2022-23 के बीच इसके उपयोग में सालाना 26 प्रतिशत गिरावट आई।

बिजली, सोलर पैनल, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और स्वच्छ ऊर्जा नीति इसके मुख्य कारण रहे। दिल्ली 2014 में केरोसिन-मुक्त शहर घोषित हुआ। मार्च 2026 में केरोसिन की कीमतें 46-90 रुपये प्रति लीटर रही, औद्योगिक ग्रेड की कीमत प्रायः अधिक है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 12 पैसे टूटकर 92.37 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया अपने दिन के रिकॉर्ड निचले स्तर 92.36 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के कोई संकेत न दिखने के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत रुख, विदेशी निवेशकों द्वारा भारी बिकवाली और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुझान ने रुपये पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.33 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने दिन के रिकॉर्ड निचले स्तर 92.36 पर पहुंच गई जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.36 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया था। सत्र के अंत में 24 पैसे टूटकर अपने सबसे निचले स्तर 92.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की बढ़त के साथ 99.77 पर रहा।

वैभव को एशियाई खेलों के लिए मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम से डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि इस साल भारतीय टीम का काफी व्यस्त कार्यक्रम है और उसे अपनी धरती के साथ ही विदेशी मैदानों पर भी काफी क्रिकेट खेलना है। इसी को देखते हुए ये भी हो हो सकता है भारतीय बोर्ड दो टीमें उतारे जिस एक अनुभवी और दूसरी युवा क्रिकेटरों से भरी रहेगी। उसे जून से लेकर अक्टूबर तक लगाता कई टीमों से खेलना है। इसी दौरान उसे जिम्बाब्वे के अलावा नई टीम आयरलैंड से भी खेलना है। वैभव ने पिछले कुछ समय से भारतीय अंडर 19 के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए उन्हें इस साल के अंत में एशियाई खेलों में उतरने का अवसर मिल सकता है।

वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं, जिसके बाद जुलाई में वह सीमित ओवरों के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरान 5 टी20 के साथ ही 3 एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच दो नए दौरे भी जुड़ सकते हैं। इंग्लैंड पहुंचने से पहले भारत डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की छोटी सीरीज खेल सकता है। वहीं श्रीलंका क्रिकेट समुद्री तूफान 'दित्वह' से हुए नुकसान की कमी पूरी करने के लिए भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से पहले तीन टी20 मैच खेलने का अनुरोध कर सकती है।

हॉकी विश्वकप 2026: खिताब जीतने पर भारतीय महिला टीम का ध्यान, सेमीफाइनल में इटली की चुनौती

हैदराबाद (एजेंसी)। एफआईएच हॉकी महिला विश्वकप 2026 के लिए क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम घरेलू दर्शकों के सामने इटली के खिलाफ शुक्रवार को सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के खिताब की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। भारतीय टीम पूल बी में तीन मैचों में सात पॉइंट्स और स्कॉटलैंड पर बेहतर गोल डिफरेंस के साथ शीर्ष पर है। मेजबान टीम ने पूल स्टेज में दो जीत और एक ड्रॉ दर्ज किया।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत उरुग्वे के खिलाफ 4-0 की जबरदस्त जीत के साथ की। अपने दूसरे मैच में, उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 2-2 से करीबी मुकाबला ड्रॉ खेला और फिर वेल्स पर 4-1 की आसान जीत के साथ ग्रुप स्टेज खत्म किया। पूल स्टेज में शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने टूर्नामेंट के नियम के तहत एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपना क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया, जिसके तहत दो क्वालिफाइंग इवेंट्स में चौथे नंबर पर रहने वाली दुनिया की सबसे ऊंची रैंक वाली टीम को वर्ल्ड कप में जगह मिलती है।

क्वालिफायर्स का सैंटियागो लेग पहले खत्म हो गया था, जहां चिली, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड ने तीन डायरेक्ट क्वालिफिकेशन स्पॉट हासिल किए थे। जापान सैंटियागो में चौथे नंबर पर रहा और अभी दुनिया में 15वें नंबर पर है। दुनिया भर नौवें नंबर की टीम मेजबान भारत ने कम से कम यह पक्का कर लिया है कि वे दोनों टूर्नामेंट्स में सबसे ऊंची रैंक वाली चौथी टीम के तौर पर खत्म करेंगे, जिससे विश्व कप के लिए उनका टिकट पक्का हो गया है। अब उसका मकसद अपनी लय बनाए रखते हुए फाइनल में जगह बनाने पर होगा।

फाइनल में भारत का मुकाबला इटली से होगा। इटली पूल ए में चार अंक के साथ दूसरे नंबर पर रहा है, जिसने एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार दर्ज की है, जिससे मेजबान टीम को सेमीफाइनल से पहले थोड़ी साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है। भारत की फॉरवर्ड नवनीत कौर के शानदार फॉर्म को भी आगे बढ़ाना चाहेगा, जो अभी चार गोल के साथ टूर्नामेंट की संयुक्त शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक बनाकर शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं इटली की बात की जाए तो वह फेडेरिका काटर पर निर्भर रहेगा, जो उनकी मुख्य अटैकिंग खिलाड़ी रही हैं और उन्होंने अब तक इस कॉम्पिटिशन में तीन गोल किए हैं। हेड-टू-हेड मुकाबलों की बात करें तो, भारत और इटली 2012 से सात बार एक-दूसरे से भिड़ चुके हैं। भारत ने उनमें से पांच मैच जीते हैं, जबकि इटली ने एक जीत दर्ज की है और एक गेम ड्रॉ रहा है, जिससे मेजबान टीम को सेमीफाइनल से पहले थोड़ी साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है।

सेमीफाइनल से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी विमेंस वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिपाई करना इस ग्रुप के लिए एक जरूरी माइलस्टोन है, और प्लेयर्स ने टूर्नामेंट में अब तक जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके लिए वे बहुत क्रेडिट की हकदार हैं। उन्होंने पूरे

पूल स्टेज में अच्छा डिसिप्लिन, कॉम्पोजर और अटैकिंग इंटेंट दिखाया है।

इटली एक कॉम्पिटिटिव टीम है और उन्होंने इस टूर्नामेंट में दिखाया है कि वे मजबूत टीमों को परेशान कर सकते हैं। हमारे लिए, फोकस अपने प्लान को अच्छी तरह से एग्जिक्यूट करने, अपने स्ट्रक्चर को बनाए रखने और उसी ऊर्जा और विश्वास के साथ खेलते रहने पर होगा।' भारतीय महिला टीम शुक्रवार को शाम सात बजकर 30 मिनट पर सेमीफाइनल में इटली से भिड़ेगी।

आईसीसी ने टी20 विश्वकप विजेताओं पर की इनामों की बारिश, भारतीय टीम को मिले 24 करोड़

-उपविजेता न्यूजीलैंड को मिले 13 करोड़ रुपये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष टी20 विश्वकप 2026 के लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। टूर्नामेंट में कुल 11.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब (1 अरब, 39 करोड़, 4 लाख, 43 हजार) की इनामी राशि दी गयी है। इस बार की इनामी राशि पिछली बार से अधिक है। इसमें विजेता भारतीय टीम को 2.63 मिलियन डॉलर करीब 24.3 करोड़ रुपये जबकि उपविजेता न्यूजीलैंड को 26,39,423 अमेरिकी करीब 13 करोड़ की इनामी राशि मिली है। वहीं सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम को 10,05,577 डॉलर करीब 9 करोड़ रुपये और इंग्लैंड की टीम को 9,74,423 डॉलर करीब 8 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं सुपरआठ की चार टीमों, वेस्टइंडीज को 5,38,269 डॉलर करीब 4 करोड़ 95 लाख रुपये। वहीं पाकिस्तान 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 80 लाख। जिम्बाब्वे को 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 51 लाखा, श्रीलंका को 475,962 डॉलर करीब 4 करोड़ 37 लाख रुपये मिलेंगे।

इस बीच, जो टीमें सुपर 8 स्टेज तक पहुंचीं लेकिन आगे नहीं बढ़ पाईं, जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए शामिल हैं, उनमें से प्रत्येक टीम को 3,09,808 डॉलर दिए जाएंगे। 2 करोड़ 85 लाख रुपये दिये जाएंगे।

शेष प्रतिभागियों में स्कॉटलैंड को 2,78,654 डॉलर करीब 2 करोड़ 56 लाख और आयरलैंड को 2,71,731 डॉलर करीब 2 करोड़ 49 लाख रुपये मिलेंगे। इस बीच, इटली, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड अरब अमीरात और नेपाल को 2,56,154 डॉलर करीब 2 करोड़ 35 लाख रुपये देने की घोषणा की गई है

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले स्टेज में बाहर हो होने वाली कनाडा, नामीबिया और ओमान की टीमों को 2,25,000 डॉलर करीब 2 करोड़ 6 लाख का इनाम लाग लेने के लिए दिया गया है।

पिछले विश्वकप की तरह खेलते तो शायद ही जीत मिलती: सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि समय के साथ ही खेल की रफ्तार भी बदल रही है, ऐसे में आक्रामक अंदाज अपनाना सफल रहा। वहीं अगर अगर भारतीय टीम पिछले टी20 विश्व कप की तरह खेलती तो उसे इसबार शायद ही जीत मिलती। सूर्या का कहना है कि पिछली बार जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के समय भारतीय टीम जीती थी तब हालात अलग थे। वहीं अब अलग हैं।

कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारतीय टीम का खेल बेहद संतुलित और अनुभव पर आधारित माना जाता था। यह रणनीति 2024 तक प्रभावी रही पर दो साल बाद टी20 क्रिकेट की बदलती मांगों के सामने यह थोड़ी धीमी और पारंपरिक लगने लगी। इसी कारण सूर्यकुमार और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बार खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहा। इससे टीम में यह साफ संदेश दिया गया कि अब कोई भी खिलाड़ी निजी उपलब्धियों के पीछे न जाकर टीम की जीत के लिए खेलेगा। इसी कारण जरूरत के अनुसार किसी भी खिलाड़ी को किसी भी क्रम पर उतारा गया। सूर्यकुमार ने कहा, हमें पता था कि 2024 टी20 विश्व कप में जिस तरह का क्रिकेट हमने खेला था, वह आगे काम नहीं करेगा। इसलिए हमने तय किया कि अब व्यक्तिगत रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं देंगे, हमारा ध्यान सिर्फ मैच जीतना होगा। इसी कारण सेमीफाइनल तक हमारे किसी भी खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वालों या सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में नहीं था पर इसके बाद भी हम जीत रहे थे। इस कारण है कि हर खिलाड़ी योगदान दे रहा था। उन्होंने आगे कहा कि इस सोच को टीम में शुरू से ही मजबूत करना जरूरी था।वहीं भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक से भी माना है कि साल 2024 और 2026 की टीमों के बीच अंतर था। उनका मानना है कि 2024 की टीम अनुभव से भरी थी पर उसमें इतनी आक्रामकता नहीं थी। तब रोहित आक्रामक होकर खेलते थे जबकि विराट एक छोर संभाले रहते थे। वहीं अब टीम में कम अनुभव वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनमें आक्रामकता और आत्मविश्वास भरा हुआ है। टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी संतुलन लाते हैं, जबकि अभिषेक शर्मा जैसे युवा खिलाड़ी अपनी अलग शैली के साथ विरोधी टीम पर दबाव बना देते हैं।

शुभमन के लिए टी20 टीम में वापसी संभव नजर नहीं आती : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि बल्लेबाज शुभमन गिल को टी20 टीम में जगह मिलने की कोई संभावना नहीं है। आकाश के अनुसार शुभमन की बल्लेबाज टी20 के अनुरुप नहीं है और ऐसे में उन्हें इसमें कप्तानी मिलने की उम्मीद तो करनी ही नहीं चाहिये। आकाश के अनुसार उनके लिए तो इस सबसे छोटे प्रारुप में जगह बनाना भी मुश्किल है। शुभमन अभी टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान हैं। वह पिछले साल टी20 में वापसी में सफल रहे थे पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के कारण अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये। एशिया कप में उन्हें उपकप्तान बनाया गया था पर वह टीम को आक्रामक शुरुआत नहीं दे पाये। वह वापसी के बाद 15 मैचों में एक बार भी पचास रन नहीं बना पाये। इसी कारण उन्हें टी20 विश्वकप के लिए जगह नहीं मिली थी। शुभमन ने भारतीय टीम की ओर से 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 869 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका औसत 28.03 और स्ट्राइक रेट 138.59 का रहा। आकाश ने कहा,शुभमन के लिए वापसी बेहद कठिन है। भारतीय टीम की बड़ी सोच थी कि तीनों प्रारुपों का एक कप्तान होना चाहिए ताकि आसानी हो पर ये संभव नहीं दिखता। वह टेस्ट और एकदिवसीय के कप्तान हैं लेकिन टी20 की कप्तानी नहीं मिल सकती। इस समय तो भारत की टी20 टीम में जगह मिलना भी कठिन है। अभी भारतीय टीम जिस अंदाज में खेल रही है। उसको देखते हुए बड़े स्कोर के लिए आक्रामक बल्लेबाजों की जरुरत होती है। ऐसे में उन्हें इस प्रारुप के प्रयास में एकदिवसीय की लय नहीं खोनी चाहिये। वहीं टीम से बाहर किए जाने के बाद शुभमन ने कहा था कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी अवसर मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा टी20 विश्वकप का अगला सत्र

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप का 11 वां सत्र अब साल 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में संयुक्त रुप से खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 21 अक्टूबर से 19 नवंबर, 2028 के बीच होगा। इस प्रकार साल 2022 के बाद ऑस्ट्रेलिया को दूसरी बार इस वैश्विक इवेंट की मेजबानी का अवसर मिलेगा। वहीं न्यूजीलैंड में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा। टूर्नामेंट के आयोजन की जिम्मेदारी डेम थेरेसी वॉल्श के पास है। वाल्श के अनुसार ये मुकाबले ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी), सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी), एडिलेड ओवल और पर्थ का ऑप्टस स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं न्यूजीलैंड में ऑकलैंड के ईडन पार्क, वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम और क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होंगे। .इसमें 20 टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में भी आईसीसी का साल 2024 का ही प्रारुप लागू रहेगा। इस टूर्नामेंट के लिए 12 टीमों को स्थान मिल गया है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को मेजबान होने के कारण पहले ही जगह मिल गयी है। वहीं इस साल की विजेता भारतीय टीम के अलावा, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे. को भी इसमें रैंकिंग के आधार पर जगह मिली है। इसके अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश और आयरलैंड को भी शामिल किय गया हैं। वहीं बचे 8 स्थानों के लिए रीजनल क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट इस साल के बीच में शुरू होंगे। अमेरिका और यूरोप में उप-रीजनल क्वालीफायर आयोजित किए जाएंगे, जिससे एसोसिएट देशों को भी 20 टीमों में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग की जोड़ी स्विस ओपन से हटी

बासेल। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय पुरुष जोड़ी ने शुक्रवार को स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इस सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अंतिम आठ युगल मुकाबलों में रंकीरेड्डी और शेट्टी का मुकाबला डेनमार्क के क्रिश्चियन फॉस्ट कजेर और रासमस कजेर से होना था। बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश से सुर्खियां बटोरने वाले अमलापुरम के 25 वर्षीय रंकीरेड्डी अपने दाहिने कंधे की समस्या से जूझते रहे हैं। रंकीरेड्डी ने 2023 में बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जिसकी गति 565 किलोमीटर प्रति घंटा थी। भारतीय टीम के मलेशिया मूल के कोच टैन किम हर ने 'पीटीआई' को बताया, 'यह पुरानी चोट है। उम्मीद है कि वह जल्दी ठीक हो जाएंगे। इसमें कम से कम एक सप्ताह लगेगा।' समझा जा रहा है कि यह चोट नयी नहीं है और शीर्ष स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों में आम है। भारतीय जोड़ी ने बृहस्पतिवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान के हिरोकी ओकामूरा और क्योहेई यामाशिता के खिलाफ 74 मिनट के कड़े मुकाबले में 21-15, 15-21, 28-26 से जीत हासिल की। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग अब सात से 12 अप्रैल तक होने वाली बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। भारतीय जोड़ी ने 2023 में खिताब जीता था।

धोनी का निचले क्रम पर उतरना सहित नहीं : पुजारा

चेन्नई। बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भले ही 44 साल के हो गये हैं पर इसके बाद भी उनके खेलने से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लाभ ही होगा। पुजारा के अनुसार धोनी अगर 20 से 30 गेंदों का भी सामन करते हैं तो भी वह मैच बदल सकते हैं। गौरतलब है कि बढ़ती उम्र और फिटनेस की दिक्कतों के कारण धोनी पिछले कुछ समय से निचले क्रम पर ही उतर रहे हैं पर पुजारा का मानना है कि ये सही नहीं है। उनका कहना है कि धोनी का निचले क्रम पर खेलने का फैसला सही नहीं है। वह ऊपरी क्रम पर टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। पुजारा ने कहा, 'मुझे धोनी के नंबर 8 या 9 पर बल्लेबाजी करना सही नहीं दिखता क्योंकि आज भी उनकी बल्लेबाजी ऐसी है कि वह मैच का रुख मोड़ सकते हैं। निचले क्रम पर अगर वह सिर्फ 5 या 10 गेंद खेलकर ही प्रभावित कर सकते हैं तो 25 या 30 गेंदें खेलने पर तो तूफान ही मचा देंगे।.' पुजारा का मानना है कि धोनी जिस प्रकार के हिटर हैं उसको देखते हुए उन्हें ऊपरी क्रम पर भेजा जाना चाहिये। पुजारा ने कहा कि सीएसके के ड्रेसिंग रूम का माहौर काफी अच्छा रहता है। इसी कारण टीम और खिलाड़ी एक दूसरे के प्रति समर्पित रहते हैं। खिलाड़ियों को मालूम होता है कि उनसे टीम किस प्रकार की उम्मीदें करती है। इसी कारण सीएसके में रहने वाला हमेशा उसके साथ बना रहता है। वहीं टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन के अनुसार हमेशा ही आईपीएल से पहले धोनी की फिटनेस और उनके हर मैच खेलने को लेकर भी अटकलें रहती हैं पर ये तय है कि वह अंतिम ग्यारह में बने रहेंगे।

कार्लोस अल्काराज लगातार पांचवीं बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपनी जीत का सिलसिला 16 मैचों तक बढ़ाया और गुरुवार को बीएनपी परीबा ओपन में लगातार पांचवें इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में पहुंचे। टॉप सीड खिलाड़ी ने कैमरन नॉरी के खिलाफ 6-3, 6-4 से जीत हासिल की, जिससे उन्होंने ब्रिटेन के खिलाड़ी से बदला ले लिया, जिसने उन्हें पिछले नवंबर में पेरिस में हराया था।

अल्काराज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में नॉरी के बारे में कहा, 'मुझे उनके स्टाइल से बहुत दिक्कत होती है। हर बार जब मैं उनके खिलाफ खेलता हूं तो यह मेरे लिए हमेशा बहुत मुश्किल होता है। उनके स्टाइल, उनके (हैवी) टॉपस्पिन फोरहैंड, सुपर हाई के साथ यह थोड़ा कन्फ्यूजिंग है। और फिर बैकहैंड, बहुत फ्लैट और बहुत लो। कभी-कभी उनके खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। मुझे सही शॉट मिल रहा है। मैंने अच्छा खेला। मैंने सॉलिड खेला। जब भी हो

सका, मैंने एग्रेसिव खेला। मैं इस लेवल पर खेलकर खुश हूं।'

अल्काराज और नॉरी ने पूरे मैच में मोमेंटम बदला, लेकिन स्पेन के खिलाड़ी ने ज़्यादातर अपना पलड़ा भारी रखा। पहला सेट आखिरी चार गेम में तीन बार सर्व ब्रेक के साथ खत्म हुआ। इसके बाद नॉरी ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, जिसके बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम जीतकर जवाब दिया। 22 साल के खिलाड़ी ने 10 ब्रेक के मौके बनाए, जिनमें से चार को भुनाया। तेज बेसलाइन हिटिंग, हल्के ड्रॉप शॉट और शानदार नेट प्ले का मिक्स दिखाते हुए, दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी ने एक घंटे 33 मिनट में जीत हासिल की।

अल्काराज ने कहा, 'टेनिस लगभग आधे सेकंड में सही शॉट चुनने के बारे में है,' जिन्होंने 19 फोरहैंड विनर के साथ गेम खत्म किया। 'कभी-कभी मैं शॉट मिस कर देता हूँ क्योंकि मैंने सही वाला नहीं चुना होता। मेरे दिमाग में, मेरे पास सात, पाँच ऑप्शन होते हैं, कभी-कभी मेरे लिए सही वाला चुनना मुश्किल होता है।'

अपनी जीत के साथ, अल्काराज लगातार पांच इंडियन वेल्स सेमीफ़ाइनल में पहुंचने वाले तीसरे व्यक्ति बन गए, उनके हमवतन राफेल नडाल (2006-13) और विरोधी नोवाक जोकोविच (2011-16) ही उनसे आगे हैं। अल्काराज हेड2हेड सीरीज में नॉरी से 6-3 से आगे हैं। 26 बार के टूर-लेवल टाइटलिस्ट सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव के खिलाफ अपने 6-2 के रिकॉर्ड को बेहतर करना चाहेंगे। अल्काराज ने मेदवेदेव के साथ अपने पिछले चार मुकाबले जीते हैं। अल्काराज ने 2023 और 2024 में इंडियन वेल्स का खिताब जीता, दोनों फाइनल में मेदवेदेव को हराया।

सैमसन के होने से राजस्थान के खिलाफ पहले ही मुकाबले में भारी पड़ेगी सीएसके : इरफान पठान

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान के अनुसार आईपीएल में इस बार बल्लेबाज संजू सैमसन के आने का लाभ चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को मिलेगा। आईपीएल नीलामी के पहले ही ट्रेड डील के तहतर ही सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से सैमसन को हासिल कर लिया था। पठान के अनुसार जिस प्रकार का जबरदस्त प्रदर्शन विश्वकप में सैमसन ने किया है। उससे वह काफी अच्छे फार्म में हैं। ऐसे में उनके होने भर से राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ होने वाले शुरुआती मैच में सीएसके की टीम के पास जीत के अधिक अवसर रहेंगे। पठान के अनुसार, सैमसन लंबे समय तक रॉयल्स में शामिल रहे हैं। ऐसे में उन्हें टीम की रणनीति के अलावा, खिलाड़ियों के खेलने के तरीके का भी अंदाजा है। इसका लाभ भी सीएसके को मिलेगा। सीएसके ने सैमसन को लगभग 18 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वहीं इसके बदले में सैम कुरम और अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स की टीम में चले गए। पठान के अनुसार सैमसन के होने से टीम को रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि सैमसन लंबे समय तक राजस्थान में रहे है और जानते हैं कि टीम केपावरप्ले में किस प्रकार खेलती है, बीच के ओवरों में उनकी रणनीति क्या होती है और गेंदबाजी संयोजन कैसे काम करता है।सीएसके अपना पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में खेलेगी। संजू सैमसन एक दशक से भी अधिक समय तक राजस्थान रॉयल्स का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2013 में टीम के साथ अपना सफर शुरू किया और जल्द ही टीम के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल हो गए। बाद में उन्हें टीम की कप्तानी भी सौंपी गई। आईपीएल में सैमसन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 150 से ज्यादा पारियां खेलते हुए 4,000 से अधिक रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और कई अर्धशतक दर्ज हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 140 से अधिक रहा है। ऐसे में वह लीग के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक हैं।

आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के सहायक कोच की भूमिका में नजर आयेंगे दहिया

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज विजय दहिया को अपना नया सहायक कोच बनाया है। दहिया कोच के तौर पर काफी सफल रहे हैं। वह दो बार की खिताब विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) में भी सहायक कोच रहे है। इसके अलावा उनके कोच रहते ही दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी खिताब भी जीता था। अब देखना है कि गुजरात को दहिया से कितना लाभ मिलता है। इससे पहले टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को बल्लेबाजी कोच नियुक्त था। ऐसे में दहिया को उनके साथ मिलकर टीम की बल्लेबाजी को निखारना होगा। गुजरात टाइटंस को उम्मीद है कि दाहिया के होने से टीम का कोचिंग स्टाफ और बेहतर तरीके से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर पायेगा। दहिया ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के साथ ही दो टेस्ट मैच भारतीय टीम की ओर से खेले हैं। खेल से संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर घरेलू क्रिकेट में दिल्ली के साथ जुड़े रहे हैं। दहिया के कोच रहते ही साल 2007-08 सत्र में दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी खिताब जीता और उसके बाद से वह कई अन्य घरेलू और आईपीएल टीम के भी कोच रहे हैं। गुजरात की टीम आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम में से एक हैं। वह अपने शुरुआती चार सत्र में से तीन में प्ले ऑफ में पहुंची और उसने एक बार खिताब भी जीता है।

मैं सिर्फ टाइमिंग पर ध्यान देती हूं, मेडल्स पर नहीं : पैरालंपिक प्रीति पाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रीति पाल, जो पैरालंपिक खेलों में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं, ने अपनी सफलता का राज बताया है। उनका कहना है कि वह सिर्फ अपनी टाइमिंग बेहतर करने पर ध्यान देती हैं और मेडल जीतने के बारे में सोचकर खुद पर दबाव नहीं डालतीं।

प्रीति ने 2024 पेरिस पैरालंपिक्स में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे - एक महिलाओं की 100मी रेस में और दूसरा 200मी टी35 रेस इवेंट में। बुधवार को चल रहे वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में महिलाओं की 100मी टी35/टी37 रेस में गोल्ड मेडल जीतने के बाद यूनीवार्ता से बात करते हुए प्रीति ने कहा, 'यह वह मुकाबला है जहां हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता है। यहां बात मेडल की नहीं, बल्कि टाइमिंग की होती है। यहां मुकाबला करने आए सभी एथलीटों ने अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश की है। मुझे तो यह भी लगता है कि मैं ठीक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाई जैसा मैं ट्रेनिंग के दौरान कर रही थी।'

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 11 से 13 मार्च तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जा रहा है जिसमें 8 देशों के एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। प्रीति ने रेस में गोल्ड मेडल जीतने के लिए 14.46 सेकंड का समय लिया। रूस की मार्गरीटा माताएवा 16.25 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि करीना माचुलस्काया ने 17.38 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

एक पैरा एथलीट के तौर पर उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उन पर बात करते हुए इस स्प्रिंटर ने कहा कि चोटें एथलीटों के लिए सबसे बड़ी रुकावटों में से एक बनी रहती हैं, खासकर तेज रफ्तार वाले स्पीड सेशंस के दौरान। 'कई दिक्कतें आई हैं, खासकर चोटें। चोटें तो हर एथलीट को लगती हैं। जब हम स्पीड सेशंस शुरू करते हैं, तो चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। रिकवरी बहुत जरूरी हो जाती है। हमारे कोच हमें आइस बाथ (बर्फ के पानी में नहाना) दिलवाकर रिकवरी में मदद करते हैं, जिससे बहुत फ़ायदा होता है।'

उन्होंने यह भी जोड़ा कि चोट-मुक्त रहने से एथलीट ट्रेनिंग, खान-पान और आराम पर बेहतर तरीके से ध्यान दे पाते हैं। मुकाबले की अपनी तैयारियों के बारे में प्रीति ने बताया कि पिछले एक महीने से ट्रेनिंग के दौरान वह अपनी अब तक की सबसे अच्छी टाइमिंग हासिल कर रही थीं। 25 साल की इस एथलीट ने खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए नेशनल ट्रेनिंग ग्रुप को श्रेय दिया।

प्रीति ने कहा, 'हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही है। नेशनल टीम में हम एक ग्रुप के तौर पर ट्रेनिंग करते हैं और एक-दूसरे से सीखते हैं। हमारे साथ सिमरन शर्मा जैसी एथलीट हैं, जो अर्जुन अवॉर्डविजेता और पैरालंपिक मेडलिस्ट हैं, और चिराग बरेठा हैं, जो पहले दुनिया में नंबर एक रैंक

पर थे। साथ में प्रैक्टिस करने से हम सभी को बेहतर बनने में मदद मिलती है।' आगे की ओर देखते हुए इस पैरा स्प्रिंटर ने कहा कि वह आने वाले इवेंट में और भी दमदार प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

200मी का इवेंट तीसरे दिन है और मैं उसमें अच्छा करने की पूरी कोशिश करूंगी। मैं कोई बहाना नहीं बनाना चाहती, मैं बस अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना चाहती हूं।' यूपी की रहने वाली इस एथलीट का मानना है कि असली मुकाबला खुद से ही होता है और अपने ही पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ना ही उनका मुख्य लक्ष्य है।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्स्पजिलस नाइजर, एर्स्पजिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियाँ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियाँ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉ

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी.
सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव
फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।
उर्वरक
प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर
पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।
सिंचाई एवं जल निकास
लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,

हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।

मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया

लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियॉ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।

बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।

एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

अब मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं

रियलिटी शो रियलिटी शो 'द 50' से बाहर होने के बाद अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने इंटरव्यू में बड़ा बयान दिया। उन्होंने खुलकर बताया कि शो का अनुभव उनके लिए कैसा रहा और अब वह अपने करियर को किस दिशा में आगे बढ़ाना चाहती हैं। दिव्या अग्रवाल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''मुझे इस बात की खुशी है कि मैं अब इस शो से बाहर आ चुकी हूं। यह शो काफी हद तक मेल डॉमिनेटेड था और इसमें बहुत ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी शामिल थी। शो में हर कोई खुद को नोटिस करवाने की कोशिश कर रहा था। इसी वजह से कई बार कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के बारे में अजीब और अनचाही बातें भी कह देते थे। यह माहौल कई बार असहज कर देने वाला होता था।'' दिव्या ने आगे कहा, ''मैंने यह शो अपने फैंस की वजह से किया था। लंबे समय से मेरे फैंस मुझसे कह रहे थे कि मुझे एक और रियलिटी शो में हिस्सा लेना चाहिए। इसी वजह से मैंने 'द 50' में हिस्सा लेने का फैसला किया था।''

उन्होंने कहा, 'अब मैं किसी भी तरह का रियलिटी शो नहीं करूंगी। मेरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अभिनय पर रहेगा। मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं।'' दिव्या अग्रवाल के करियर की बात करें तो उन्होंने मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान एक रियलिटी शो कंटेस्टेंट के तौर पर बनाई। साल 2017 में उन्होंने 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 10' में हिस्सा लिया था। इस शो में वह अभिनेता प्रियांक शर्मा के साथ रनर-अप रहीं और यहीं से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कई रियलिटी शोज और टीवी प्रोजेक्ट्स में काम किया और धीरे-धीरे दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती चली गई। 2018 में दिव्या ने 'एमटीवी ऐस ऑफ स्पेस' में हिस्सा लिया और इस शो की विजेता बनीं। इस जीत ने उन्हें टीवी इंडस्ट्री में और मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया और हॉरर वेब सीरीज 'रागिनी एमएमएस: रिटर्न्स' के दूसरे सीजन में नजर आईं। उनके करियर में बड़ा मोड़ तब आया वह 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 1' की विजेता बनीं। इस जीत के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ और उन्हें कई वेब सीरीज, म्यूजिक वीडियो और अन्य प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिलने लगे।

टीवी के बाद अब ओटीटी पर जादू बिखेरेंगी रूप दुर्गापाल

'स्वरागिनी,' 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी,' और 'बालवीर' जैसे कई धारावाहिकों में काम कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'संकल्प' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी।' अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, 'जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।' उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, 'साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था।'

उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली अभिनेत्री रूप ने सिल्वर स्क्रीन पर परफॉर्म करने के अलावा, थिएटर में भी काम किया, जो उनके लिए नया था। उन्होंने थिएटर को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया, 'बिना कट, रीटेक के, महीनों रिहर्सल करके स्टेज पर परफॉर्म करना काफी अजीब था, लेकिन जिंदगी की अनिश्चितता ने मुझे हिम्मत दी। स्टेज पर खड़े होकर बिना किसी डर के परफॉर्म करना शानदार अनुभव था। इसी हिम्मत ने मुझे टीवी से आगे बढ़कर वेब सीरीज में आने की ताकत दी।' अभिनेत्री का मानना है कि हर किसी का सफर अलग होता है और सब कुछ अपने सही समय पर ही होता है। उन्होंने कहा, 'शायद मेरा सफर ऐसा ही होना था। सालों की संख्या मायने नहीं रखती। मैं बहुत खुश हूं कि यह सब अपने आप हुआ।' सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। रूप ने निर्देशक की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'प्रकाश सर के साथ काम करना किसी बड़े संस्थान में पढ़ाई करने जैसा था। साथ ही काम में मजा भी आता था और यादगार पल भी बनते थे।'

फिल्मों में मिलने वाली फीस सिर्फ जेंडर पर निर्भर नहीं होती

बॉलीवुड में अक्सर यह चर्चा होती रहती है कि एक्टर्स और एक्ट्रेसेस की फीस में काफी फर्क होता है। इसी मुद्दे पर अब अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी राय रखी है। हाल ही में यूट्यूब में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान सैफ ने कहा कि फिल्मों में मिलने वाली फीस सिर्फ जेंडर पर निर्भर नहीं होती। उनके मुताबिक किसी कलाकार को कितना पैसा मिलेगा, यह काफी हद तक उसकी स्टार पावर और बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को थिएटर तक लाने की क्षमता पर निर्भर करता है। सैफ का कहना है कि अगर दो कलाकार एक जैसी स्टार वैल्यू रखते हैं, तो उन्हें बराबर पैसा मिलना चाहिए। लेकिन फिल्म इंडस्ट्री का अपना एक आर्थिक गणित भी होता है। जो कलाकार ज्यादा दर्शक खींचता है, उसकी फीस भी उसी हिसाब से तय होती है।

इंडस्ट्री में चीजें बेहतर हो रही हैं

उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए किसी को ज्यादा या कम पैसे नहीं मिलने चाहिए कि वह मेल है या फीमेल। असल में इंडस्ट्री में यह तय होता है कि कौन स्टार बॉक्स ऑफिस पर कितना असर डाल रहा है। सैफ के मुताबिक धीरे-धीरे इंडस्ट्री में चीजें बेहतर हो रही हैं और अब पे-पैरिटी पर पहले से ज्यादा खुलकर बात हो रही है। सैफ अली खान दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के बेटे हैं। उनकी शादी अभिनेत्री करीना कपूर से हुई है।

वर्कफ्रंट

सैफ जल्द ही नेटफ्लिक्स की पीरियड ड्रामा फिल्म 'हम हिंदुस्तानी' में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत के पहले लोकतांत्रिक चुनाव के पीछे की कहानी को दिखाती है। इस फिल्म में प्रतीक गांधी भी अहम भूमिका में हैं और इसका निर्देशन राहुल ढोलकिया ने किया है। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट अभी घोषित नहीं की गई है। इसके अलावा सैफ के पास प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' भी पाइपलाइन में है, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार भी नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन इसकी रिलीज डेट का अभी इंतजार है। पिछले साल सैफ नेटफ्लिक्स की फिल्म 'ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स' में दिखाई दिए थे।

करीना कपूर ने फिल्मों में खून-खराबे के ट्रेंड पर जाहिर की चिंता

करीना कपूर खान ने हाल ही में फिल्मों में बढ़ती हिंसा और खून-खराबे के ट्रेंड पर अपनी चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि आजकल की कई फिल्मों में पहले जैसी मस्ती, रंग, गाने और रोमांस की कमी महसूस होती है। हाल ही में द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा कि मौजूदा समय में कई फिल्में ज्यादा 'क्राइम और खून' पर ज्यादा फोकस करती हैं। उनके मुताबिक, इस तरह की फिल्मों में पहले जैसा मनोरंजन, एनर्जी, रंग और रोमांस देखने को कम मिलता है, जो कभी बॉलीवुड की पहचान हुआ करता था। करीना ने यह भी माना कि सिनेमा में बढ़ती 'हाइपर-मस्कुलिनिटी' यानी अत्यधिक मर्दानगी दिखाने का चलन उन्हें थोड़ा डराता है। उनका मानना है कि फिल्में सिर्फ एक्शन और हिंसा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें प्यार, म्यूजिक और भावनाएं भी उतनी ही जरूरी हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

शानदार अभिनेता हैं नाना पाटेकर, अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं

अभिनेत्री कुब्रा सैत, जो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म संकल्प को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उनके साथ नाना पाटेकर हैं। फिल्म संकल्प का निर्देशन प्रकाश झा कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच क्रुब्रा सैत ने नाना पाटेकर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। क्रुबा ने कहा कि उन्होंने नाना पाटेकर से अभिनय की बारीकियां सीखीं हैं, साथ ही उन्हें काम के प्रति समर्पण भी सीखने को मिला। नाना पाटेकर की तारीफ करते हुए कुब्रा सैत ने कहा, नाना पाटेकर शानदार अभिनेता हैं। वह अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। वह हर सीन को बहुत गंभीरता से लेते हैं और उसकी तैयारी भी उतनी ही मेहनत से करते हैं। वह अक्सर अगले दिन के सीन्स की कहानी खुद अपने हाथों से लिखते हैं और फिर उसकी हर लाइन को याद भी करते हैं। कुब्रा ने कहा, नाना पाटेकर की लिखने की शैली बहुत प्रभावशाली है और काम करने का तरीका भी बेहद अलग है। सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए किसी सीखने वाली क्लास की तरह है। सेट के बारे में बताते हुए कुब्रा ने कहा, संकल्प के सेट पर कलाकारों के बीच काफी सहयोग भरा माहौल था, जहां हर कोई एक-दूसरे से कुछ नया सीख रहा था। नाना पाटेकर जैसे कलाकार नई पीढ़ी के अभिनेताओं के लिए एक प्रेरणा हैं और उनके साथ काम करना किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

अपनी पर्सनल लाइफ के मुद्दे मैं खुद संभाल लूंगा

एक्टर और राजनेता थलापति विजय इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वजह है उनकी पर्सनल जिंदगी। विजय की पत्नी ने संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए अर्जी डाली है। उन्होंने विजय के एक अभिनेत्री से अफेयर की बात कही है। इसके बाद विजय का नाम एक्ट्रेस तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। इस बीच हाल ही में विजय तृषा के साथ एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। वहीं विजय की फिल्म 'जन नायकन' को लेकर भी विवाद अभी तक थमा नहीं है। इस बीच अब विजय ने अपने आसपास की हाल ही की समस्याओं पर बात की है।

अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने थलापति विजय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। यह वीडियो चेन्नई में उनकी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' (टीवीके) के महिला दिवस कार्यक्रम का है। इस कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए विजय ने अपनी हालिया समस्याओं को लेकर बात की। वीडियो में विजय अपने प्रशंसकों से अपील करते हुए दिख रहे हैं कि वे उनकी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त न हों। उन्होंने कहा, 'कृपया मेरे आसपास की हाल की समस्याओं के बारे में चिंता न करें। ये मुद्दे आपके समय के लायक नहीं हैं। मैं इन्हें खुद संभाल लूंगा। मुझे सबसे ज्यादा दुख तब होता है, जब आप मेरी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त होते हैं। कृपया मेरे लिए यह बोझ न उठाएं। इसके बजाय, लोगों के कल्याण पर ध्यान दें।'

पत्नी ने दायर की विजय से तलाक की याचिका

विजय की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई हैं, जब उनका निजी जीवन ऑनलाइन और मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ समय पहले ही उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए याचिका दायर की थी। विजय और संगीता का विवाह अगस्त 1999 में हुआ था और उनके दो बच्चे हैं - जेसन संजय और दिव्या शशा। पत्नी ने याचिका में आरोप लगाया गया है कि विजय का एक महिला अभिनेत्री के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। याचिका के अनुसार, संगीता को इस कथित संबंध के बारे में 2021 में पता चला। संगीता ने बाद में निवास सुरक्षा और आर्थिक सहायता के लिए एक और याचिका दायर की।

तृषा के साथ कार्यक्रम में पहुंचे विजय

पत्नी के आरोपों के बाद विजय का नाम तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। तृषा और विजय का नाम इससे पहले भी जोड़ा गया था। हालांकि, बाद में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया, लेकिन तृषा ने अभी तक शादी नहीं की है। ऐसे में जब पत्नी ने ये आरोप लगाए, तो सोशल मीडिया पर एक बार फिर तृषा का नाम विजय के साथ जोड़ा जाने लगा। इन आरोपों के बीच विजय तृषा के साथ फिल्म निर्माता कलपथी सुरेश और मीनाक्षी के बेटे के विवाह समारोह में पहुंचे। विजय और तृषा एक ही कार में समारोह में पहुंचे और साथ ही वहां से जाते हुए भी देखे गए। इसके बाद संगीता ने एक नई याचिका भी दायर की है।

इजराइल में हैं यूपी के 6004 श्रमिक, सभी के सुरक्षित होने का दावा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा है कि इजराइल में कार्यरत राज्य के निर्माण श्रमिकों की कुशलक्षेम पर लगातार नजर रखी जा रही है और वर्तमान में किसी प्रकार की चिंता की स्थिति नहीं है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एमके शनुगा सुन्दरम् ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कुल 6004 निर्माण श्रमिक इजराइल में विभिन्न निर्माण कंपनियों में कार्यरत हैं। इन श्रमिकों का चयन राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और इजराइल की सरकारी संस्था पीबा (पापुलेशन, इमीग्रेशन एंड बार्डर अथारिटी) के माध्यम से किया गया था और वर्ष 2024 के दौरान उन्हें इजराइल भेजा गया था। उन्होंने बताया कि ये सभी श्रमिक इजराइल की अलग-अलग निर्माण परियोजनाओं में नियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार उनके कुशलक्षेम पर लगातार निगरानी बनाए हुए है और इस संबंध में भारत सरकार तथा भारतीय दूतावास से निरंतर संपर्क रखा जा रहा है। इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने भी राज्य सरकार को अवगत कराया है कि स्थिति नियंत्रण में है और दूतावास लगातार श्रमिकों के संपर्क में है। फिलहाल किसी श्रमिक ने भारत लौटने को लेकर चिंता व्यक्त नहीं की है। दूतावास ने आपात स्थिति के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन और ईमेल सुविधा भी जारी की है, जिसके माध्यम से भारतीय नागरिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

ड्रोन से गिराया गया संदिग्ध पैकेट, इलाके में हड़कंप

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू के आर.एस. पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को एक संदिग्ध खेप बरामद हुई है। गुरुवार को देर रात लगभग 11:00 बजे, आर.एस. पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास बीएसएफ द्वारा एक संदिग्ध पैकेट बरामद की गई है। माना जा रहा है कि खेप को एक पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराया गया था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह खेप सीमावर्ती इलाके में एक लिपटे हुए पैकेट के रूप में मिली, इसका वजन करीब 1500 ग्राम था। सूचना मिलते ही, बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और इलाके को सुरक्षित किया। बरामद किए गए पैकेट को अभी तक खोला नहीं गया है। बताया जा रहा हैं कि पैकेट को केवल मेटल डिटेक्टर से उचित जांच के बाद ही खोला जाएगा, ताकि इसके अंदर किसी भी विस्फोटक सामग्री की संभावना को पूरी तरह से खत्म हो सके। बरामद की गई खेप की आगे की जांच और तकनीकी परीक्षण जारी है। गौरतलब है कि बदादुरपुर गांव के बाहरी इलाके में खेतों से एक जॉइंट ऑपरेशन में 12 करोड़ कीमत के हाई ग्रेड नारकोटिक्स (संदिग्ध ड्रोन ड्रॉपिंग) की भारी मात्रा बरामद की गई। यह इलाका भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर से बस कुछ किलोमीटर दूर है।

13 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए नए पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट ला रहा व्हाट्सएप

नई दिल्ली (एजेंसी)। व्हाट्सएप ने बड़ा ऐलान किया है कि 13 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए नए पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट नाम की शुरुआत कर रहा है। यह सिर्फ कॉलिंग और मैसेजिंग तक सिमट कर रह जाएंगे। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट की मदद से माता-पिता अपने बच्चों की कम्युनिकेशन गतिविधियों को कंट्रोल कर सकते है। कंपनी ने बताया है कि आने वाले दिनों में इस रोलआउट करेगी। हालांकि किसी टाइम लाइन का जिक्र नहीं किया है। नए पेरेंट कंट्रोल के तहत माता-पिता ये तय कर सकते हैं कि उनका बच्चा किन लोगों से बातचीत कर सकता है और किन लोगों से नहीं। व्हाट्सएप के पेरेंट्स मैनेज्ड अकाउंट के तहत छोटे बच्चों को मेटा एआई, जैसे फीचर्स का एक्सेस नहीं मिलेगा। साथ ही कंपनी इन अकाउंट्स से मिलने वाले डेटा का यूज विज्ञापन के लिए नहीं करेगी। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट को सक्रिय करने के लिए माता-पिता को अपने और अपने बच्चे का डिवाइस एक साथ रखना होगा। इसके बाद क्रिक रिस्पोंस कोड के जरिए दोनों हैंडसेट को लिंक करना होगा। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट के तहत यूजर्स को सख्त डिफॉल्ट सेटिंग्स, पेरेंट कंट्रोल को और बेहतर किया गया है। कंपनी ने बताया है कि 13 साल से कम उम्र वाले यूजर्स के लिए ये अकाउंट खासतौर से बनाए गए हैं। पैरेंट्स अनजान लोगों से आने वाले मैसेज रिक्वेस्ट का भी रिव्यू कर सकते हैं। व्हाट्सएप ने बताया है कि इन सेटिंग्स को सिर्फ पेरेंट्स ही बदल सकते हैं। जिसके लिए पहले पिन नंबर से वेरिफाई करना होगा।

आगरा में युवती ने वीडियो वायरल कर दी जान, आरोपी पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा से खाकी को शर्मसार करने वाला एक बेहद दुखद और गंभीर मामला सामने आया है। ताजगंज थाना क्षेत्र में एक युवती ने कथित तौर पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मौत को गले लगाने से पहले युवती ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया, जिसमें उसने अपनी आपबीती बताते हुए एक पुलिस कांस्टेबल पर गंभीर आरोप लगाए। इस घटना के बाद स्थानीय पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और न्याय प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पीड़िता आगरा के ताजगंज थाने में ही तैनात कांस्टेबल जेबी गौतम के साथ पिछले काफी समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। युवती का आरोप था कि सिपाही ने उसे शादी का झांसा दिया और लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। दोनों के बीच रिश्ते की शुरुआत भरोसे के साथ हुई थी, लेकिन वक्त के साथ यह भरोसा उत्पीड़न और धोखे में बदल गया। युवती ने अपने अंतिम वीडियो में स्पष्ट रूप से कहा कि कांस्टेबल ने उसे चार साल तक पत्नी की तरह साथ रखा, लेकिन जब शादी की बात आई, तो उसने अपने परिवार का बहाना बनाकर हाथ पीछे खींच लिए। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में युवती का दर्द साफ छलक रहा था। उसने रोते हुए कहा, जेबी गौतम ने मुझे चार साल बीवी बनाकर रखा और अब छोड़ दिया। जब भी शादी के लिए कहती हूं, तो वह कहता है कि परिवार नहीं मानेगा। युवती ने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए यह भी कहा कि क्या वह पुलिसवाला है, इसलिए उस पर कोई कार्रवाई नहीं होगी? उसने वीडियो में आरोपी कांस्टेबल और उसके परिवार को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए मांग की कि उसे जीते जी न्याय नहीं मिला, लेकिन मरने के बाद जरूर मिलना चाहिए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। परिजनों की तहरीर और वायरल वीडियो को आधार मानकर आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया।

दो दशक पुराने वामपंथ को हराकर सीएम बनी ममता... क्या 2026 में दोहरा पाएंगी 2021 की सफलता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक परिदृश्य 2016 के विधानसभा चुनावों से लेकर 2021 और 2026 के चुनावों की तैयारी तक काफी बदल चुका है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रभुत्व वाली 294 सीटों वाली विधानसभा में वाम-कांग्रेस गठबंधन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बढ़ती लोकप्रियता और टीएमसी के सुदृढ़ीकरण के बीच उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा हैं, जो क्षेत्रीय गतिशीलता, जनसांख्यिकी और मतदाता सूची में बदलाव से प्रभावित हैं।

2016 में टीएमसी ने 2011 की वाम-विरोधी लहर को और मजबूत कर 211 सीटों के साथ भारी बहुमत हासिल किया। वाम मोर्चा-कांग्रेस गठबंधन को केवल 32 सीटें मिलीं (गठबंधन के हिसाब से सीपीएम को 26 और कांग्रेस को 0), जिनमें कोलकाता, मुर्शिदाबाद और घाटाल जैसे औद्योगिक क्षेत्रों की कुछ सीटें शामिल थीं। भारतीय जनता पार्टी को केवल 3 सीटें मिलीं, जो मुख्य रूप से दार्जिलिंग और शहरी बाहरी इलाकों में थीं, जो राज्य में भगवा पार्टी की शुरुआती उपस्थिति का संकेत देती हैं। टीएमसी ने दक्षिण बंगाल (उदाहरण के लिए दक्षिण 24 परगना में 31/31) और शहरी कोलकाता (11 में से अधिकांश सीटें) में शानदार जीत हासिल की, जबकि मुर्शिदाबाद जैसे मुस्लिम बहुल जिलों और ग्रामीण हुगली में वामपंथियों की ताकत बनी रही। 2011 के परिसीमन के बाद 23 जिलों में 294 निर्वाचन क्षेत्रों को स्थिर किया गया, जिससे टीएमसी के ग्रामीण आधार को मजबूती मिली।

इसके बाद 2021 के चुनावों ने एक बड़ा बदलाव ला दिया, इसमें भाजपा ने हिंदुत्व-एनआरसी के मंच पर 77 सीटें जीतकर जबरदस्त बढ़त हासिल की। बीजेपी ने जंगलमहल (पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पुरुलिया, बांकुरा-30 सीटें) और उत्तर बंगाल (दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी) में भी बढ़त बनाई। संदेशखाली जैसे मुद्दों और कोविड प्रबंधन में हुई गड़बड़ियों को लेकर सत्ता विरोधी लहर के बावजूद टीएमसी ने वापसी कर 213 सीटें जीतीं। टीएमसी ने अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों (मालदा, मुर्शिदाबाद, दो 24 परगना- बड़ी बढ़त) में दबदबा बनाए रखा और दक्षिण 24 परगना (31 सीटें), हावड़ा (16) और हुगली (18) में अपनी सीटें बरकरार रखीं। भाजपा ने सीमावर्ती और आदिवासी क्षेत्रों में जीत हासिल की, लेकिन मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा, जहां टीएमसी की कल्याणकारी योजनाओं ने 30 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर दिलाए।

अब मार्च 2026 तक, अप्रैल-मई में चुनाव होने वाले हैं, और 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है। विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के बाद मतदाता सूचियों से 63.66 लाख नाम (मतदाताओं के 10 प्रतिशत से अधिक) हटा दिए गए हैं, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों, मतुआ (नमशूद्र) क्षेत्र और अल्पसंख्यक जिलों की 125 से अधिक सीटों पर जनसांख्यिकी में बदलाव आया है। इसके प्रभावों में मतुआ और उत्तरी बंगाल के उन क्षेत्रों में बीजेपी की संभावित बढ़त शामिल है, जहां नाम हटाए गए हैं, और यह टीएमसी के अल्पसंख्यक गढ़ों जैसे मुर्शिदाबाद और मालदा को चुनौती दे सकता है, जहां नाम हटाए जाने से भारी नुकसान हुआ है। उत्तर और दक्षिण 24 परगना (कुल 64 सीटें), पुरबा बर्धमान (16) और पुरबा मेदिनीपुर (16) जैसे जिलों में उथल-पुथल का सामना करना पड़ रहा है, जहां राजकोषीय तनाव (अनुमानित 62,000 करोड़ रुपये का घाटा) विपक्षी चर्चाओं को बल दे रहा है।

भाजपा ने सीमावर्ती और जंगलमहल क्षेत्रों में हिंदुओं के बीच नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (सीएए-एनआरसी) के भय का फायदा उठाते हुए अपनी सीटें 3 से बढ़ाकर 77 कर लीं, जबकि टीएमसी ने मुस्लिम वोट बैंक (30-40 प्रतिशत वोट बैंक) को एकजुट करके इसका मुकाबला किया। 2011 के बाद परिसीमन ने सीमाएँ तय कर दीं, लेकिन 2026 के एसआईआर मतदाता सूची ने नरम पुनर्निर्धारण का काम किया, जिससे मतुआ (नागरिकता के बाद) में भाजपा को मजबूती मिली और टीएमसी के कल्याणकारी प्रभुत्व की परीक्षा हुई। आर्थिक संकट - बढ़ता घाटा (2022-23 में 49,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 1,05,000 करोड़ रुपये का ऋण) - और अंतरिम बजट में किए गए तुष्टीकरण (उत्तरी बंगाल के विकास के बजाय मदरसा निधि का उपयोग) ने विभाजन को और गहरा कर दिया। उत्तर-दक्षिणी बंगाल का विभाजन और गहरा गया है, टीएमसी 200 से अधिक सीटों पर नजर गड़ाए हुए है, जबकि भाजपा गठबंधन के माध्यम से 100 से अधिक सीटों का लक्ष्य बना रही है। यह बदलाव पश्चिम बंगाल में वामपंथ के पतन से लेकर टीएमसी-भाजपा के द्विध्रुवीय चुनावी मुकाबले तक के परिवर्तन को दर्शाता है, जिसमें 2026 के चुनाव सीमित सीटों और सीमावर्ती क्षेत्रों की जनसांख्यिकी पर निर्भर करेगा।

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी, विधानसभा अध्यक्ष ने ली अधिकारियों की बैठक

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद राजधानी पटना में प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी एक ईमेल के जरिए भेजी गई थी, जिसमें विधानमंडल भवन को विस्फोट से उड़ाने की बात कही गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गए और पूरे विधानसभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को हाई अलर्ट पर कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखकर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई। बैठक में सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा की गई और विधानसभा परिसर की व्यापक जांच कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह भी कहा गया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह मजबूत रखा जाए। निर्देश मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने विधानमंडल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। प्रवेश द्वारों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले लोगों की कड़ी जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या संभावित खतरे का समय रहते पता लगाया जा सके। फिलहाल जांच एजेंसियां उस ईमेल की पड़ताल कर रही हैं जिसके माध्यम से धमकी दी गई थी। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह मेल किस स्थान से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हो सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि सुरक्षा के सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

सोनिया गांधी से जुड़े मामले में सुनवाई टली... अब मामले की 30 मार्च को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ मतदाता सूची में कथित जालसाजी को लेकर शुक्रवार को सुनवाई होनी थी। लेकिन मामले में दायर रिवीजन पिटीशन पर शुक्रवार दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली ये सुनवाई टल गई है। अब मामले की अगली सुनवाई 30 मार्च को होगी।

शुक्रवार की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट से सुनवाई टालने की मांग की गई थी। इसके बाद अदालत ने नई तारीख दी। ये याचिका वकील विकास त्रिपाठी की तरफ से दायर की गई है। सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली याचिका को सितंबर में खारिज किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट के इसी फैसले को त्रिपाठी ने चुनौती दी है।

दरअसल सोनिया गांधी के खिलाफ याचिका में नागरिकता और मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। याचिका में दावा किया गया है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी। आरोप है कि नागरिकता मिलने से 3 साल पहले, यानी 1980 की मतदाता सूची में उनका नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में शामिल था।

इस पर याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब सोनिया गांधी के पास 1983 तक नागरिकता नहीं थी, तब 1980 में किस आधार पर और किन दस्तावेजों के सहारे मतदाता सूची में नाम जोड़ा गया? क्या इसके लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया? याचिका में ये भी पूछा गया है कि 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से क्यों हटाया गया था?

पिछली सुनवाई के दौरान सोनिया गांधी की ओर से अदालत में जवाब दाखिल किया गया है। उनके वकीलों ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। सोनिया गांधी ने याचिका को पूरी तरह से तथ्यहीन और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। इसके पहले इसी मामले में सोनिया गांधी के खिलाफ जांच और मुकदमा दर्ज कराने की मांग वाली याचिका को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने बीते साल सितंबर में खारिज किया था। कोर्ट ने तब याचिका में पर्याप्त आधार नहीं पाए थे। अब रिवीजन पिटीशन के जरिए ऊपरी अदालत में मामले को फिर से उठाने की कोशिश की जा रही है।

झारखंड विधानसभा में खुद रिक्शा चलाकर पहुंचे मंत्री इरफान... गैस संकट पर केंद्र सरकार को घेरा

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गैस सिलेंडर की कथित किल्लत और बढ़ती महंगाई का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा रहा है। इस मुद्दे को लेकर सदन के बाहर और अंदर सत्तापक्ष के विधायकों ने प्रदर्शन किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और आरजेडी के नेताओं ने हाथों में गैस सिलेंडर के प्रतिरूप (रिप्लिका) और पोस्टर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पोस्टरों पर ÷संसद से नरेंद्र मोदी गायब, देश से सिलेंडर गायब÷ जैसे नारे लिखे हुए थे। प्रदर्शन कर रहे विधायकों ने आरोप लगाया कि केंद्र की नीतियों के कारण जनता को गैस की किल्लत और महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान एक अनोखा दृश्य तब दिखाई दिया, जब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी खुद रिक्शा चलाकर विधानसभा पहुंचे। रिक्शे की पिछली सीट पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बैठी थीं और उनके हाथ में महंगाई के खिलाफ नारे लिखे पोस्टर थे। इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन के जरिए उन्होंने बढ़ती कीमतों और गैस संकट के मुद्दे को उठाने की कोशिश की। विधायक तिर्की ने कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले और उसके बाद मध्य पूर्व एशिया में पैदा हुई अस्थिरता ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया है। उन्होंने इस बात को लेकर केंद्र सरकार की विदेश नीति की विफलता बताकर कहा कि इसका सीधा असर देश में महंगाई और पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता पर पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री अंसारी ने भी केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना कर कहा कि जब राज्य के मंत्री ही पेट्रोलियम संकट और गैस की कमी से जूझ रहे हैं, तब आम जनता की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की नीतियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है जहां लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। वहीं विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने सत्तापक्ष के आरोपों को खारिज कर कहा कि गैस की किल्लत का मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ के लिए उठाया जा रहा है। जेडीयू नेता सरयू राय ने भी दावा किया कि सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिल रहे हैं। सदन में लगातार हंगामे और नारेबाजी के बाद स्पीकर के हस्तक्षेप से स्थिति शांत हुई, लेकिन गैस सिलेंडर की किल्लत और महंगाई का मुद्दा पूरे दिन विधानसभा में छाया रहा।

अलविदा की नमाज के बाद लखनऊ में प्रदर्शन, अमेरिका-इजराइल के खिलाफ लगे नारे

लखनऊ(एजेंसी)। रमजान के आखिरी जुमे पर अलविदा की नमाज के बाद शुक्रवार को लखनऊ में अमेरिका और इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन हुआ और जमकर नारेबाजी हुई। शहर के कई इलाकों में मस्जिदों के बाहर जमीन पर अमेरिका और इजराइल के झंडे लगाए गए, जिन पर नमाजी आते-जाते समय पैर रखकर गुजरते दिखाई दिए। दरअसल, शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने आज बड़े प्रदर्शन का ऐलान किया था। जिसको देखते हुए प्रशासन ने पुराने लखनऊ सहित संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई जगहों पर बैरिकेडिंग की गई है और यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुराने शहर में रूट डायवर्जन भी लागू किया गया। उधर, ऐशबाग ईदगाह स्थित जामा मस्जिद में मौलाना खालिद रशीद की इमामत में अलविदा की नमाज अदा की गई। वहीं टीले वाली मस्जिद में भी बड़ी संख्या में नमाजियों ने नमाज पढ़ी। इसके अलावा बड़ा इमामबाड़ा परिसर स्थित आसिफी मस्जिद में शिया समुदाय के लोगों ने अलविदा की नमाज अदा की। नमाज के बाद कुछ स्थानों पर फिलिस्तीन के समर्थन में नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन भी हुए।

राहुल गांधी की देश को गुमराह करने और भारत की छवि खराब करने की आदत बन गई

-केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष के नेता पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश को गुमराह करने और वैश्विक मंच पर भारत की छवि खराब करने का आरोप लगाया। संसद के बाहर गिरिराज सिंह ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की यह आदत बन गई है कि वे देश में भ्रम फैलाते हैं और विदेश नीति पर सवाल उठाते हैं। मकर द्वार पर चाय पीते हुए और देश का अपमान करते हुए उन्होंने कोविड महामारी के दौरान भी देश में भ्रम फैलाया।

गिरिराज की ये टिप्पणियां केंद्र और विपक्ष के बीच राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चल रही तीखी बहस के बीच आई हैं, जिसे पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति पर इसके प्रभाव ने और हवा दी है। एक दिन पहले, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं, और कहा था कि दर्द तो अभी शुरू हुआ है। राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के वैश्विक और घरेलू स्तर पर दूरगामी परिणाम होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि इसका असर देश भर में महसूस होना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि रेस्तरां और होटल बंद हो रहे हैं और एलपीजी की उपलब्धता को लेकर लोगों में दहशत है। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ गया है। अमेरिका, इजराइल और ईरान में जंग जारी है। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य, जिससे वैश्विक तेल का 20फीसदी प्रवाह होता है, बंद कर दिया गया है। इसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे, खासकर हमारे लिए क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज से ही होकर गुजरता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ऊर्जा सुरक्षा किसी भी राष्ट्र की स्थिरता की नींव होती है। उन्होंने भारत की ऊर्जा साझेदारी संबंधी निर्णयों को बाहरी शक्तियों के प्रभाव में लेने के विचार की आलोचना की।

हापुड़ में नेता के घर से 55 एलपीजी सिलेंडर बरामद, गैस संकट के बीच जमाखोरी का भंडाफोड़

हापुड़ (एजेंसी)। जिले में प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध जमाखोरी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। एक तरफ जहां आम जनता वैश्विक तनाव और आपूर्ति में बाधा के कारण रसोई गैस के एक-एक सिलेंडर के लिए तरस रही है, वहीं दूसरी तरफ भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों को छिपाकर रखने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हापुड़ प्रशासन की टीम ने स्थानीय नेता अब्दुल रेहान के आवास पर छापेमारी कर वहां से 55 भरे हुए एलपीजी सिलेंडर बरामद किए हैं। यह कार्रवाई उस समय हुई है जब पूरे क्षेत्र में गैस की भारी किल्लत और कालाबाजारी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं।

जानकारी के अनुसार, पिछले कई दिनों से जिला प्रशासन को सूचना मिल रही थी कि कुछ लोग गैस संकट का फायदा उठाकर सिलेंडरों का अवैध भंडारण कर रहे हैं और उन्हें ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। इसी क्रम में जब अधिकारियों को अब्दुल रेहान के घर पर बड़ी संख्या में सिलेंडर जमा होने की सटीक जानकारी मिली, तो संबंधित विभागों की एक संयुक्त टीम ने वहां छापेमारी की। घर के भीतर और स्टोर रूम में सिलेंडरों का बड़ा जखीरा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। प्रशासन ने तत्काल सभी 55 सिलेंडरों को जब्त कर लिया और उन्हें सुरक्षित रूप से संबंधित विभाग को सौंप दिया।

इस घटना के बाद से स्थानीय निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि गैस एजेंसियों के चक्कर काटने और कई दिनों के इंतजार के बावजूद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है, जबकि प्रभावशाली लोग अपने घरों में सिलेंडरों का अंबार लगाए बैठे हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि इस तरह की जमाखोरी ही बाजार में कृत्रिम कमी पैदा कर रही है, जिससे आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ गया है।

प्रशासन अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि गैस एजेंसियों के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये सिलेंडर किन नामों पर बुक किए गए थे और बिना वितरण के एक ही स्थान पर कैसे पहुंचे। राज्य सरकार और मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बाद, प्रशासन कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपना रहा है। हापुड़ देहात थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नीरज ने बताया कि आरोपी अब्दुल रेहान के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चूंकि मामले में सजा का प्रावधान सात साल से कम है, इसलिए आरोपी को फिलहाल थाने से जमानत दे दी गई है, लेकिन जांच जारी है और जल्द ही न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जनता के हितों के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

भारत में अलग है इच्छामृत्यु का तरीका, कई देशों में जहरीला इंजेक्शन व आत्महत्या भी है प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इच्छामृत्यु को लेकर कानूनी और मानवीय बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने गाजियाबाद के 32 साल के हरीश राणा के मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देते हुए उनके कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण हटाने की मंजूरी दे दी। हरीश पिछले 13 सालों से कोमा में है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने दिल्ली स्थित एम्स में डॉक्टरों की निगरानी में यह प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने यह भी कहा कि पूरी प्रक्रिया मानवीय और सम्मानजनक तरीके से की जानी चाहिए और मरीज को पैलिएटिव केयर में रखा जाए ताकि उसे कम से कम कष्ट हो। निष्क्रिय इच्छामृत्यु वह प्रक्रिया है जिसमें मरीज को जीवित रखने वाले कृत्रिम साधनों या इलाज को रोक दिया जाता है। इसमें वेंटिलेटर, कृत्रिम पोषण, फीडिंग ट्यूब या अन्य जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरण हटा दिए जाते हैं। इसके बाद मरीज की मृत्यु स्वाभाविक रूप से होती है, क्योंकि इलाज जारी रखने से केवल शरीर को कृत्रिम रूप से जिंदा रखा जा रहा होता है और स्वास्थ्य में सुधार की कोई संभावना नहीं रहती। भारत में इस प्रक्रिया को 'गरिमापूर्ण मृत्यु' के अधिकार से जोड़कर देखा जाता है।

बता दें भारत में 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी शर्तों के साथ निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता दी थी। हालांकि यहां सक्रिय इच्छामृत्यु यानी किसी मरीज को जानबूझकर घातक इंजेक्शन या दवा देकर मृत्यु देने की अनुमति नहीं है। दूसरी ओर दुनिया के कई देशों में इच्छामृत्यु के अलग-अलग रूपों को कानूनी मान्यता मिली है। अमेरिका के कुछ राज्यों में डॉक्टर की सहायता से आत्महत्या की अनुमति है, जबकि नीदरलैंड में डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन देकर या चिकित्सा सहायता से इच्छामृत्यु दोनों मान्य हैं। कनाडा में भी चिकित्सकीय सहायता से इच्छामृत्यु को कानूनी स्वीकृति दी गई है।

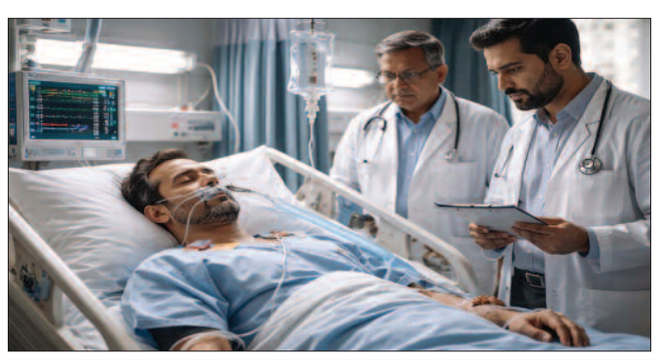

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)